खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 08 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-126

भारतीय सेना ने ध्वस्त किए पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने

कायराना करतूत का बहादुराना जवाब

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने भारतीय महिलाओं के सिंदूर पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों द्वारा किए गए आघात का सटीक बदला लिया है। पहलगाम में 15 दिन पहले की गई पाकिस्तान की कायराना करतूत का भारतीय सेना ने बहादुराना जवाब दिया है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के सौ किलोमीटर अंदर तक 21 जगहों पर मिसाइल दाग कर आतंकवादियों के नौ ठिकानों को तहस-नहस कर दिया। भारतीय सेना की तरफ से की गई कार्रवाई पाकिस्तान और पीओके में सक्रिय आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थी। भारत सरकार ने इस कार्रवाई के बारे में विश्व के शीर्ष नेताओं को आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी दे दी है। भारतीय सेना की सटीक कार्रवाई पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को बधाई दी और कहा, हमारे सुरक्षाबल 140 करोड़ भारतीयों का सपना सुरक्षित रखते हैं और अपना लक्ष्य साधते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेना ने उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। पाकिस्तान पर मिसाइल स्ट्राइक से पहले भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमले को तैयार, जीतने को बेकरार। साथ ही लिखा- प्रहाराय सन्निहिता:, जयाय प्रशिक्षिता:। थोड़ी देर बाद ही पाकिस्तान पर स्ट्राइक की खबर आ गई। फिर सेना ने लिखा, न्याय हुआ, जय हिंद!

ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगारों को मिट्टी में मिलाना शुरू कर दिया है। भारतीय सेना ने देर रात पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के नौ ठिकानों पर मिसाइल स्ट्राइक की। बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने सटीक हमला करने वाले हथियारों का इस्तेमाल करके दहशतगर्दों को मिट्टी में मिलाने का काम किया। भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हैं। पाकिस्तान स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में उनकी भूमिका के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और थलसेना की तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई सैन्य कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि भारतीय सेना ने उन आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और निर्देशित किया गया था। कुल मिलाकर नौ जगहों को निशाना बनाया गया। ▶10पर

- ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया सिंदूर उजाड़ने का बदला
- प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सुरक्षा बलों को शुभकामनाएं दीं
- हमने उन्हीं को मारा, जिन्होंने मासूमों को मारा : राजनाथ
- एक्शन के बाद भारतीय सेना ने कहा: न्याय हुआ, जय हिंद

गहन विचार के बाद तय किया गया मिशन का नाम

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया

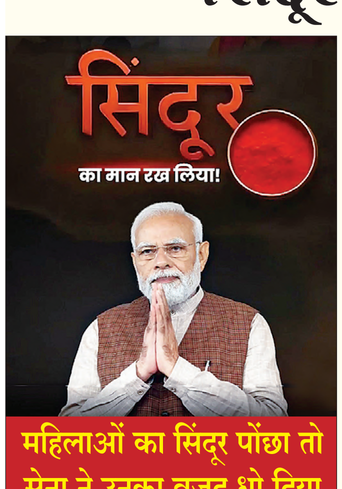

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आतंकियों ने सिर्फ पुरुषों की हत्या की और महिलाओं के सिंदूर पर आघात किया। इस आतंकी हमले में कई महिलाओं ने अपने पतियों को खो दिया। इसीलिए हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्य मिशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने का प्रस्ताव दिया। ये उन महिलाओं के सिंदूर का प्रतीक है, जिन्होंने आतंकी हमले में अपने पतियों को खोया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई के लिए ऑपरेशन सिंदूर नाम चुना। ऑपरेशन को लेकर सेना ने प्रेस ब्रीफिंग के लिए भी दो महिला सैन्य अफसरों को ही अग्रणी भूमिका में रखा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद थीं। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर तक मिसाइल हमले किए और नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। भारत की स्ट्राइक की जद में पीओके में पांच और पाकिस्तान में चार आतंकी ठिकाने आए। ▶10पर

एलओसी पर पाकिस्तानी तोपखानों का कहर

16 भारतीय नागरिकों की मौत, सौ से अधिक घायल

प्रदेश के हवाईअड्डे 10 मई तक बंद, सुरक्षाबलों की छुट्टियां रद्द

जम्मू, 07 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात के मद्देनजर प्रदेश के सभी हवाई अड्डों को 10 मई की सुबह तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय सुरक्षाबलों के जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। एहतियात के तौर पर गुलमर्ग गंडोला और स्कूल कालेज भी बंद कर दिए गए हैं। हज जाने वाली फ्लाइटें भी रोक दी गई हैं। एलओसी पर पाकिस्तानी सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में की जाने वाली गोलाबारी में 16 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और चुकी थी और 100 से अधिक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जम्मू कश्मीर हज कमेटी ने आज और कल के लिए निर्धारित दो हज उड़ानों को आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है, जिससे सैकड़ों तीर्थयात्रियों की यात्रा योजनाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। जम्मू कश्मीर हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी डॉ. शुजात अहमद कुरैशी ने पुष्टि की कि श्रीनगर हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण आज के लिए निर्धारित हज उड़ान को रद्द कर दिया गया है। ▶10पर

पूरी पड़ताल और रिसर्च के बाद चुने गए नौ टारगेट

भारत ने नौ आतंकी ठिकानों को चुन कर किया ध्वस्त

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। बुधवार तड़के भारत ने समन्वय तरीके से ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें आतंक के वो अहम ठिकाने शामिल हैं, जो लंबे समय से आतंकियों की पनाहगाह बने हुए थे। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान में जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया है, उनमें बहावलपुर, मुरीदके, चक अमरू, सियालकोट, भीमबेर, गुलपुर, कोटली, बाघ और मुजफ्फराबाद के इलाके शामिल हैं।

भारतीय सेना ने पूरी पड़ताल और शोध के बाद पाकिस्तान और पीओके के कुल नौ ठिकानों को निशाने पर लिया। इनमें बहावलपुर पाकिस्तान के दक्षिणी पंजाब का इलाका है। भारतीय हमले में बहावलपुर मुख्य निशाना था। दरअसल बहावलपुर में ही आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है। भारत में कई आतंकी हमलों में जैश ए मोहम्मद की संलिप्तता रही है। ▶10पर

	ठिकाना	आतंकी संगठन
1	मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर	जैश-ए-मोहम्मद
2	मरकज तैयबा, मुरीदके	लश्कर-ए-तैयबा
3	सरजल, तेहरा कलां	जैश-ए-मोहम्मद
4	महमूना जोया, सियालकोट	हिजबुल मुजाहिदीन
5	मरकज अहले हदीस, बरनाला	लश्कर-ए-तैयबा
6	मरकज अब्बास, कोटली	जैश-ए-मोहम्मद
7	मस्कर राहील शाहिद, कोटली	हिजबुल मुजाहिदीन
8	शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद	लश्कर-ए-तैयबा
9	सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद	जैश-ए-मोहम्मद

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में अलर्ट

200 से अधिक उड़ानें रद्द, 18 एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली/मुंबई, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। इसके बाद सुरक्षा के चलते श्रीनगर और जम्मू सहित 18 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए और 200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। इसमें अकेले इंडिगो ने लगभग 166 फ्लाइट स्थगित की हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट से भी कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। उत्तरी और पश्चिमी भारत के कम से कम 18 एयरपोर्ट्स को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। ▶10पर

थैंक्यू मोदी जी, आपने मेरे पति की मौत का बदला लिया

क्रॉसर: पहलगाम हमले की पीड़िता बोलीं, यह सच्ची श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/कानपुर, 07 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का 6-7 मई की दरमियानी रात बदला ले लिया है। वायुसेना ने पाकिस्तान में बसे अलग-अलग 9 आतंकी शिविरों को एयर स्ट्राइक के जरिए हिंदुस्तानी बारूद से तबाह कर दिया है। वायुसेना ने इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया। पहलगाम हमले के पीड़ितों की लगातार प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसमें कानपुर के रहने वाले शुभम द्विवेदी की पत्नी एशान्या द्विवेदी की प्रतिक्रिया भी आई है। एशान्या ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर मेरे पति और अन्य शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। एशान्या ने यह भी मांग की है कि पहलगाम हमले में मारे गए सभी लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाए। पहलगाम आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के कानपुर के शुभम द्विवेदी की भी मौत हुई थी। उन्हें भी आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा था। ▶10पर

मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों की मौत

रो पड़ा मसूद : बोला, मैं क्यूं नहीं मर गया

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। भारत की सशस्त्र सेनाओं द्वारा अंजाम दिए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर की पत्नी और बेटे समेत परिवार के 10 लोगों की मौत हुई है। मसूद अजहर ने खुद ही बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बहावलपुर में आतंकी ठिकानों पर हुए हमले में मसूद अजहर के परिवार के लोगों की मौत हुई। भारत के हमले में आतंकवादी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है। कारी इकबाल ही कोटली में चलने वाले आतंकी कैंप का कमांडर था। ▶10पर

पाकिस्तान पर भारतीय सेना की स्ट्राइक

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बना ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खियां बना रहा। दुनियाभर के मीडिया संस्थानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमले की खबरें विस्तार से प्रकाशित और प्रसारित की। अत्याधुनिक मिसाइलों से किए गए इस हमले को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी भारतीय सेना के हवाले से बिना उकसावे वाली कार्रवाई बताया है। भारतीय सेना के उस स्पष्टीकरण को भी खबरों में शामिल किया गया है, जिसमें सेना ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने ▶10पर

अजित डोभाल ने 8 देशों के समकक्षों से बात की

पाक के आतंकी ठिकाने पर कार्रवाई की जानकारी साझा की

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने आज अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और यूएई जैसे आठ बड़े देशों से बात कर भारतीय सेना की कार्रवाई की जानकारी साझा की। डोभाल ने सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पावेल से बातचीत कर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। डोभाल ने सऊदी अरब के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुसैद अल ऐबन से भी बातचीत की। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के ▶10पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

जेमिनी ऐप अब बच्चों की कहानियाँ पढ़ने, होमवर्क में करेगा मदद

वॉशिंगटन,07 मई (एजेंसियां) ।
जेमिनी ऐप अब बच्चों की कहानियाँ पढ़ने, होमवर्क में मदद करने और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए भी उपलब्ध होगा। गूगल जल्द ही 13 साल से कम उम्र के बच्चों को अपने जेमिनी एआई ऐप का इस्तेमाल करने की सुविधा देने जा रहा है।

यह सुविधा उन्हीं बच्चों को मिलेगी जिनके एंड्रॉयड डिवाइस पैरेंटल कंट्रोल टूल फैमिली लिंक के ज़रिए मैनेज किए जाते हैं। जानकारी के अनुसार, गूगल ने इस योजना की जानकारी पैरेंट्स को देना शुरू कर दिया है। गूगल ने इसके साथ कुछ चेतावनियां और दिशानिर्देश भी साझा किए हैं। कंपनी ने पैरेंट्स को भेजे ईमेल में स्पष्ट किया है कि जेमिनी एआई गलतियां कर सकता है और बच्चे ऐसा कंटेंट देख सकते हैं जो माता-पिता को अस्वीकार्य लग सकता है। हालांकि गूगल ने भरोसा दिलाया है कि बच्चों का डेटा उसके एआई मॉडल को ट्रेन करने में इस्तेमाल नहीं होगा। इसके बावजूद, एआई टूल्स से जुड़े पहले के अनुभवों ने चिंताओं को जन्म दिया है।

केरेक्टर.एआई जैसे प्लेटफॉर्म पर पहले ही ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां यूजर्स को अनुचित कंटेंट दिखाया गया और वे यह समझ ही नहीं पाए कि वे इंसानों से बात कर रहे हैं या किसी बॉट से। गूगल पैरेंट्स को बच्चों के साथ संवाद करने और यह समझाने की सलाह दे रहा है कि एआई एक इंसान नहीं है और इसके साथ किसी भी तरह की संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। यदि फैमिली लिंक सेटिंग्स एक्टिव हों, तो बच्चे सीधे जेमिनी को एक्सेस कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म पैरेंट्स को बच्चों के स्क्रीन टाइम की निगरानी, ऐप एक्सेस सीमित करने और कुछ कंटेंट ब्लॉक करने की सुविधा देता है। साथ ही, गूगल प्रवक्ता कार्ल रयान के अनुसार, पैरेंट्स चाहें तो जेमिनी एआई की एक्सेस को पूरी तरह बंद भी कर सकते हैं। बच्चों को पहली बार जेमिनी इस्तेमाल करते समय एक विशेष नोटिफिकेशन भी दिया जाएगा। इसी बीच, अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा साइन किए गए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर ने स्कूलों में एआई शिक्षा को अनिवार्य करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

न्यूज ब्रीफ

यूएन महासचिव ने भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव पर जताई चिंता, संयम बरतने की अपील

UNITED NATIONS
संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र । भारत की ओर से पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद बढ़े सैन्य तनाव पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की ओर से गहरी चिंता जताई गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा, महासचिव को नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार भारतीय सैन्य कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता है। वे दोनों देशों से अधिकतम सैन्य संयम बरतने की अपील करते हैं। दुनिया भारत और पाकिस्तान के बीच किसी सैन्य टकराव की जोखिम नहीं उठा सकती। महासचिव ने दो दिन पहले पहलगाम आतंकी हमले पर भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि नागरिकों को निशाना बनाना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद की भावनाएं वे समझते हैं। वे उस हमले की कड़ी निंदा और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं।

काठमांडू में माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बाथरूम में बेहोश मिले, सिर पर आई चोट

काठमांडू। माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बीती देर रात अपने बाथरूम में बेहोश पाए गए । उनके सिर पर चोट आई है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई गई है। उनकी बेटी गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में गिरने से उनके सिर पर चोट आई है। तत्काल ही उन्हें काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनके सिर पर तीन टांके लगाए गए। गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में जाते समय संभवत: उनका पांव फिसल गया और वहां रखे बाथ टब से टकराकर गिर गए। इस दौरान चोट लगने से वह बेहोश हो गए । इस समय उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल वो आराम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री केपी ओली सहित सभी प्रमुख नेताओं ने उनके घर जाकर उनसे मुलाकात की है।

भारत द्वारा थोपे गए युद्ध का पाकिस्तान देगा पुरजोर जवाब: शहबाज

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पीओके पर

मिसाइल से हमले किए हैं। इन हमलों पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, कि भारत द्वारा थोपे गए इस युद्ध का पाकिस्तान पुरजोर जवाब देगा। भारत की सेना द्वारा बुधवार तड़के किए गए मिसाइल हमलों में अनेक लोगों की मौत हुई है, जबकि कई घायल हो गए। भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि चालाक दुश्मन ने पाकिस्तान में पांच जगहों पर कायराना हमले किए हैं। पाकिस्तान को भारत द्वारा थोपे गए इस युद्ध कृत्य का पुरजोर जवाब देने का पूरा अधिकार है और उसे पुरजोर जवाब दिया जा रहा है। पूरा देश पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है और पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र का मनोबल और भावना ऊंची है। पाकिस्तानी राष्ट्र और पाकिस्तानी सशस्त्र बल जानते हैं कि दुश्मन से कैसे निपटना है। हम दुश्मन को उसके नापाक इरादों में कभी सफल नहीं होने देंगे। इस तरह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया और कहा कि उनके देश को इसका उचित जवाब देने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सभी एयर डिफेंस यूनिट्स को पाकिस्तानी सेना ने सक्रिय कर दिया है।

आतंकियों को पता होना चाहिए कि बचने के लिए कोई जगह नहीं

इजराइल का ऑपरेशन सिंदूर को समर्थन

इस्लामाबाद,07 मई (एजेंसियां) । 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के एयरस्ट्राइक का इजरायल ने समर्थन किया है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इजरायल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। इस सैन्य कार्रवाई में उन आतंकी कैंपों और लॉजिस्टिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी समूहों से जुड़े थे।

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों से जोड़ा है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी द रेसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली है।

सेना ने ऑपरेशन के बाद कहा, थोड़ी देर पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई और निर्देशित की गई थी।भारतीय सेना के प्रवक्ता ने हमलों की सटीकता और सीमित दायरे की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हमारी कार्रवाई केंद्रित और सटीक रही। हमने केवल उन आतंकी कैंपों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया था।

प्रवक्ता ने कहा, ऑपरेशन का इरादा और कार्यान्वयन गैर-विवाद बढ़ाने वाला था।

उन्होंने आगे कहा, न्याय हो गया, जय हिंद।

भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी नौ लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई नागरिक, सैन्य या आर्थिक बुनियादी ढांचा प्रभावित नहीं हुआ।

एयरस्ट्राइक पर चीन ने जताई चिंता, दोनों देश से की संयम बरतने की अपील

बीजिंग,07 मई (एजेंसियां) । पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूरळ के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। भारत की एयर स्ट्राइक पर चीन के विदेश मंत्रालय का बयान आया है। चीन ने भारत के सैन्य ऑपरेशन पर फिक्र जाहिर की है।चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि चीन को भारत के आज सुबह किए गए सैन्य ऑपरेशन पर अफसोस है। हम मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। भारत और पाकिस्तान हमेशा एक-दूसरे के पड़ोसी रहेंगे और दोनों चीन के भी पड़ोसी हैं। चीन हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है। हम दोनों देशों से शांति और स्थिरता के बड़े हित में काम करने, शांत रहने, संयम बरतने और ऐसे कदमों से बचने की अपील करते हैं जो स्थिति को और जटिल कर सकते हैं।इससे पहले भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते दिखे। तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा अपनी पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई की है।वहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने विश्व बिरादरी से अपील करते हुए कहा, दुनिया आतंकवाद के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस दिखाए।पहलगाम हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक से लिया है। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार इस पूरी सैन्य कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं।यह हमला 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई का हिस्सा था, जिसमें जम्मू-कश्मीर में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी। यह ऑपरेशन भारत द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक सुनियोजित कदम था कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए, जबकि आगे की स्थिति से बचने के लिए संयम बनाए रखा गया।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नहीं की पहले वाली गलती, इस बार लिखा आतंकी हमला

वॉशिंगटन,07 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने भी इस हमले की खबर को अपनी वेबसाइट में लीड लिया है। यही नहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बार पहले वाली गलती नहीं की है और पहलगाम के अटैक को आतंकवादी हमला ही लिखा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की हेडिंग है- इंडिया स्ट्राइक पाकिस्तान टू वीक ऑफ्टर टेरेरिस्ट अटैक इससे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने बड़ी गलती की थी और पहलगाम अटैक को मिलिटेंट अटैक यानी उग्रवादी हमला लिखा था।

इस पर अमेरिका की सरकार ने भी आपत्ति जताई थी और हेडिंग ही बदलवा दी थी। अमेरिकी सरकार ने अखबार को नसीहत दी थी कि पहलगाम अटैक को मिलिटेंट अटैक नहीं बल्कि टैररिस्ट अटैक यानी आतंकी हमला लिखा जाए।

इसके बाद न्यूयॉर्क टाइम्स ने हेडिंग बदल भी दी थी। अब इस बार जब भारत के जवाबी ऐक्शन वाली खबर न्यूयॉर्क टाइम्स ने छापी है तो सीधा लिखा है- आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद भारत का पाकिस्तान पर अटैक।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि भारत ने पीओके और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 ठिकानों पर हमले किए हैं। इनमें 8 लोगों की मौत हुई है, जबकि 35 घायल हुए हैं। वहीं भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इन हमलों में 90 पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं।

अखबार लिखता है कि दोनों देशों के बीच कई जंग हो चुकी हैं और 1999 में आखिरी बार दोनों के बीच युद्ध हुआ था। यही नहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने आशंका जताई है कि भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध भी शुरू हो सकता है। बता दें कि न्यूयॉर्क टाइम्स जैसी ही भाषा बीबीसी ने भी लिखी थी और पहलगाम में हमले को मिलिटेंट अटैक लिखा था। इस पर भी भारत सरकार ने आपत्ति जताई थी और उसे नोटिस भी जारी किया था।

यमन की राजधानी सना पर इजरायल के लड़ाकू विमानों ने ताबड़तोड़ हमले किए

हूती विद्रोहियों के खिलाफ इजरायल ने एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। यमन की राजधानी सना पर इजरायल के लड़ाकू विमानों ने ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इन हमलों में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया है। इहरायल के हमले से हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना एयरपोर्ट पर भारी तबाही की खबर है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट को हूती विद्रोहियों ने रविवार को बैलेस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया गया था, जिसके बाद सोमवार को भी इजरायल ने यमन पर हमला किया था। इजरायल के लड़ाकू विमान सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारी बमबारी कर रहे हैं। इजरायल के लड़ाकू विमानों द्वारा 20 से ज्यादा हमलों की खबर है। इजरायल के लड़ाकू विमानों के हमले के बाद तेज धमाके सुने गए और धुएं का गुबार उठता देखा गया है। इस तरह के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। इजरायली डिफेंस फोर्सेज के एक अरबी प्रवक्ता ने यमन के सना एयरपोर्ट को खाली करने का आदेश दिया था। उसके कुछ ही मिनट के बाद एयरपोर्ट पर हमले शुरू हो गए।

कनाडा की सरकार बदली पर भारत विरोधी तस्वीर ज्यों की त्यों, परेड में दिखे पीएम मोदी, शाह और जयशंकर के पुतले

ओटावा,07 मई (एजेंसियां) ।
कनाडा को लेकर यह माना जा रहा था कि ट्रूडो की सरकार पूरी तरह चले जाने के बाद भारत के समर्थन वाला माहौल बन जाएगा, लेकिन ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। दरअसल कनाडा में सिख विरासत माह और खालसा दिवस समारोह के दौरान एक बार फिर कट्टरपंथी खालिस्तानी गतिविधियां सुर्खियां बटोरती दिखी हैं। इस बार टोरंटो के माल्टन गुरुद्वारे के बाहर आयोजित परेड में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर के पुतलों के साथ हिंदू विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस परेड और प्रदर्शन के दौरान भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक बैनर भी देखे गए।

यह तस्वीर कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के जाने और मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद की है, जिससे चिंता होना लाजमी है। पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद उम्मीद बंधी थी कि नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यकाल में इस तरह की कोई घटना नहीं होगी, लेकिन भारत विरोधी बड़ी घटना अब सामने आ चुकी है। हालाँकि सरकार की ओर से इस पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है, जिससे कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिकों में चिंता और नाराजगी साफ देखी जा सकती है। हिंदुओं को देश से निकालने की मांग परेड के दौरान एक कट्टरपंथी वक्ता द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषण ने इंडो-कनाडाई समुदाय में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया। इस भाषण में कनाडा से हिंदुओं को निकालने का खुला आह्वान किया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जबकि कनाडा में करीब 18 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिनमें से लगभग 8 लाख हिंदू हैं। कनाडाई हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स का विरोध इस घटना की प्रतिक्रिया भी सामने आई है और कनाडाई हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, कि इतिहास हमें सिखाता है कि सामूहिक निष्कासन के आह्वान जैसी बयानबाजी गंभीर और अकल्पनीय परिणाम ला सकती है। ऐसे खतरनाक विचारों की सभी जिम्मेदार नेताओं और संस्थानों द्वारा कड़ी निंदा होनी चाहिए। समुदाय के नेताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ कट्टरपंथी कनाडा की शरण और आव्रजन प्रणालियों का दुरुपयोग कर देश में दाखिल हुए हैं। उन्होंने झूठे उत्पीड़न के आधार पर शरण ली और फिर यहीं से ऐसे नेटवर्क तैयार किए जो हिंसा को वित्तीय सहायता, वैचारिक समर्थन और महिमामंडन दे रहे हैं। सरकार की चुप्पी पर भी सवाल घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए इंडो-कनाडाई संगठनों और भारत समर्थक संस्थाओं ने कनाडा सरकार से स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। उनका कहना है कि बार-बार ऐसे आयोजनों की अनुमति देना और फिर चुप्पी साधकर कनाडा की सरकार अप्रत्यक्ष रूप से इस उग्रवाद को बढ़ावा दे रही है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों बेटों का कारोबार कई देशों में फैला

न्यूयॉर्क,07 मई (एजेंसियां) ।
दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले डोनाल्ड ट्रंप के बेटों का कारोबार दुनिया के कई देशों में बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप ने पिछले दो सप्ताह में दुनिया के कई देशों का दौरा किया है। लगभग आधा दर्जन देशों में उन्होंने अनुबंध किए हैं। दुबई में एक लग्जरी होटल खोलने का अनुबंध हुआ है। जेद्दा और सऊदी अरब में रियल एस्टेट के कई सौदे किए हैं। कतर में गोल्फ कोर्स और बंगलो के निर्माण के लिए अनुबंध किया है। वाशिंगटन में भी एक नया प्राइवेट क्लब और अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी के 2 वेंचर्स का काम शुरू किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप बंधुओं का काम दुनिया के देशों में बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। दुबई में 80 मंजिल का ट्रंप इंटरनेशनल होटल तथा टावर की योजना आकार ले रही है। पिछले सप्ताह वह दुबई के दौरे पर थे। उस समय एरिक ट्रंप के सम्मान में एक बड़ी पार्टी का आयोजन किया गया था। दुबई में जो टावर कम्पनी है, उसमें एक टावर का मूल्य 168 करोड रुपए कीमत का है। एरिक ट्रंप रियल एस्टेट कंपनी ट्रंप आर्गेनाइजेशन के मुख्य कर्ताधर्ता हैं। वह क्रिप्टो कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के बोर्ड में भी शामिल हैं। उन्होंने जूनियर ट्रंप के साथ मिलकर बिटकॉइन कंपनी को शुरू किया है। अमेरिका में बड़ी चर्चा हो रही है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली का कहना है। डोनाल्ड ट्रंप के दोनों बच्चे जो कारोबार कर रहे हैं ।उससे अमेरिका के हितों का कोई टकराव नहीं होता है।

पिछले दो सप्ताह में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने हंगरी रोमानिया सर्बिया और बुल्गारिया के राष्ट्रीय अध्यक्षों तथा यहां के नेताओं से भी उन्होंने मुलाकात की है।

पाकिस्तान पर भारत का ऐसा खौफ, सेना पर कर दिए 5 हजार करोड़ खर्च

करांची। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा जवाबी कार्रवाई से घबराए पाकिस्तान ने भारत के साथ लगी सीमा पर अपनी सेना की तैनाती शुरू कर दी है और दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से अपनी नौसेना को भी तैयार रखा है। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद से 2 मई तक पाकिस्तानी सेना ने भारत के खौफ के चलते करीब 5 हजार करोड़ रुपए फूंक दिए। सबसे ज्यादा खर्च फाइटर जेट सॉर्टी और सैनिकों के मूवमेंट पर किया मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस खर्च में हाल में तुर्किये और चीन से खरीदे गए सैन्य साजोसामान शामिल नहीं हैं। सामान्य दिनों में पाकिस्तान का रोज का सैन्य खर्च करीब 45 करोड़ रुपए है। इसमें सबसे ज्यादा खर्च फाइटर जेट सॉर्टी और सैनिकों के मूवमेंट पर किया गया है। पाकिस्तान ने अपने करीब 80 जेट्स को फॉरवर्ड एयरबेस पर तैनात कर दिया है। कई एयरस्ट्रिप को फिर से ऑपरेटिव बनाया गया है।

देश के विभिन्न शहरों में आयोजित हुआ मॉकड्रिल, कई जगह ब्लैक आउट

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच लोगों को हवाई हमलों की स्थिति में राहत और बचाव के प्रति जागरुक करने और प्रशिक्षित करने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों को भेजे गये निर्देश के अनुसार बुधवार को देश के विभिन्न शहरों में सिविल डिफेंस के तहत मॉकड्रिल (अभ्यास) आयोजित किये गये।

आज शाम को 244 जिलों में ब्लैक आउट का भी अभ्यास किया गया। इस दौरान सिविल डिफेंस, पुलिस होमगार्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के लोग अभ्यास में शामिल थे।

राजधानी में डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, मयूर विहार और खान मार्केट सहित दिन में हवाई हमले के सायरन के आवाज के साथ लोगों को बचाव और राहत के उपायों का प्रशिक्षण कराया गया। शाम को आठ से सवा आठ बजे के बीच नार्थ ब्लॉक,साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन सहित राजधानी के तमाम इलाके में बत्तियां बुझा दी गयीं और कुछ देर के लिये राजधानी अंधेरे की चादर में लिपट गयी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ग्रुप मुख्यालय जालंधर के तत्वावधान में छह एनसीसी बटालियनों के विभिन्न 250 शिक्षण संस्थानों ने सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास किया। बिग्रेडियर अजय तिवारी सेना मेडल ग्रुप कमांडर ने बुधवार को बताया होशियारपुर, कपूरथला, फगवाड़ा और जालन्धर की तीन बटालियनों के कालेजों और स्कूलों में आठ हजार एनसीसी कैडेटों और छात्र/ छात्राओं ने सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। सेना के प्रशिक्षकों और शिक्षकों ने शिक्षण संस्थानों में लेक्चर, डेमो और युद्र के समय हवाई हमले से बचने के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये।

ब्रिगेडियर तिवारी से बताया कि क्लास या घर अन्दर, बाजार, खेल के मैदान और खुले मैदान में सिविल डिफेन्स के विभिन्न तरीके सिखाये गये। नागरिकों के घायल होने पर फर्स्ट एंड और और घायलों की निकासी के तरीके भी सिखाये गये हैं। कैडेटों और छात्रों को ब्लैक आउट में कार्रवाई भी सिखाई गयी। एक घंटे का ब्लैक आउट कल रात्रि जालन्धर कैंट में कराया जो आज भी रात आठ बजे से रात नौ बजे तक जालन्धर और अन्य जिलों में कराया जायेगा। आग के प्रकार और आग बुझाने के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये गये।

ब्रिगेडियेर अजय ने बताया कि राष्ट्र के 300 जिलों में सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया है और सभी नागरिकों को हवाई हमले और न्यूक्लियर बायोलॉजिकल और केमिकल वारफेयर में बचाव के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये गये। ग्रुप कमांडर ने सोशल मीडिया में निगेटिव खबरों और विडियों से बचने के बारे में बताया। केवल सरकारी चैनलों और एजेन्सियों से दी गयी, जानकारी और सूचनाओं पर ही भरोसा करना है। कैडेटों और छात्रों को युद्धाभ्यास और सिविल डिफेन्स की जानकारी बहुत महत्वपूर्ण हैं और कई कैडेट जीवन में पहली बार सीख रहे हैं।

पहलगाम में आतंकवादी हमला और आज के ऑपरेशन सिंदूर के बीच बनीं स्थितियों के मद्देनजर आज देशव्यापी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के तहत मध्यप्रदेश के पांच जिलों में शाम को मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान आपात स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित बचाने का अभ्यास किया गया।

राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और कटनी जिलों में मॉक ड्रिल किया गया। इसमें प्रशासनिक अमले के साथ ही स्वैच्छिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी। इस दौरान यह प्रदर्शित किया गया कि युद्ध के दौरान निर्मित हालातों में किस तरह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। इसका एक मुख्य उद्देश्य नागरिकों को मानसिक रूप से तैयार करना भी रहा।

प्रशासन का कहना है कि नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन राष्ट्र का महत्वपूर्ण विषय एवं जिम्मेदारी है, फलस्वरुप नागरिकों की सुरक्षा के लिये सिविल डिफेंस अधिनियम 1968 एवं अन्य नियमों में नागरिक सुरक्षा करने के प्रावधान किये गये हैं। नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय की है, जो समय-समय पर राज्यों को आवश्यक निर्देश देती है

कि राज्य सरकारें नागरिक सुरक्षा योजनायें बनायें, योजनाओं की समय-समय पर समीक्षा करें और आवश्यकता पड़ने पर संशोधन करें।

नागरिक सुरक्षा योजनाओं का अभ्यास करने के लिये केन्द्र सरकार के निर्देश के अनुरूप पांच जिलों ग्वालियर, भोपाल, इन्दौर, जबलपुर एवं कटनी में यह अभ्यास किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून जनपद में नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत आयोजित सिविल डिफेंस 'मॉक ड्रिल' की निगरानी राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (यूएसडीएमए) स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र तथा जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से की गयी। गृह विभाग के सचिव शैलेश बगौली, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दीपम सेठ तथा सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, विनोद कुमार सुमन ने से मॉक ड्रिल की मॉनीटरिंग की।

बुधवार को जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से जिलाधिकारी सविन बंसल और आईआरएस तंत्र के अंतर्गत, उनकी पूरी टीम यूएसडीएमए से वर्चुअली जुड़ी रही। सायरन बजने के निर्धारित समय से पूर्व सचिव, गृह, शैलेश बगौली तथा डीजीपी श्री सेठ राज्य यूएसडीएमए पहुंचे। इस दौरान, वहां से घटना स्थलों, स्टेजिंग एरिया, इंसीडेंट कमांड पोस्ट तथा रिलीफ सेंटरों को भी जोड़ा गया।

श्री बगौली ने मॉक ड्रिल के दौरान, विभिन्न घटनाओं के बारे में जिला आ-पातकालीन परिचालन केंद्र में उपस्थित जिलाधिकारी श्री बंसल से विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि किस प्रकार घटना की सूचना प्राप्त होने पर फोर्सेज को रवाना किया गया, किन-किन टीमों को भेजा गया, शेल्टर कहां बनाये गये तथा उनकी क्षमता क्या है, स्टेजिंग एरिया में क्या-क्या व्यवस्थाएं हैं तथा कौन-कौन से संसाधन हैं, आईआरएस को कैसे एक्टिवेट किया गया।

श्री बगौली ने इंसिडेंट कमाण्ड पोस्ट की व्यवस्थाओं के बारे में भी उन्होंने विस्तार से पूछा। इस दौरान, उन्होंने आईआरएस यानी घटना प्रतिक्रिया प्रणाली के तहत किस अधिकारी की तथा किस विभाग की क्या जिम्मेदारी है, इसके बारे में भी संबंधित अधिकारियों से ही जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आईआरएस एक सशक्त प्रणाली है, जिसके माध्यम से आपदाओं का प्रभावी तरीके से सामना किया जा सकता है, इसलिए यह आवश्यक है कि राज्य स्तर से लेकर जनपद स्तर तथा तहसील स्तर तक आईआरएस के तहत किस विभाग की तथा किस अधिकारी की क्या भूमिका है, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए।

डीजीपी दीपम सेठ ने इस दौरान, फील्ड पर मौजूद अधिकारियों से रिजर्व संसाधनों तथा उपकरणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जब भी एंबुलेंस, राहत और बचाव दलों के वाहनों का मूवमेंट हो, उस समय ट्रैफिक की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग के सचिव विनोद कुमार सुमन ने निर्देश दिए कि मॉक अभ्यास के दौरान, जो भी गैप्स तथा लूपहोल्स रहे हैं, उनको चिह्नित किया जाए तथा डी ब्रीफिंग कर उनके बारे में चर्चा कर, एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि यह कोशिश की जाएगी कि भविष्य में होने वाले मॉक अभ्यासों में इन्हें दूर किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद

जम्मू कश्मीर के सभी स्कूल कॉलेज और हवाई अड्डे बंद

जम्मू, 07 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान द्वारा जवाबी कार्रवाई करने के डर से प्रदेश में आज सभी स्कूल और कालेजों को बंद कर दिया गया है। प्रदेश में डर और दहशत का माहौल है। जबकि भारतीय वायु सेना ने जम्घ्मू और श्रीनगर एयरपोर्ट पर हवाई क्षेत्र को बंद करने की पुष्टि की है, जिसके परिणामस्वरूप आज के लिए नागरिक उड़ान संचालन पूरी तरह से स्थगित हो गए हैं। जानकारी के लिए दोनों हवई अडडे वायुसेना के अधीन आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा स्थिति के कारण जम्मू के पांच जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जिलों में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे।

अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और एहतियात के तौर पर आधिकारिक सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। इसी तरह से डिविजनल कमिश्नर कश्मीर ने बुधवार को कहा कि कश्मीर के तीन जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। डिविजनल कमिशनर कश्मीर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए बारामुल्ला, कुपवाड़ा और गुरेज में शैक्षणिक संस्थान, स्कूल, कॉलेज आज बंद रहेंगे। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और शांति बनाए रखने का आग्रह किया है, साथ ही एहतियात के तौर पर आधिकारिक सलाह का पालन करने को कहा है।

इस बीच भारतीय वायु सेना ने जम्मू और श्रीनगर एयरपोर्ट पर हवाई क्षेत्र को बंद करने की पुष्टि की है, जिसके परिणामस्वरूप आज के लिए नागरिक उड़ान संचालन पूरी तरह से स्थगित हो गए हैं। जानकारी के लिए दोनों हवई अडडे वायुसेना के अधीन आते हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट के निदेशक जावेद अंजुम ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एयरफील्ड बंद है और आज श्रीनगर एयरपोर्ट से कोई भी नागरिक उड़ान संचालित नहीं होगी। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, जो नियंत्रण रेखा के पार आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किया गया एक सटीक हमला है। अधिकारियों ने यात्रियों से एयरपोर्ट पर जाने से पहले संबंधित एयरलाइनों से उड़ान की स्थिति की जांच करने का आग्रह किया है। जम्मू एयरपोर्ट भी बंद कर दिया गया हे क्योंकि यह पूरी तरह से इंटरनेशनल बार्डर के नजदीक माना जाता है।

आयुर्वेद की दो प्राचीन पांडुलिपियों का प्रकाशन

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने चिकित्सा विज्ञान की दो दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः को प्रकाशित किया है।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने पारंपरिक चिकित्सा में देश की समृद्ध धरोहर को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो दुर्लभ और महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पांडुलिपियों - द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः का प्रकाशन किया है। इन प्रकाशनों का अना-वरण मुंबई में राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रोफेसर

वैद्य रविनारायण आचार्य उपस्थित थे। मुंबई के प्रसिद्ध पांडुलिपिविज्ञानी और अनुभवी आयुर्वेद विशेषज्ञ, डॉ. सदानंद डी. कामत ने पांडुलिपियों का आलोचनात्मक संपादन और अनुवाद किया है।

प्रो. वैद्य रविनारायण आचार्य ने भारत के प्राचीन ज्ञान को समकालीन शोध ढांचों के साथ जोड़ने में इस तरह के पुनरुद्धार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ये ग्रंथ केवल ऐतिहासिक कलाकृतियां नहीं हैं - वे जीवित ज्ञान प्रणालियां हैं जो सोच-समझकर अध्ययन और लागू किए जाने पर समकालीन स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण को बदल सकती हैं।

वर्ष 1480 में मुद्गल पंडित ने द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः लिखा और इस अप्रकाशित शब्दकोश में अठारह अध्याय हैं जो औषधि के पर्यायवाची, चिकित्सीय क्रियाओं और औषधीय गुणों पर हैं। 19वीं शताब्दी तक महाराष्ट्र में व्यापक रूप से संदर्भित यह ग्रंथ, धन्वंतरि और राजा निघण्टु जैसे शास्त्रीय निघण्टुओं से प्रेरणा लेता है। यह पौधे, खनिज और पशु मूल से कई नए औषधीय पदार्थों का दस्ता-वेजीकरण करता है।

पंद्रहवीं शताब्दी में लिखित द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः एक आयुर्वेदिक शब्दकोश जिसकी रचना भीष्म वैद्य ने की है। यह औषधि और पौधों के नामों के समानार्थी शब्दों पर केंद्रित है। कुल 182 श्लोकों और दो कोलोफोन श्लोकों को शामिल करते हुए।

मोदी ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का किया आह्वान

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के बेहतर भविष्य और विज्ञान की प्रगति के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान करते हुये बुधवार को कहा, हमने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को स्टार्टअप, उद्यमियों और युवा प्रतिभाओं के लिये खोल दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अगले कुछ ही सप्ताह में अमेरिका की अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा के साथ संयुक्त मिशन के तहत एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए यात्रा करने जा रहा है।

श्री मोदी ने अंतरिक्ष अन्वेषण पर वैश्विक सम्मेलन-2025 को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। भारत के लिए अंतरिक्ष अन्व-ेषण के साथ-साथ सशक्तिकरण का भी विषय है। भारत साथ मिलकर ऊंचाइयों

को छूना चाहता है।

उन्होंने कहा, हम मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष की खोज करने के लिए एकसाथ मिलकर लक्ष्य साझा करते हैं। हमने दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक उपग्रह लॉन्च किया। अब, हमारी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान घोषित जी-20 उपग्रह मिशन ग्लोबल साउथ (विकाशील देशों) के लिए एक उपहार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत एक साथ सपने देखने, एक साथ निर्माण करने और एक साथ सितारों तक पहुंचने के लिए खड़ा है। आइए हम एक साथ मिलकर अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नया अध्याय लिखें, जो विज्ञान और बेहतर कल के लिए साझा सपनों द्वारा निर्देशित हो। इस सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, अन्वेषक, अंतरिक्ष यात्री और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्राचीन ज्ञान पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। हम न केवल अपने विकास के लिए प्रयास करते हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान को समृद्ध करने, सामान्य चुनौतियों का समाधान करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का प्रयास करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 1963 में एक छोटे रॉकेट को प्रक्षेपित करने से लेकर, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत यात्रा उल्लेखनीय रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2035 तक, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में नयी सीमायें खोलेगा। वर्ष 2040 तक, एक भारतीय के पैरों के निशान चंद्रमा पर होंगे। मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को स्टार्टअप, उद्यमियों और युवा प्रतिभाओं के लिए खोल दिया है। देश में

आज 250 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप हैं। वे उपग्रह प्रौद्योगिकी, प्रण-ोदन प्रणाली, इमेजिंग और बहुत कुछ में अत्याधुनिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कई अंतरिक्ष मिशनों का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत वैज्ञानिक अन्वेषण की लगातार नयी-नयी सीमायें तय करते हुए नये आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा पहला मानव अंतरिक्ष-उड़ान मिशन, 'गगनयान', हमारे देश की बढ़ती आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता है।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष की अवधि के लिए सीबीआई निदेशक का पदभार संभाला था।

एक साल के सेवा विस्तार के बाद वह इस पद पर मई 2026 तक बने रहेंगे। इससे पहले सोमवार को अगले सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए पीएमओ में बैठक हुई थी। जिसमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे।

केंद्र सरकार ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष की अवधि के लिए सीबीआई निदेशक का पदभार संभाला था। एक साल के सेवा विस्तार के बाद वह इस पद पर मई 2026 तक बने रहेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में मुताबिक, उनके कार्यकाल को बढ़ाने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार

को हुई चयन समिति की बैठक में लिया गया।

इस समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर नियुक्तियों की मंत्रिमंडलीय समिति (एसीसी) ने 24 मई के बाद एक वर्ष की अवधि के लिए सूद के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दी।

प्रवीन सूद 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। उन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का निदेशक नियुक्त किए जाने से पहले कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यरत थे। सूद का जन्म 1964 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में हुआ था। उन्होंने 22 वर्ष की आयु में भारतीय पुलिस सेवा ज्वाइन की थी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बेंगलुरु और न्यूयॉर्क स्थित मैक्सवेल स्कूल ऑफ गवर्नेंस, सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है।

सूद ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच की निगरानी की। तकनीक-प्रेमी सूद कर्नाटक में न्यायपालिका के साथ मिलकर सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) और आईसीजेएस (इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) को मजबूत करने की दिशा में भी कार्य कर चुके हैं।

देश के अंदर नक्सलवाद पर स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर के बीच छत्तीसगढ़ में 18 नक्सली ढेर

बीजापुर, 07 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित कर्रेगुट्टा की पहाड़ी के पास सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में 18 से ज्यादा नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों द्वारा बड़े स्तर पर नक्सल-विरोधी ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन पिछले 15 दिनों से लगातार चलाया जा रहा है। 16वें दिन सुरक्षाबलों को यह बड़ी सफलता मिली है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा की विशाल और दुर्गम पहाड़ियों में पिछले दो सप्ताह से सुरक्षा बलों द्वारा बड़े स्तर पर नक्सल-विरोधी ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत मंगलवार देर रात एक बड़ी मुठभेड़ हुई है, जिसमें सुरक्षा बलों ने 18 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है। नक्सलियों के मारे जाने का आंकड़ा बढ़ सकता है। मारे गए नक्सलियों के पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

रजनीकांत से लेकर अल्लू अर्जुन तक, दक्षिण सिनेमा के सितारों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को किया सैल्यूट

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किया है। मंगलवार देर रात इस कार्रवाई को भारतीय सेना ने अंजाम दिया। इस स्ट्राइक को लेकर साउथ इंडस्ट्री के सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर भारतीय सेना की जमकर सराहना की। साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी कोनिडेला ने अपने एक्स अकाउंट पर 'ऑपरेशन सिंदूर' का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में 'जय हिंद' लिखा। इसके आगे उन्होंने तिरंगे का इमोजी भी शेयर किया।

पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन ने भी अपने एक्स अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा– न्याय जरूर मिलना चाहिए, जय हिंद। उन्होंने भी इसके आगे तिरंगे का इमोजी शेयर किया।

मशहूर एक्टर जूनियर एनटीआर ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं हमारी भारतीय सेना की सुरक्षा और मजबूती के लिए प्रार्थना करता हूं। इसके आगे उन्होंने हैशटैग ऑपरेशन सिंदूर' लिखा।

सुपरस्टार रजनीकांत ने लिखा– योद्धा की लड़ाई अब शुरू होती है, मिशन पूरा होने तक कोई रुकना नहीं! पूरा देश आपके साथ है। उन्होंने अपने पोस्ट में पीएमओ और गृह मंत्रालय को टैग किया।

साउथ फिल्मों की जानी–मानी एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा– भारत माता की जय.. हम भारतीय सेना के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में हम भारत के हर नागरिक से एकजुट रहने की अपील करते हैं। हमारे सशस्त्र बलों का समर्थन करें, राष्ट्र के निर्णयों पर भरोसा करें और एकजुट होकर खड़े रहें। एक भारत, हम भारत हम भारत हैं और हम मिलकर अपनी मातृभूमि का निर्माण और सुरक्षा करते हैं। जब हमारा राष्ट्र हमें पुकारता है, तो हमें शक्ति, एकता और उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए। भारत माता की जय!

उल्लेखनीय है, 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस हमले को लेकर आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने निंदा करते हुए इसे आतंकियों की कायराना हरकत बताया था। इस कायराना हमले के करीब 2 हफ्ते बाद ही भारतीय सेना ने 9 आतंकी ठिकानों पर हमला बोल उन्हें बर्बाद कर दिया। पाकिस्तान ने खुद माना है कि भारत ने एयर स्ट्राइक की है। देश के आम हो या खास लोग, सब इस सैन्य कार्रवाई पर गौरवान्वित हैं।

फिल्म द केरल स्टोरी को दो साल पूरे, अदा शर्मा ने कहा

लड़कियों की रोल मॉडल बनने पर खुश हूं

5 मई 2023 को बड़े पर्दे पर एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम है द केरल स्टोरी... इस फिल्म को लेकर खूब बवाल मचा। फिल्म की कहानी केरल की चार लड़कियों के धर्मांतरण पर आधारित है। फिल्म में लव जिहाद, हिजाब और आईएसआईएस जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते इस फिल्म को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। आज इस फिल्म को रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस अदा शर्मा ने बताया कि क्यों यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है।

दर्शक और बॉक्स ऑफिस नाम, पैसे या पारिवारिक पहचान नहीं देखते। वे काम और मेहनत देखते हैं। मैं दर्शकों की आभारी हूं। मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलती हूं, जिन पर फिल्म ने गहरा असर डाला है और सबसे प्यारी बात, जिसकी मुझे बहुत खुशी है कि मैं देश की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन पाई हूं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अदा के शरीर पर चोटों और घावों के निशान साफ नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार का हिस्सा थे। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिमाग 75 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी की कमी से आपका फोकस, मेमोरी और सोचने की शक्ति पर असर पड़ सकता है। फिल्म द केरल स्टोरी के लिए मुझे कुछ अच्छा पोस्ट करना है, लेकिन इतने सारे फोटोज और वीडियोज हैं कि समझ नहीं आ रहा क्या पोस्ट करूं। सबके साथ बहुत सारे इमोशन्स जुड़े हुए हैं। 5 मई को आपने इतिहास रच दिया। थैंक यू आप सभी को!

'द केरल स्टोरी' में अदा शर्मा ने एक हिंदू परिवार की लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन का किरदार निभाया था, जो नर्स बनने का सपना लेकर घर से दूर एक कॉलेज में आती है। यहां उसकी मुलाकात आसिफा से होती है। जैसे–जैसे फिल्म की कहानी आगे बढ़ती है तो पता चलता है कि आसिफा आईएसआईएस के लिए लड़कियां भेजने का काम करती है।फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आसिफा अपने साथियों की मदद से लड़कियों को अपना धर्म बदलने के लिए उकसाती है। यह फिल्म 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और साल की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई।

मैं कॉफी शॉप भी साड़ी पहनकर जाती हूं, ये मेरा पसंदीदा परिधान : लक्ष्मी मंचू

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मंचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है।

लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था।

लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी दुनिया भर में पसंद की जाती है।

लक्ष्मी मंचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइट्स विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री साल 2022 में आई फिल्म 'मॉन्स्टर' में नजर आईं। एक्शन–थ्रिलर का निर्देशन वैसाख ने किया है। फिल्म में लक्ष्मी मंचू के साथ मोहनलाल, हनी रोज, सिद्दीकी, सुदेव नायर, केबी गणेश कुमार, लीना, जॉनी एंटनी और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा वह अपने पिता के साथ 'अग्नि नक्षत्रम' में भी काम कर चुकी हैं।

भारतीय सिनेमा में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा: सामंथा रुथ प्रभु

भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो एक्टिंग के अलावा फिल्म निर्माता के तौर पर भी काम कर रही हैं। इस लिस्ट में सामंथा रुथ प्रभु का नाम भी शामिल है। वह अपने प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'शुभम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि भारतीय सिनेमा में महिलाओं की आवाज और कहानियों को मंच देने की जरूरत है। जब आईएएनएस ने सामंथा से पूछा कि क्या वे एक प्रोड्यूसर के रूप में ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो महिलाओं के दृष्टिकोण को गहराई से समझें, तो उन्होंने जवाब दिया, एक महिला होने के नाते मेरी पहचान मेरे काम के हर पहलू में दिखेगी, खासकर फिल्मों को चुनते या बनाते समय। यह मेरे लिए गर्व की बात है। मैं ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हूं जो महिलाओं को सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक गहराई से भरा इंसान दिखाएं।

सामंथा ने कहा, मुझे लगता है हमारी फिल्म इंडस्ट्री को महिलाओं के नजरिए की ज्यादा जरूरत है। फिल्मों में महिलाओं की सोच, अनुभव और दृष्टिकोण को ज्यादा जगह मिलनी चाहिए। अभी भी इंडस्ट्री में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा है। मैं यह बात नकारात्मक रूप में नहीं कह रही हूं, बल्कि बस एक सच्चाई को सामने रख रही हूं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ज्यादा महिला फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों को आगे आने की जरूरत है।एक्ट्रेस ने कहा, यह याद रखना जरूरी है कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, इसलिए हमें और महिला प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और रचनात्मक लोग चाहिए, जो अपनी आवाज और अनुभव सामने ला सकें।

सामंथा ने कहा कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो आधुनिक महिलाओं से जुड़ी हों, जो आज की महिलाओं के संघर्ष, स्वतंत्रता और जज्बातों को सच्चाई और गहराई से दिखाएं। सामंथा की फिल्म शुभम एक हॉरर कॉमेडी मूवी है, जो एक छोटे से गांव की कहानी दिखाती है। मेकर्स फिल्म का ट्रेलर जारी कर चुके हैं। ट्रेलर की शुरुआत तीन पतियों से होती है, जो पत्नियों को काबू करने की बात करते हैं। इसके बाद नए नवेले शादीशुदा जोड़े का सीन दिखाया जाता है, जहां दूल्हा पहले तो शांत और सौम्य लगता है, लेकिन अचानक दुल्हन पर अकड़ दिखाने लगता है। दुल्हन चुपचाप उसकी बातें सुनती है। कहानी में ट्विस्ट आता है, जब दुल्हन एक टीवी सीरियल में पूरी तरह से डूब जाती है। इस सीरियल के पीछे पूरे गांव की औरतों में अजीब सी ताकत आती है। रात के 9 बजते ही अगर कोई उन्हें सीरियल देखने से मना करता या सीरियल के बारे में कुछ गलत कहता, तो उन्हें उनका डरावना अंदाज देखने को मिलता। इससे गांव के सभी पुरुषों में डर का माहौल है।ट्रेलर में सामंथा को भूत भगाने वाली तांत्रिक के रूप में दिखाया गया है।शुभम में हर्षित रेड्डी, गविरेड्डी श्रीनिवास, चारण पेरी, श्रिया कोंथम, श्रवणी लक्ष्मी, शालिनी कोंडेपुडी, वाम्शीधर गौड़ समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं।

आज रखा जाएगा मोहिनी एकादशी व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी व्रत रखा जाता है। वैसे तो हर महीने में दो एकादशी तिथि होती है। एक शुक्ल पक्ष और एक कृष्ण पक्ष में, लेकिन मोहिनी एकादशी का खास महत्व माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मोहिनी एकादशी का व्रत 8 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर होते हैं। मान्यता है कि मोहिनी एकादशी का व्रत सभी प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला और व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल से छुटकारा पाकर विष्णु लोक को प्राप्त करता है। मोहिनी एकादशी के दिन पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। इस दिन सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप दूर हो जाते हैं। भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

हिंदू धर्म में साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन श्रीहरि की पूजा की जाती है। वैसे तो सभी एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी का भी विशेष महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु और उनके मोहिनी अवतार की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। भक्त अपने पिछले पापों से छुटकारा पाने और विलासिता से भरा जीवन जीने के लिए मोहिनी एकादशी का व्रत रखते हैं। इस दिन व्रत-पूजा करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। इस बार मोहिनी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं।

मोहिनी एकादशी तिथि

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि समाप्त: 8 मई, 2025, दोपहर 12:29 मिनट पर

उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 8 मई 2025 को रखा जाएगा।

शुभ योग

इस वर्ष मोहिनी एकादशी के दिन भद्रवास योग बन रहा है, जो इस व्रत को और भी प्रभावशाली बनाता है। इस योग में किया गया व्रत और जप अनेक गुना पुण्य प्रदान करता है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व

वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है, अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है।

पूजा विधि

मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और पूजा करें। फिर 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप जरूर करें। उसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों के साथ करें और रात को दीपदान करें। पीले फूल और फलों को अर्पण करें। श्री हरि विष्णु से किसी प्रकार की गलती के लिए क्षमा मांगे। शाम को पुन: भगवान विष्णु की पूजा करें और रात में भजन कीर्तन करते हुए जमीन पर विश्राम करें। फिर अगले दिन सुबह उठकर स्नान आदि करें। इसके बाद ब्राह्मणों को आमंत्रित करके भोजन कराएं और उन्हें अपने अनुसार भेट दें। इसके बाद व्रत का पारण करें।

भगवान विष्णु ने रखा था मोहिनी रूप

पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला तब राक्षसों और देवताओं के बीच इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि अमृत का कलश कौन लेगा। इसके बाद सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। ऐसे में अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए भगवान विष्णु मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में प्रकट हुए, जिसके बाद सभी देवताओं ने विष्णु जी की सहायता से अमृत का सेवन किया। इसी दिन वैशाख शुक्ल की एकादशी तिथि थी, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

एकादशी पर राशि अनुसार करें ये उपाय, ग्रह क्लेश होंगे दूर

भगवान विष्णु को खुश करने के लिए मोहिनी एकादशी का दिन बेहद पावन माना जाता है। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और विभिन्न पूजा नियमों का पालन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस व्रत को रखते हैं, उनके सभी पापों का अंत होता है। इसके साथ ही संतान से जुड़ी सभी मुश्किलें दूर होती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल यह एकादशी 8 मई 2025 को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन श्री हरि को कुछ चीजें जरूर चढ़ानी चाहिए। इससे मनचाहा फल मिलता है।

मोहिनी एकादशी पर करें ये शुभ काम

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को मोहिनी एकादशी पर गुड़ या गेंहू का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस शुभ दिन पर चावल, दही और सफेद मिठाई का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस शुभ तिथि पर कामधेनु गाय की प्रतिमा दान करनी चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को मोहिनी एकादशी पर श्री हरि को पीले फल चढ़ाने चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर अपने घर में तुलसी का पौधा लगाना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर अन्न का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को विष्णु जी के नाम पर धन का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर केसर की खीर या गुड़ श्री हरि को अर्पित करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर हल्दी का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को मोहिनी एकादशी पर काले तिल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस शुभ तिथि पर विष्णु जी को शमी पत्र अर्पित करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर गोपी चंदन व पीले वस्त्र का दान करना चाहिए।

आज इन जगहों पर जलाएं दीपक, घर में होगा मां लक्ष्मी का वास

वैदिक पंचांग के अनुसार, हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर व्रत किया जाता है। साथ ही भक्त भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। वैशाख माह में मोहिनी एकादशी व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मोहिनी एकादशी के दिन श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा और व्रत करने से जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी पापों से छुटकारा मिलता है। ऐसा माना जाता है कि मोहिनी एकादशी के दिन विशेष जगहों पर दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 07 मई को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 08 मई को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का खास महत्व है। ऐसे में मोहिनी एकादशी 08 मई को मनाई जाएगी।

मिलेंगे शुभ परिणाम

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां तुलसी की पूजा करने से धन लाभ के योग बनते हैं। ऐसे में मोहिनी एकादशी के दिन तुलसी के पोधे के पास देसी घी का दीपक जलाने से घर में सुख-शांति का वास होता है। साथ ही साधक को जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए मोहिनी एकादशी के दिन घर के मुख्य द्वार पर देसी घी या तेल का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है। घर में सुख, समृद्धि और शांति का आगमन होता है। इसके अलावा आर्थिक तंगी की समस्या से छुटकारा मिलता है।

पापों से मिलेगी मुक्ति

इसके अलावा मोहिनी एकादशी के दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद पवित्र नदी में दीपदान करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दीपदान करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

मोहिनी एकादशी के दिन करें श्री लक्ष्मी चालीसा का पाठ, बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

वैदिक पंचांग के अनुसार, 08 मई को मोहिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। इस खास अवसर पर अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान किया जाता है। साथ ही भक्त श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मोहिनी एकादशी व्रत करने से साधक को सभी पापों से छुटकारा मिलता है। अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहनी एकादशी के दिन सच्चे मन से लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। इस चालीसा का पाठ करने से जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होगी।

श्री लक्ष्मी चालीसा

यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करुं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका।।

चौपाई

सिन्धु सुता मैं सुमिरौ तोही। ज्ञान बुद्धि विघा दो मोही।।
तुम समान नहिं कोई उपकारी। सब विधि पुरवहु आस हमारी।।
जय जय जगत जननि जगदंबा सबकी तुम ही हो अवलंबा।।
तुम ही हो सब घट घट वासी। विनती यही हमारी खासी।।
जगजननी जय सिन्धु कुमारी। दीनन की तुम हो हितकारी।।
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी। कृपा करौ जग जननि भवानी।।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी। सुधि लीजै अपराध बिसारी।।
कृपा दृष्टि चितववो मम ओरी। जगजननी विनती सुन मोरी।।
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता। संकट हरो हमारी माता।।
क्षीरसिन्धु जब विष्णु मथायो। चौदह रत्न सिन्धु में पायो।।
चौदह रत्न में तुम सुखरासी। सेवा कियो प्रभु बनि दासी।।
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा। रुप बदल तहं सेवा कीन्हा।।
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा। लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा।।
तब तुम प्रगट जनकपुर माहीं। सेवा कियो हृदय पुलकाहीं।।
अपनाया तोहि अन्तर्यामी। विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी।।
तुम सम प्रबल शक्ति नहीं आनी। कहं लौ महिमा कहौं बखानी।।
मन क्रम वचन करै सेवकाई। मन इच्छित वांछित फल पाई।।
तजि छल कपट और चतुराई। पूजहिं विविध भांति मनलाई।।
और हाल मैं कहौं बुझाई। जो यह पाठ करै मन लाई।।
ताको कोई कष्ट नोई। मन इच्छित पावै फल सोई।।
त्राहि त्राहि जय दुःख निवारिणि। त्रिविध ताप भव बंधन हारिणी।।
जो चालीसा पढ़ै पढ़ावै। ध्यान लगाकर सुनै सुनावै।।
ताकौ कोई न रोग सतावै। पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।।
पुत्रहीन अरु संपति हीना। अन्ध बधिर कोढ़ी अति दीना।।
विप्र बोलाय कै पाठ करावै। शंका दिल में कभी न लावै।।
पाठ करावै दिन चालीसा। ता पर कृपा करैं गौरीसा।।
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै। कमी नहीं काहू की आवै।।
बारह मास करै जो पूजा। तेहि सम धन्य और नहिं दूजा।।
प्रतिदिन पाठ करै मन माही। उन सम कोइ जग में कहुं नाहीं।।
बहुविधि क्या मैं करौं बड़ाई। लेय परीक्षा ध्यान लगाई।।
करि विश्वास करै व्रत नेमा। होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा।।
जय जय जय लक्ष्मी भवानी। सब में व्यापित हो गुण खानी।।
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं। तुम सम कोउ दयालु कहुं नाहिं।।
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै। संकट काटि भक्ति मोहि दीजै।।
भूल चूक करि क्षमा हमारी। दर्शन दजै दशा निहारी।।
बिन दर्शन व्याकुल अधिकारी। तुमहि अछत दुःख सहते भारी।।
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में। सब जानत हो अपने मन में।।
रुप चतुर्भुज करके धारण। कष्ट मोर अब करहु निवारण।।
केहि प्रकार मैं करौं बड़ाई। ज्ञान बुद्धि मोहि नहिं अधिकाई।।

दोहा

त्राहि त्राहि दुख हारिणी, हरो वेगि सब त्रास।।
जयति जयति जय लक्ष्मी, करो शत्रु को नाश।।
रामदास धरि ध्यान नित, विनय करत कर जोर।
मातु लक्ष्मी दास पर, करहु दया की कोर।।

लक्ष्मी जी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत हरि विष्णु विधाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जगमाता।
सूर्य, चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
दुर्गा रूप निरंजनी, सुख संपत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
तुम पाताल निवासनी, तुम ही शुभ दाता।
कर्म प्रभाव प्रकाशनी, भवनिधि की त्राता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
जिस घर में तुम रहतीं,सब सद्गुण आता।
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्तु न कोई पाता।
खान पान का वैभव सब तुमसे आता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
शुभ्र गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
महालक्ष्मी जी की आरती जो कोई नर गाता।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता।।
लक्ष्मी माता की जय, लक्ष्मी नारायण की जय।

संपादकीय

आतंक पर हमला, तो युद्ध

प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की मुलाकात हुई। इससे एक दिन पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी प्रधानमंत्री से मिले थे। सेना प्रमुखों की प्रधानमंत्री के साथ ये मुलाकातें सामान्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री इन मुलाकातों से पहले 29 अप्रैल को रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों की एक बैठक कर चुके थे। उसी में सेनाओं को प्रहार का तरीका, लक्ष्य, जगह और समय तय करने की 'खुली छूट' दी गई थी। फिर अलग से ये मुलाकातें क्यों की गईं? बेशक सेनाओं को खुली छूट है, लेकिन वे अलग-अलग प्रधानमंत्री को तो ब्रीफ करेंगी कि यदि युद्ध की नौबत आई, तो उनकी क्या तैयारियां हैं? वायुसेना प्रमुख ने हवाई आक्रमण का खुलासा किया होगा! हाल ही में उप्र के शाहजहांपुर में 'गगा एक्सप्रेस वे' पर बनाई गई विशेष हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, मिग-29, एएन-32, जगुआर, मिराज सरीखे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो का प्रदर्शन किया और रात्रि में लैंडिंग कर अपने युद्धाभ्यास को सार्थक किया। अर्थात हमारे लड़ाकू विमान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। नौसेना अध्यक्ष ने अरब सागर की हलचलों से प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया होगा! नौसेना ने विशालकाय आईएनएस-विक्रांत को समंदर में तैनात कर दिया है। वह लड़ाकू विमानों और परमाणु अस्त्रों से युक्त है। भारत ने परमाणु मिसाइल वाली पनडुब्बी को भी समंदर में 'सक्रिय' कर दिया है। नौसेना सुरक्षा और निगरानी को अधिक बढ़ाने के मद्देनजर भारत ने अमरीका की 'हॉक आई' खरीदने का 13.1 करोड़ रुपए का करार किया है। रूस से 'इग्ला-एस' मिसाइलें खरीदने का करीब 260 करोड़ रुपए का करार किया गया है। ऐसी कई तैयारियां होंगी, जो हमारी सेनाएं कर रही हैं, लेकिन न तो हमें पर्याप्त जानकारी है और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर हम उन्हें सार्वजनिक करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ सेना-प्रमुखों की ऐसी मुलाकातों और बैठकों में विशिष्ट लक्ष्यों, उद्देश्यों, आपातकालीन जरूरतों, सेना-विशेष की चुनौतियों और उचित समय आदि पर खुल कर बातचीत होती है। सेना-प्रमुख प्रधानमंत्री को अपनी सेना की तैयारियों और संभावित विकल्प पर तुरंत प्रहार करने की क्षमताओं को भी ब्रीफ करते हैं। इनके ये मायने नहीं हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिडने ही वाला है। भारत के प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री ने युद्ध संबंधी न तो कोई बयान दिया है और परमाणु हथियारों की धमकी तो बहुत दूर की बात है। पाकिस्तान के मंत्री और राजदूत परमाणु हथियार इस्तेमाल करने के लगातार बयान देते रहे हैं। भारत में सेना-प्रमुख कोई भी बयान नहीं देते। यह विशेषाधिकार प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री का है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार देश को आश्वस्त किया है कि आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वालों पर ठोस और निर्णायक कार्रवाई जरूर की जाएगी। यानी भारत के राजनीतिक नेतृत्व और सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकी, उनके गुट और उनके पनाहगार हैं। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों, जिन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल और मेजर जनरल के पद पर रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाइयां और टकराव लड़े और झेले हैं, का मानना है कि इस बार आतंकियों के साथ-साथ पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा फौज को निशाना बनाया जा सकता है। वे भी नहीं जानते कि यदि भारत ने प्रहार किया, तो वह किस दर्जे का होगा, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पाकिस्तान की फौज और आईएसआई पर किसी किस्म का हमला किया जाता है, तो पाकिस्तान उसका पलटवार करेगा और वही युद्ध में तबदील हो सकता है। यह बाद की बात है कि पाकिस्तान युद्ध में कितने दिन तक टिक पाएगा, उसके पास गोला-बारूद तक पर्याप्त नहीं है, लेकिन इस तरह युद्ध छिड़ सकता है। चीन पाकिस्तान को मदद दे सकता है। तुर्किये ने भी कुछ हथियार और रक्षा सामग्री पाकिस्तान को भेजी है, ऐसी खबरें आई हैं।

सेना प्रमुखों की प्रधानमंत्री के साथ ये मुलाकातें सामान्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री इन मुलाकातों से पहले 29 अप्रैल को रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों की एक बैठक कर चुके थे। उसी में सेनाओं को प्रहार का तरीका, लक्ष्य, जगह और समय तय करने की 'खुली छूट' दी गई थी। फिर अलग से ये मुलाकातें क्यों की गईं? बेशक सेनाओं को खुली छूट है, लेकिन वे अलग-अलग प्रधानमंत्री को तो ब्रीफ करेंगी कि यदि युद्ध की नौबत आई, तो उनकी क्या तैयारियां हैं? वायुसेना प्रमुख ने हवाई आक्रमण का खुलासा किया होगा! हाल ही में उप्र के शाहजहांपुर में 'गगा एक्सप्रेस वे' पर बनाई गई विशेष हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, मिग-29, एएन-32, जगुआर, मिराज सरीखे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो का प्रदर्शन किया और रात्रि में लैंडिंग कर अपने युद्धाभ्यास को सार्थक किया। अर्थात हमारे लड़ाकू विमान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। नौसेना अध्यक्ष ने अरब सागर की हलचलों से प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया होगा! नौसेना ने विशालकाय आईएनएस-विक्रांत को समंदर में तैनात कर दिया है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती

रवीन्द्रनाथ टैगोरः रोशनी जिनके साथ चलती थी

ललित गर्ग

रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी अनूठी, हृदयस्पर्शी एवं आध्यात्मिक रचनाओं के लिए लोग गुरुदेव कहकर पुकारते हैं। उनका जन्मदिन केवल जन्म का जश्न मनाने के लिए नहीं है, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को याद करने और उनके सद्भाव, संपूर्णता और अखंडता के आदर्शों और आकांक्षाओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करने का भी एक अवसर है। टैगोर एक ऐसे दिव्य एवं अलौकिक व्यक्ति एवं समाजक्रांति के प्रेरक थे, रोशनी जिनके साथ चलती थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ।

भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' के रचयिता एवं भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जन्म जयंती हर साल 7 मई को मनाई जाती है। वे एक महान एवं विश्वविख्यात कवि, लेखक, साहित्यकार, दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार थे। उन्हें बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा, युगस्रष्टा एवं युग-निर्माता माना जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी अनूठी, हृदयस्पर्शी एवं आध्यात्मिक रचनाओं के लिए लोग गुरुदेव कहकर पुकारते हैं। उनका जन्मदिन केवल जन्म का जश्न मनाने के लिए नहीं है, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को याद करने और उनके सद्भाव, संपूर्णता और अखंडता के आदर्शों और आकांक्षाओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करने का भी एक अवसर है। टैगोर एक ऐसे दिव्य एवं अलौकिक व्यक्ति एवं समाजक्रांति के प्रेरक थे, रोशनी जिनके साथ चलती थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। टैगोर परिवार बंगाल पुनर्जागरण के समय अग्रणी था। उन्होंने साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया; बंगाली और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच और पटकथाएं वहां नियमित रूप से प्रदर्शित हुईं थीं। टैगोर के सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ एक दार्शनिक और कवि थे एवं दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ कुलीन और पूर्व में सभी यूरोपीय सिविल सेवा के लिए पहले भारतीय नियुक्त व्यक्ति थे। एक भाई ज्योतिरिंद्रनाथ, संगीतकार और नाटककार थे एवं इनकी बहिन स्वर्णकुमारी उपन्यासकार थीं। टैगोर ने लगभग 2,230 गीतों की रचना की। रवींद्र संगीत बाँग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग है। टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी अधिकतर रचनाएं तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। हिंदुस्तानी

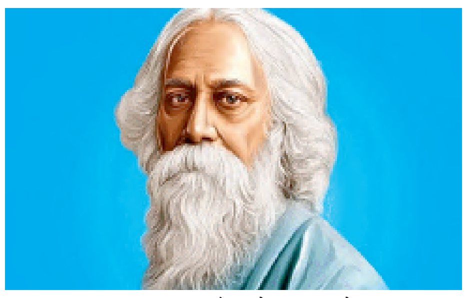

शास्त्रीय संगीत की ध्रुवपद शैली से प्रभावित ये गीत मानवीय भावनाओं एवं संवेदनाओं के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करते हैं। गुरुदेव टैगोर की कविताओं में हमें अस्तित्व के असीम सौन्दर्य, प्रकृति और भक्ति के दर्शन होते हैं। उनकी बहुत-सी कविताएं प्रकृति के सौन्दर्य से जुड़ी हैं। गुरुदेव ने जीवन के अंतिम दिनों में चित्र बनाना शुरू किया। इसमें युग का संशय, मोह, क्लान्ति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी सम्पर्क है, उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। टैगोर और महात्मा गाँधी के बीच राष्ट्रीयता और मानवता को लेकर हमेशा वैचारिक मतभेद रहा। जहां गांधी पहले पायदान पर राष्ट्रवाद को रखते थे, वहीं टैगोर मानवता को राष्ट्रवाद से अधिक महत्व देते थे। लेकिन दोनों एक दूसरे का बहुत अधिक सम्मान करते थे। एक समय था जब शान्ति निकेतन आर्थिक कमी से जूझ रहा था और गुरुदेव देश भर में नाटकों का मंचन करके धन संग्रह कर रहे थे, उस समय गांधीजी ने टैगोर को एक बड़ी राशि का अनुदान का चेक दिया था। टैगोर के कई गीतों और कहानियों ने मानव चेतना को बदलने और कार्य करने के लिए साहस और प्रतिबद्धता को प्रेरित किया। उन्होंने कला का अभ्यास कला के लिए नहीं किया, न ही आत्म-अभिव्यक्ति के तरीके के रूप में और कम से कम मनोरंजन के लिए तो कत्तई नहीं किया, बल्कि उनकी कला भी नये मानव एवं नये विश्व की संरचना से प्रेरित थी। उनकी कला जीवन के गहरे अर्थ को स्पष्ट करने और आत्मा को ठीक करने की पेशकश थी। अपने शिल्प के उस्ताद के रूप में, टैगोर ने कविता की शुद्धता को जीने के उद्देश्य के साथ जोड़ा। उन्होंने न केवल अपने जीवन में मृत्यु, अवसाद और निराशा के कारण अनुभव किए गए दुख और पीड़ा को ठीक किया, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज के भीतर अन्याय और असमानता के घावों को भरने के लिए भी काम किया। उन्होंने उन्नत कृषि, अच्छे स्कूलों, आरामदायक आर्थिक स्थितियों और बेहतर जीवन स्तर के माध्यम से मानव समुदायों के बाहरी विकास के लिए काम किया, लेकिन साथ ही उन्होंने आत्मा के नवीनीकरण, आत्मा की देखभाल, हृदय को पोषण और कल्पना को पोषित करने के माध्यम से आंतरिक विकास पर जोर दिया। वे एक ऐसे पुरुषार्थी पुरुष का महापुरुष के रूप में जाना पहचाना नाम है, जिन्होंने हर इंसान के महान्‌बनने का सपना संजोया और उसके लिये उनके हाथ में सुनहरे सपनों को साकार होने की जीवनशैली भी सौंपी। टैगोर गहन आध्यात्मिक एवं साधक पुरुष थे, उन्होंने अध्यात्म के गहन रहस्यों को उद्घाटित किया। उनके अनुसार मौन की भाषा शब्दों की भाषा से किसी भी रूप में कमजोर नहीं होती, बस उसे समझने वाला चाहिए। जिस प्रकार शब्दों की भाषा का शास्त्र होता है, उसी प्रकार मौन का भी भाषा विज्ञान होता है। मौन को समझा तो जा सकता है, पर समझाया नहीं जा सकता। संभवतः इसीलिए रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि मौन अनंत की भाषा है। टैगोर अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक थे। टैगोर ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भौतिक कल्याण के साथ आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता व्यक्त की। एक के बिना दूसरा एक पैर पर चलने जैसा है। वे आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण के प्रेरक थे। इस संतुलित और समग्र विश्वदृष्टि की अब पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है, क्योंकि यह हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और लचीले भविष्य के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता एवं शर्त है। शुद्ध तर्क और शुद्ध भौतिकवाद उतने ही विनाशकारी हैं, जितने कि विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत मोक्ष की खोज। टैगोर ने विज्ञान और तर्क के माध्यम से सत्य की खोज करते हुए शब्दों और कर्मों में शाश्वत ज्ञान और कालातीत मूल्यों को व्यक्त किया। टैगोर का विश्वदृष्टि तर्क और धर्म, आत्मा और पदार्थ की एकता को देखना और उन्हें एक साथ नृत्य करने देना है। यह एक बड़ी दृष्टि है जहाँ विज्ञान आध्यात्मिकता का पूरक है, कला पारिस्थितिकी का पूरक है और स्वतंत्रता समानता का पूरक है।

दृष्टि कोण

दुनिया भर में आ सकती है चीनी माल की बाढ़

हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा के एक सप्ताह से भी कम समय में, 8 अप्रैल 2025 को 75 देशों पर अपने पारस्परिक टैरिफ को रोक दिया, लेकिन इस रोक में एकमात्र अपवाद था चीन, जिस पर ट्रम्प ने पहले 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 245 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसे हम दंडात्मक टैरिफ भी कह सकते हैं, क्योंकि चीन ने राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा पारस्परिक टैरिफ का जवाब देने का विकल्प चुना है। माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, 'चीन ने विश्व के बाजारों के प्रति जो सम्मान नहीं दिखाया है, उसके आधार पर, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 125 फीसदी कर रहा हूं। उम्मीद है कि निकट भविष्य में किसी समय चीन को एहसास होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों को लूटने के दिन अब टिकाऊ या स्वीकार्य नहीं हैं।' हालांकि, अमेरिका को छोडक़र भारत समेत किसी भी देश ने चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ाया है, लेकिन अधिकांश देश, चीन द्वारा की जाने वाली डंपिंग से चिंतित हैं, जिससे उनके घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। डंपिंग का मतलब है कम दामों पर सामान बेचना। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में डंपिंग तब होती है, जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार की तुलना में विदेशी बाजार में कम कीमत पर उत्पाद का निर्यात करती है। डंपिंग को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दुरुपयोग माना जाता है। चीन ने डंपिंग की इस कला में महारत हासिल कर ली है, इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिसका उद्देश्य आयात करने वाले देशों के घरेलू उद्योग को खत्म करना है और एक बार जब कोई देश चीनी सामग्रियों पर निर्भर हो जाता है, तो फिर उसका शोषण शुरू हो जाता है। सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) का मामला चीनी डंपिंग और शोषण के जीते जागते उदाहरण हैं। 2004 के बाद, पेनिसिलिन जी और फोलिक एसिड सहित कई प्रकार की एपीआई को भारतीय बाजारों में बेहद कम कीमतों पर डंप किया गया। इस खेल में न केवल भारतीय एपीआई उद्योग को खत्म कर दिया गया, बल्कि देश की स्वास्थ्य सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया गया। मार्च में, भारत ने घरेलू उद्योगों को चीनी डंपिंग से बचाने के लिए चार चीनी वस्तुओं-सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड फ्लास्क, एल्यूमीनियम पन्नी और ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया था। एंटी-डंपिंग शुल्क 276 अमेरिकी डॉलर से लेकर 1732 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक है और यह पांच साल के लिए है, जबकि एल्यूमीनियम पन्नी पर छह महीने का अस्थायी शुल्क लगाया गया है। इससे पहले 2024 में ही, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा दायर एंटी-डंपिंग जांचों में से 79 प्रतिशत चीनी उत्पादकों के खिलाफ दायर की गई थीं। यह ध्यान देने योग्य है कि डीजीटीआर भारत में व्यापार उपायों की जांच और सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय है, जो अन्य उपायों के साथ-साथ डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की भी सिफारिश करता है। चीन पहले से कहीं ज्यादा डंप क्यों करेगा? कारण यह है कि अमेरिकी टैरिफ के बाद, चीन के लिए अमेरिका को इतनी आसानी से निर्यात करना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए चीन निश्चित रूप से अपने उत्पादों को अन्य बाजारों में डंप करने के लिए मजबूर होगा। सर्वप्रथम चीन के पास बहुत अधिक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, जिससे अधिशेष उत्पादन होता है। कुछ बाजारों में बेचने की क्षमता, चीन को अन्य बाजारों में समान सामग्री डंप करने के लिए मजबूर करती है। चीन का ध्यान हमेशा निर्यात आधारित विकास पर रहा है, जिसे सरकार का समर्थन प्राप्त है। दूसरे, चीनी कंपनियों को अन्य रूपों में सब्सिडी और सरकारी सहायता मिलती है, जिससे वे अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से कम कीमतों पर बेच पाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारी सब्सिडी बाजार की कीमतों को विकृत करती है और अनुचित प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है। तीसरे, व्यापार तनाव भी वैकल्पिक बाजारों पर किसी तरह नियंत्रण करने के चीनी खेल का हिस्सा है। चीनी डंपिंग को लेकर आशंकाएं बेवजह नहीं हैं। अतीत में, ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जब चीन ने भारत समेत विदेशी बाजारों में डंपिंग की अनैतिक प्रथा अपनाई। अतीत में, हमारा एपीआई उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकॉम उद्योग, कपड़ा और परिधान उद्योग, खिलौना उद्योग और कई अन्य उद्योग चीनी डंपिंग का शिकार रहे हैं। इन उद्योगों की कई विनिर्माण इकाइयां चीनी डंपिंग के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गईं।

कुछ अलग

गरीब की दवा

कई बार समाचार सुनने-पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं।

देश दुनिया से

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों-दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि। भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगा...।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना; सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण; धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।

अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे।

आप का नजरिया

साजिशों का दौर और

सियासी सिकुडऩ में यह सिहरन कैसी, तेरे पांव की मेहंदी सफर पे नकली निकली। हिमाचल कांग्रेस के ताज को तख्त से शिकायत इतनी बढ़ गई कि अब सोशल मीडिया की तख्तियों पर बुखार चढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री की एक पोस्ट ने चीरफाड़ शुरू की है, तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने अपनी ही सरकार के फैसले को कुरेदना शुरू किया है। मुकेश अग्निहोत्री फरमाते हैं, 'साजिशों का दौर है, झूठ के पांव नहीं होते।' इस पोस्ट के पीछे कसक है-कटौती है या गहरे पानी से निकलता कोई ज्वारभाटा, यह कांग्रेस का विलाप है जो किंकत्र्तव्यविमूढ़ परिस्थितियों में 'आलाकमान' का दरबार सजा है। कांग्रेस में यह कौनसी साजिश है जिसे अग्रिहोत्री सूंघ रहे हैं। विडंबना यह है कि पार्टी संगठन में अब अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया के समुद्र छाने जाते हैं। इससे पहले भी जब प्रदेश की सत्ता में तूफान आया था, तो इसकी पूर्व सूचना के लिए सोशल मीडिया की सुर्खियां आक्रोश की दिहाड़ी पर काम कर रही थीं। अब पुनः आक्रोश की दिहाडिय़ों को गिना जा सकता है। सरकार में मुकेश अग्रिहोत्री का रुतबा अगर रंजिश के दांव-पेंच में साजिशें गिन रहा है, तो यह शुभ सूचना नहीं हो सकती। यह सत्ता के मुलायम सफे कैसे हो सकते कि कोपभवन में सरकार के ही मुख्यमंत्री को अंदेशा है कि षड्यंत्र लिखा जा चुका है या झूठ के तराजू में इंसाफ हो रहा है। ये इशारों की भाषा में सत्य की कथनी हो सकती है या राजनीतिक सियारों की हूक भी हो सकती है, मगर दोनों ही स्थितियों में कालिख के कालीन पर कांग्रेस चल रही है। संगठन चुनावों के छिलके इतने उतर चुके हैं कि पार्टी फिर पुराने दौर के दोराहों पर दिशा भ्रम के संघर्ष में कमजोर-लाचार दिखाई दे रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में ठियोग के विधायक मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के उस फैसले को चुनौती देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां सरकार शिमला को कुछ कार्यालयों के बोझ से निवृत्त करने जा रही है। पर्यटन विकास निगम मुख्यालय को धर्मशाला शिफ्ट करने को अंतिम मोहर लग चुकी है, तो ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने प्रश्नों का बखेड़ा करके इस फैसले को विरोध के मोर्चे पर खड़ा कर दिया है। व्यवस्था परिवर्तन की जिस टोह में मुख्यमंत्री निकले हैं, वहां शिमला के दबाव को मुक्त करने की गुंजाइश खोजी जा रही है। ऐसे में ताल से ताल मिलाने के बजाय राठौर ने विरोध की रार ठोंकी है। सियासत जब दुकान बनती है, तो हर मापतोल पर व्यापार होता है। आश्चर्य यह कि सरकार के हर फैसले पर अपनों की निगाह और अपने ही गवाह। गवाही यह कि उप मुख्यमंत्री को शिकायत है, तो एक विधायक को फैसला पसंद नहीं आया, तो मीडिया-मीडिया खेल शुरू हो गया। ऐसे में बिखराव के इस मंजर पर अनुशासित होने के लिए आदेश कौन पारित करेगा। इन दोनों नेताओं ने अपनी बात कहने के लिए सोशल व मेन स्ट्रीम मीडिया का ही प्रयोग क्यों किया। अपनों के साथ बात करने का तरीका अपने आप में बहुत कुछ कहता है। दूरियां हैं या फैसलों से फासले पैदा हो रहे हैं। आपत्तियां हो सकती हैं, लेकिन यहां तो मकबरे चिन कर बताया जा रहा है कि कोई सुला दिया गया नमाज पढऩे से पहले।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़श्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ ना–कामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 12:32 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 09:07 तक
योग : हर्षण रात्रि 01:55 तक
करण : विष्टि रात्रि 12:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मोहिनी एकादशी व्रत , भद्रा दोपहर 12:32 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के लिए उठाएं आवश्यक कदम : भजनलाल

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरी सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ–साथ पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय एजेन्सियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए उच्चतम मानकों की अनुपालना करते हुए प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी के साथ अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों की आन्तरिक सुरक्षा योजना और आपदा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा, ऑक्सीजन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सकों सहित आवश्यक मानव संसाधन एवं उपकरण भी उपलब्ध रहें। शर्मा ने पानी, बिजली एवं आवश्यक बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता और इससे संबंधित सेवाओं को सुचारू रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने बुधवार को हो रही मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की भी विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के लिए पाबंद के संबंध में भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी और प्रभारी सचिव उनके प्रभार क्षेत्र के जिलों के अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए उक्त सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री शर्मा ने भारतीय सेना को पाकिस्तान स्थित आंतकी ठिकानों पर प्रभावी एवं सटीक एयर स्ट्राइक करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कायराना पहलगाम हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय एयर फोर्स ने अदम्य साहस के साथ ऑपरेशन सिदूंर को अंजाम दिया और 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आंतकियों और उनके आकाओं को अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित सम्बन्धित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भक्त पूरणमल निशान यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

नालपुर (राजस्थान), 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान में खेतड़ी तहसील के ग्राम नालपुर बिशा में स्थित भक्त पूरणमल बाबा चरंगीनाथ के पांच दिवस के मेले में आज नवयुवक मंडल की ओर से भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। निशान यात्रा में सैकड़ो महिलाओं के सर पर सुसज्जित कलश एवं सैकड़ो नवयुवक बाबा के निशान लेकर रंग गुलाल उड़ाते हुए एवं बाबा के जयकारे लगाते हुए बाबा के धाम पहुंचे निशान यात्रा के दौरान यात्रा का अनेक जगह पर निशान यात्रियों की जलपान करवा कर स्वागत किया गया।

इसके अलावा हरियाणा के कलाली, मंडोली खुर्द चिड़ावा बिसाऊ रोजडिया का बास, से भी लोगों के ग्रुप हाथ में निशान लेकर पदयात्रा करते हुए हजारों लोग बाबा के धाम पहुंचे इधर भक्तों के सानिध्य में जो श्रद्धालु बाबा की जात्रि के रूप में बैठे थे उन लोगों ने भक्तों के सानिध्य में बाबा के सर में मिट्टी छटाई का पुण्य लिया। मेला प्रबंध कमेटी के संयोजक रामनारायण चौधरी ने बताया की आज गुरुवार की रात्रि को धाम में भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें हरियाणा के आकाशवाणी गायक कलाकार नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी बाबा के इतिहास से भजन करेंगे तथा 9 मई को गोदान के पश्चात भक्त पुरनमल बाबा चौरंगीनाथ धाम के पट खोले जाएंगे तथा गोदान होगा। जिसमें हजारों की संख्या में धाम में बैठे जात्री नव विवाहित गठजोड़े की जात एवं नवजात शिशुओं की माताएं जड़ूले जात देगी ।मेला प्रबंध कमेटी के संयोजक के अनुसार बार जागरण में करीब 50000 लोग शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ 'ऑपरेशन अभ्यास' मॉक ड्रिल

एयर स्ट्राइक की आपात स्थिति का किया गया प्रभावी रेस्पॉन्स

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में बुधवार को ऑपरेशन अभ्यास (मॉक ड्रिल) का सफल आयोजन हुआ। जयपुर कलेक्ट्रेट के नियंत्रण कक्ष में एमआई रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय परिसर में एयर स्ट्राइक की सूचना मिली। सायं 4 बजे सायरन की आवाज से प्रशासन, पुलिस सहित एजेंसियों और संबंधित विभागों के अधिकारी हरकत में आए। महज 5 मिनट में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी मौके पर पहुंच गए।

संभागीय आयुक्त पूनम एवं पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ भी बीएसए–नएल कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने पूरी बिल्डिंग को खाली करवाया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पाया। नागरिक सुरक्षा के जवानों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को अपने हुनर और प्रतिभा के दम पर सकुशल रेस्क्यू किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, ईआरटी, एसडीआरएफ एवं एटीएस के जवानों ने पूरे परिसर की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की जांच की।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, नगर निगम, एसडीआरएफ, ईआरटी, एसटीएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतरीन आपसी सहयोग एवं समन्वय का प्रदर्शन करते हुए त्वरित रेस्पॉन्स एवं रेस्क्यू करते हुए ऑपरेशन अभ्यास (मॉक ड्रिल) के सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाई।वहीं, जिले सभी उपखंडों में भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें प्रशासन, पुलिस सहित समस्त एजेंसियों एवं विभागों ने किसी भी आपात स्थिति के लिए अपनी तैयारियों को परखा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिले के सभी राजकीय विद्यालयों में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कार से 107 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले की थाना शम्भूपुरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के तहत कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से कुल 1 क्विंटल 7 किलो 870 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त कर तस्करी करते हुए दो तस्करों जगदीश बिश्नोई पुत्र सुरजन राम (25) निवासी चिरढाणी थाना पीपाड़ शहर जोधपुर ग्रामीण एवं उदयलाल उर्फ कन्हैया लाल जाट पुत्र नारायण लाल (27) निवासी उदपुरा थाना बिजयपुर जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व धरपकड़ के लिए एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं सीओ भदेसर अनिल शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी शंभूपुरा रामलाल मय टीम हैड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल रामकिशन, योगेन्द्र कुमार, नरेश कुमार, मुकेश कुमार व देवकिशन द्वारा घटियावली खेडा से केलझर जाने आने वाले रोड पर नाकाबन्दी की जा रही थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पंजाब–हरियाणा में तगड़ी सख्ती, सब अलर्ट पर!

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ था, उसके बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया है। खबर है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत हवाई हमला किया गया है, जिससे सीमा के आसपास एकदम हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। कल रात लगभग 1 बजे भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम के इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। खबर है कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ये हमला पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब है। हरियाणा में तो एकदम हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। अंबाला में तो सुरक्षा इतनी कड़ी कर दी गई है कि ड्रोन तक उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। रेलवे सुरक्षा बल की टीम अंबाला कैंट पर लगातार नजर रख रही है।इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी ने जो संविधान बचाओ रैली करने वाली थी, उसके सारे प्रोग्राम भी फिलहाल रोक दिए गए हैं। पंजाब सरकार ने भी तुरंत एक्शन लिया है। अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का और फिरोजपुर जैसे जो इलाके पाकिस्तान की सीमा से लगते हैं, वहां के सारे स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। सरकार नहीं चाहती कि बच्चों को किसी भी तरह का खतरा हो। फिलहाल, जो करतारपुर कॉरिडोर है, वो भी बंद कर दिया गया है।ये कॉरिडोर पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को भारत के पंजाब में स्थित डेरा बाबा नानक से जोड़ता है।

पहलगाम हमले का भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब : बडौली

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश था। यह हमला न सिर्फ इंसानों पर, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा और सम्मान पर सीधा हमला था। अब भारत ने इस हमले का करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके 9 ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं की जीत है।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम: कृष्ण लाल

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना की ओर से देर रात पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद पूरा देश सेना की बहादुरी को सलाम कर रहा है। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पवार ने इस सैन्य कार्रवाई की जमकर सराहना की और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मजबूत नेतृत्व का परिणाम बताया। कृष्ण लाल पवार ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा देश आक्रोशित था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिसमें ज्यादातर पर्यटक थे।

प्रधानमंत्री ने जो कहा था वो कर के दिखाया : विज

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरज़मीं पर भारत द्वारा की गई आधी रात की सर्जिकल स्ट्राइक, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया है, पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पीएम ने पहले दिन ही स्पष्ट कर दिया था कि एक–एक का बदला लिया जाएगा, और आज वो करके दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले विनय नरवाल के पिता

यह स्ट्राइक आतंकियों के जेहन में गूंजती रहेगी

करनाल, 07 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया है। देर रात हुए हमले के बाद भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी साझा की। वहीं पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर खुशी जाहिर की है। मीडिया से बात करते हुए विनय नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने कहा कि जब ये आतंकी घटना हुई, तब मीडिया ने मुझसे पूछा था कि आप सरकार से क्या चाहते हैं? मेरा एक सटीक जवाब था कि मुझे भारत सरकार पर भरोसा है और वो अपना काम कर रही है, मेरा जवाब यही था। भारत सरकार ने आज वो काम करके दिखाया। जिन्होंने पहलगाम आतंकी में अपने प्रियजनों को खोया है, वो वापस नहीं आ सकते है परंतु मैंने कहा था कि ऐसा कुछ हो कि इस तरह की कायराना हरकत करने की दोबारा करने की कोशिश न करें। इसके लिए भारत सरकार ने जो यह कदम बिल्कुल उठाया है, उनके 9 ठिकानों पर कड़ा प्रहार किया है। यह स्ट्राइक आतंकियों के जेहन में गूंजती रहेगी और वे दोबारा पहलगाम जैसी कायराना हरकत करने से पहले 100 बार सोचेंगे। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए विनय नरवाल की मां आशा ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा, ये बहुत ही अच्छी बात है कि जो पीएम मोदी ने बदला लिया है और मैं उनके साथ हूं, जनता और हमारा पूरा परिवार उनके साथ है। मैं सेना के जवानों को संदेश देना चाहती हूं कि वो आगे बढ़ते रहें और ऐसे ही बदला लेते रहें कि ऐसी घटना दोबारा न घटे और उनके ऐसे ही मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

मॉकड्रिल में सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मिले सीएम योगी

बहन बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वालों का खानदान उजड़ा : योगी

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों को करारा जवाब है। जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छेड़ने की कोशिश की, उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में मॉकड्रिल कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेते हुए ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। उन्होंने पहलगाम हमले पर सेना की कार्रवाई को निर्णायक बताया। सीएम बोले, देश की आन बान और शान के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे। देश सर्वप्रथम है। भारत माता के खिलाफ जिन्होंने साजिश रची है उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता के खिलाफ जो भी साजिश रचेगा, उसे परिणाम भुगतना होगा। सेना की कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि गांव, शहर और मोहल्लों में जब भी सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आएगा, तब सबसे पहले देश की चिंता की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल एनसीसी, होमगार्ड या स्काउट नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ जुड़ना होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को समझें और देश की सुरक्षा में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री योगी ने पहलगाम की आतंकी घटना के जवाब में की गई सैन्य कार्रवाई के लिए तीनों सेनाओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल को उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने पहलगाम में शहीद हुए लोगों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

सीएम योगी ने नागरिक सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों के साथ व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर उनकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल्स से आम जनता को आपात स्थितियों में सही कदम उठाने की जानकारी मिलती है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

लखनऊ के रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित मॉक ड्रिल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत माता के जयकारों से शुरुआत की।

एनडीआरएफ द्वारा जैसे ही मॉक ड्रिल शुरू की गई, सायरन बजने लगा। दुश्मन की एयर स्ट्राइक से बचने के लिए ब्लैकआउट किया गया, नागरिकों ने सुरक्षित स्थानों की शरण ली। दूसरे सायरन के साथ जब खतरा समाप्त हुआ, तब घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। फायर, चिकित्सा कर्मियों और रेस्क्यू टीमों ने घायलों की मदद की। नागरिकों को ध्वस्त ढांचे से बचाने और केमिकल हमले से निपटने के उपाय भी सिखाए गए। इस अवसर पर सीएम योगी के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश, लखनऊ की कमिश्नर रौशन जैकब, लखनऊ के पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सिंह सेंगर, लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी समेत अन्य अफसर मौजूद थे।

25 लाख नए किसानों का जल्द बनेगा क्रेडिट कार्ड

सभी मंडलायुक्तों और डीएम को जारी किए गए निर्देश

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 71 लाख से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा प्रदान की है। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 लाख नए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने का कार्य तेज कर दिया है। इस कार्य के अंतर्गत सहकारी और व्यवसायिक बैंकों की सहायता से कार्ड का वितरण किया जा रहा है। भारत सरकार ने भी सभी पात्र किसानों को केसीसी से जोड़ने के निर्देश दिए हैं, ताकि वे फसली ऋण जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकें।

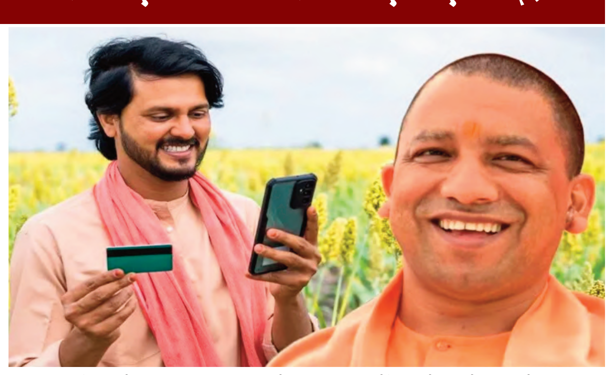

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेती-किसानी को फायदे का सौदा बनाने की योजना तैयार की है। जिसका उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और कृषि को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना इसी नीति का हिस्सा है, जिससे किसानों को समय पर आर्थिक मदद मिलती है और वे साहूकारों के चंगुल में फंसने से बचते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए फसली ऋण वितरण में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को खेती के लिए आवश्यक धनराशि बैंक से कम ब्याज पर उपलब्ध कराई जाती है। जिससे वे उन्नत बीज, खाद, कीटनाशक आदि की खरीद कर सकें। इससे न केवल उनकी पैदावार बढ़ती है, बल्कि आय भी दोगुनी होती है। प्रदेश सरकार ने आने वाले वित्तीय वर्ष में 25 लाख नए किसानों को केसीसी योजना से जोड़ने की योजना बनाई है। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाए जाएंगे और पात्र किसानों को चिन्हित कर कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा संभालेंगे यूपी पुलिस के जवान

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बन रहे एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की सुरक्षा चूक न हो और यहां तैनात होने वाले पुलिस बल की सक्षमता पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

इसी कड़ी में, जेवर एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले पुलिसबल को चयनित कर उनकी विशेष ट्रेनिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस एक महीने चलने वाली ट्रेनिंग प्रक्रिया के अंतर्गत 45 पुलिस कर्मियों के पहले बैच को प्रशिक्षित कर दिया गया है।

इस ट्रेनिंग का आयोजन ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन की अनुशंसा पर लखनऊ स्थित फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरअ-ाआरओ) द्वारा कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार

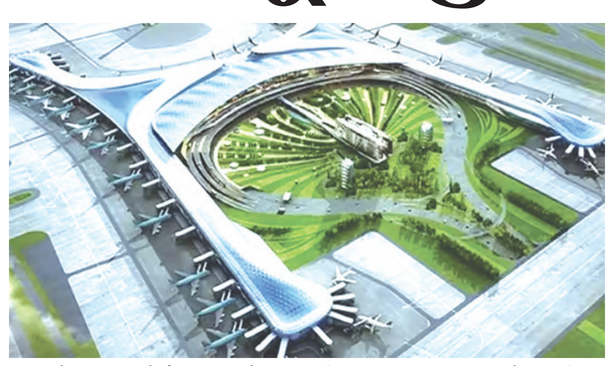

द्वारा जेवर एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन सर्विसेस समेत तमाम कार्यों की निगरानी व प्रबंधन के लिए राज्य पुलिस बल की नियुक्ति का आग्रह किया गया था, जिसे पूरा करते हुए योगी सरकार ने पुलिस विभाग के विभिन्न कार्मिकों को सेवाएं देने के लिए चिह्नित किया है। इन सभी कार्मिकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ट्रेंड करने तथा विशेष तौर पर इमीग्रेशन सर्विवेस के सफल संचालन के लिए सतर्क, सक्षम व सुदृढ़ निगरानी प्रणाली के तौर पर कार्य करने के लिए ट्रेंड किया जा रहा है।

सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा गौतमबुद्ध नगर के जेवर स्थित एनआईएल में जिन पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाना है उन्हें विशिष्ट ट्रेनिंग प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल द्वारा एनआईएल की सुरक्षा प्रणाली मजबूत करने के लिए जिन 131 पुलिस कार्मिकों का चयन किया गया है उनमें 10 इंस्पेक्टर, 42 सब इंस्पेक्टर तथा 62 कॉन्सटेबल शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, 17 पुलिसकर्मी रिजर्व में रखे जाएंगे। ये सभी 131 पुलिसकर्मी ग्रेजुएट हैं तथा 50 वर्ष से कम उम्र के हैं। ये कंप्यूटर तथा अंग्रेजी भाषा में दक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि एनआईए के संचालन की शुरुआत होते ही कुल 19 काउंटर्स का आव्रजन सेवाओं के लिए संचालन होगा। इनमें से 10 काउंटर आगमन के तथा 9 काउंटर प्रस्थान के हैं। इन्हीं काउंटर्स पर इमीग्रेशन सर्विसेस के सतर्क, सक्षम व कुशल संचालन के लिए राज्य पुलिसबल के स्टाफ की तैनाती होनी है और ऐसा होने के पूर्व उन्हें विशिष्ट ट्रेनिंग प्रक्रिया से दक्ष बनाया जा रहा है। इसके पहले बैच की ट्रेनिंग प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है जबकि अन्य बैच की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने वाली है। यह प्रक्रिया आईपीएस हर्ष सिंह (फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) की देखरेख में पूरी की जा रही है और माना जा रहा है कि जुलाई तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) द्वारा लखनऊ में आयोजित किए जा रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम मंन जेवर एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले राज्य पुलिसकर्मियों को विशेषतौर पर आव्रजन संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक करने, अपराधियों की शिनाख्त, धरपकड़ और त्वरित कार्रवाई करने के लिए दक्ष बनाया जा रहा है। इस विशिष्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में पुलिस कार्मिकों को थ्योरी, फील्ड नॉलेज, रीयलटाइम ट्रेनिंग, प्रैक्ट्रिकल ट्रेनिंग, पासप-ोर्ट वेरिफिकेशन, ई-वीजा मॉनिटरिंग, आईएफआरटी, लेटेस्ट इमर्जिंग ट्रेंड के प्रति ट्रेंड किया गया है। इसके जरिए वह लॉ वायलेशन, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, स्मगलिंग, पासपोर्ट व वीजा फ्रॉड, जॉब स्कैम जैसी चुनौतियों को चिह्नित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों की धरपकड़ कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, उन्हें इंटेलिजेंस गैदरिंग में मदद मिलेगी और खास तौर पर गैर अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

सपा काल में हुए सबसे ज्यादा अत्याचार : ब्रजेश पाठक

अखिलेश को ब्राह्मण समाज पर बोलने का हक नहीं

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर ब्राह्मण समाज को लेकर तीखा हमला बोला है। पाठक ने अखि-लेश की राजनीति को जातिवाद पर आधारित बताते हुए कहा कि सपा ने समाज में जातिवाद का जहर बोने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्राह्मण समाज पर बोलने का अखिलेश को कोई अधिकार नहीं है। ब्रजेश पाठक का बयान अखिलेश यादव द्वारा बुधवार को किये गये प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आया है।

पाठक ने सपा के शासनकाल में ब्राह्मण समाज के खिलाफ अत्याचार और अपमान के कई उदाहरण गिनाए। उन्होंने कहा कि कन्नौज के मासूम नीरज मिश्र की गर्दन कटवाकर लखनऊ मंगवाने का काम सपा के शासन में हुआ।

इटावा में वाजपेयी परिवार का सार्वजनिक अपमान किया गया। सपा के शासनकाल में पूरे प्रदेश में ब्राह्मण समाज पर संगठित ढंग से अत्याचार और अनाचार हुए। जब-जब ब्राह्मण समाज का मान-मर्दन हुआ, तब-तब प्रदेश में सपा की सरकार थी। उपमुख्यमंत्री ने सपा पर ब्राह्मण समाज को लगातार निशाना बनाने और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

नेपाल सीमा के नजदीकी जिलों में अवैध कब्जों पर कार्रवाई जारी

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही। श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और लखीमपुर खीरी में स्थानीय जनपद व पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया।

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बुधवार को तहसील जमुनहा के ग्राम रामपुर बस्ती में शासकीय भूमि पर स्थित अवैध मदरसा को ध्वस्त कर दिया गया है। यही कार्रवाई भिनगा तहसील के ग्राम केशवापुर, जोगिनभरिया में स्थित मदरसे पर भी की गई। इसके साथ ही निजी भूमि पर अमान्यता प्राप्त दो मदरसों को चिह्नित कर सीलिंग की

कार्रवाई की गई। सिद्धार्थनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) व अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बुधवार को यहां ग्राम युसूफपुर पोस्ट शिवपति नगर तहसील नौगढ़ के अंतर्गत मदरसा दारुल हुदा ने अपनी बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कराया।

ग्राम दुल्हा शुमाली फसादीपुर नौगढ़ तथा सिकरी बाजार गांव में अवैध मदरसे पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। ग्राम गौरा उर्फ गौरी, बजहा बाजार में मदरसा शमशुल हुदा में जेबीसी लगाकर स्वयं ही ध्वस्त कराया गया। गांव भादा मुस्तहकम, शोहरतगढ़ में भी अवैध मदरसे पर कार्रवाई हुई।

महराजगंज में बुधवार को 5 अवैध मदरसों पर प्रशासन का चाबुक चला। तहसील फरेंदा ग्राम इलाहाबास में अवैध मदरसे को हटाया गया, जबकि निचलौल तहसील में मान्यता प्राप्त किए बिन संचालित हो रहे चार मदरसों को नोटिस देकर सील किया गया। बलरामपुर प्रशासन ने बताया कि बुधवार को यहां ग्राम परसा विजुआ तुलीसपुर में अनधिकृत मदरसा को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही ग्राम सोनपुर तहसील बलरामपुर में मजार से अतिक्रमण हटाया गया। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि प्रशासन ने यहां सार्वजनिक भूमि पर एक मस्जिद, एक मजार, एक ईदगाह पर अतिक्रमण पाया है, जबकि निजी भूमि पर दो मदरसे ऐसे पाए गए, जो अवैध हैं। यहां एक को सील करते हुए दो ईदगाह पर कार्रवाई की गई है। सार्वजनिक भूमि पर बने अवैध मस्जिद और मजार को भी हटाया गया है। बहराइच डीएम और एसपी के मुताबिक बुधवार को एक मदरसे को हटाया गया।

इसके अतिरिक्त 10 किमी के मध्य सरकारी भूमि से बुधवार को चार अतिक्रमण हटाया गया। यहां से कुल 169 अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

युवा सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास पर योगी सरकार का जोर

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कौशल विकास को आधार बनाकर युवाओं का सशक्तिकरण कर रही है। इसके अंतर्गत युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ ही कौशल योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं को दिए जाने पर बल दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में स्थानीय आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीकों को जोड़ने के साथ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और कौशल विकास मिशन को मिलकर रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की भी योजना है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन कार्यालय, लखनऊ में डेलॉयट इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कौशल विकास योजनाओं की वर्तमान प्रगति और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिया कि डेलॉयट इंडिया के साथ नियमित बैठक कर आगामी दो वर्षों की प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही कौशल योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं को मिले। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे रोजगार के लिए भटकने को मजबूर न हों। राज्यमंत्री ने कहा कि अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए विभिन्न संस्थानों से निरंतर संवाद किया जाए और अधिकाधिक अवसर युवाओं को प्रदान किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजनाओं की समीक्षा छात्रों की प्रतिक्रिया से हो, जिसके लिए रैंडम कॉल और फील्ड निरीक्षण कर छात्रों से सीधे संवाद स्थापित किया जाए।

एमआई कप्तान पंड्या और गुजरात कोच नेहरा पर लगा जुर्माना

मुंबई, 07 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार रात मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई की टीम को एक बार फिर धीमी ओवर गति के चलते जुर्माने का सामना करना पड़ा है।

वहीं, गुजरात के कोच आशीष नेहरा को 'खेल भावना के विपरीत आचरण' के लिए फाइन और डिमेरिट प्वाइंट दिया गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30-यार्ड सर्कल के अंदर लाना पड़ा, जो आईपीएल के नियमों के तहत धीमी ओवर गति पर इन-गेम पेनल्टी है। गुजरात को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर उनकी टीम द्वारा वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

बयान में आगे कहा कि चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पंड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया।

वहीं मैच के अंतिम क्षणों में जब बार-बार बारिश की वजह से खेल रुका, आशीष नेहरा बेहद जोशीले अंदाज में नजर आए और अंपायरों से मैच फिर से शुरू करने की मांग करते दिखे। इसी आचरण को लेकर उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

नतीजतन, उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट प्वाइंट लगाया गया। यह पहली बार है जब किसी कोच को इस तरह की सजा दी गई है।

आईपीएल के बयान के अनुसार गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल छोड़ सकते हैं वेस्टइंडीज के ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। रोमारियो शेफर्ड सहित आईपीएल में खेल रहे वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड और शमार जोसेफ अपनी अपनी टीमों का साथ छोड़ सकते हैं। इसका कारण है कि इन्हें इसी माह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की ओर से खेल रहे हैं। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड गुजरात टाइटंस और जोसेफ शेफर्ड लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से खेल रहे हैं।वेस्टइंडीज को 21 मई से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। वहीं दूसरी ओर, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ मुकाबले 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे। इसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। शेफर्ड आईपीएल छोड़कर एकदिवसीय सीरीज खेलने आयरलैंड जाते हैं तो यह आरसीबी के लिए बड़ा झटका होगा। इसी तरह रदरफोर्ड भी गुजरात टाइटंस के अहम खिलाड़ी हैं। वहीं शमार को अब तक सुपरजायंट्स से खेलने का अवसर नहीं मिला है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भी इस बारे में अभी तक अपने खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बनाया है. संभव है कि आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों में शामिल खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज बोर्ड थोड़ा समय दे दे। वेस्टइंडीज की टीम पहले आयरलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी. इसके मैच 21, 23 और 25 मई को खेले जाएंगे।

बाउचर ने शुरुआत में मेरी सहायता की थी : विराट

बेंगलुरु। आईपीएल में आजकल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की ओर से शानदार बल्लेबाजी कर रहे विराट कोहली ने कहा है कि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने एक समय उनकी सहायता की थी। विराट के अनुसार फ्रैंचाइजी के साथ आईपीएल के शुरुआती सत्र में उन्हें शॉर्ट गेंदों को खेलने में परेशानी आ रही थी। जिसे दूर करने में बाउचर आगे आये थे। विराट ने कहा कि बाउचर इस मानसिकता के साथ आए थे कि वह भारतीय खिलाड़ियों की सहायता करने जा रहे हैं। बाउचर ने उनसे कहा था कि अगर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए नहीं खेलते हैं तो वह खुद को ही नुकसान पहुंचाने जैसा होगा। कोहली ने कहा, इसलिए उन्होंने पता लगाया कि मेरी कमजोरियां क्या हो सकती हैं। साथ ही कहा कि अगर मैं अगले स्तर पर जाना चाहता हूं, तो मुझे अपनी कमजोरियों को ठीक करन होगा। इसके बाद वह मुझे नेट्स पर ले गए। इसके बाद उन्होंने कहा कि तुम्हें शॉर्ट बॉल पर काम करने की जरूरत है। अगर तुम गेंद को खींच नहीं सकते तो कोई भी तुम्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका नहीं देगा। और मुझे याद है कि हम चेन्नई या कोलकाता में एक मैच खेल रहे थे, जहां उन्होंने मुझसे कहा था कि जब मैं चार साल बाद भारत में कमेंट्री करने आऊंगा, तो अगर मैं तुम्हें भारत के लिए खेलते हुए नहीं देखूंगा, तो मानूंगा कि तुमने अपने को ही नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि बाउचर के साथ उनकी बातचीत ने उन्हें हैरान किया इससे उन्हें बेहतर करने की प्रेरणा मिली।

गिलक्रिस्ट ने किया अर्शदीप की तारीफ

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे बांए हाथ के युवा गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर प्रशंसा की है। गिलक्रिस्ट ने अर्शदीप को विश्व स्तर का गेंदबाज बताया और कहा कि वह लगातार बेहतर होते जा रहे हैं और किसी भी प्रकार के हालातों में मैच को बदलने की क्षमता रखते हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा, मैं अर्शदीप की परिपक्वता और आत्मविश्वास से काफी प्रभावित हूं। जिस तरह से वह दबाव में गेंदबाजी करता है, खासकर डेथ ओवर्स में, वो किसी भी विश्व स्तर के गेंदबाज से कम नजर नहीं आत है। अर्शदीप ने इस सीज़न में अपनी लाइन और लेंथ से बल्लेबाज़ों के लिए परेशानी खड़ी की है। वह ना सिर्फ विकेट लेने में सफल रहे हैं, बल्कि रनों पर भी अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। इस गेंदबाज ने इस सत्र में खेले 10 मैचों में अब तक 16 विकेट लिए है। गिलक्रिस्ट के इस बयान से अर्शदीप को मनोबल और बढ़ना तय है। अर्शदीप अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से पर्पल कैप की रेस में शीर्ष तीन गेंदबाजों में शामिल हैं।

चेन्नई ने दर्ज की सीरीज की तीसरी जीत, कोलकाता को दो विकेट से हराया, ब्रेविस और शिवम चमके

कोलकाता, 07 मई (एजेंसियां)। प्ले ऑफ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स ने डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स का खेल खराब कर दिया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 57वें मैच में सीएसके ने केकेआर को 3 विकेट से हरा दिया। इस सीजन में सीएसके की टीम को तीसरी जीत मिली है। वहीं सीएसके से हारने के बाद केकेआर की टीम लगभग प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। केकेआर की टीम पिछले सीजन की चैंपियन थी, लेकिन इस बार वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पाएगी। केकेआर के 12 मैचों में 11 पॉइंट है। ऐसे में अब वह अपने बचे हुए मैच में अगर जीत भी हासिल करती है तब भी वह 15 पॉइंट ही हासिल कर पाएगी और प्लेऑफ में जाने के लिए उसे कम से कम 16 पॉइंट चाहिए। हालांकि, आधिकारिक रूप से केकेआर अभी बाहर करार नहीं दी गई है, लेकिन अब टॉप-4 में उसका पहुंचना बहुत मुश्किल है।

सीएसके और केकेआर के बीच यह मुकाबला ईडन गार्डंस के मैदान पर खेला गया था। मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीकने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन ने अपने होम ग्राउंड पर 179 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सीएसके ने डेवाल्ड ब्रेविस की दमदार फिफ्टी से मैच को 2 गेंद पर पहले अपने नाम कर लिया। सीएसके का भी सीजन में यह 12वां मैच था।केकेआर के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। सीएसके के लिए पिछले मैच में अपनी बैटिंग से धूम मचाने वाले आयुष म्हात्रे पहले ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद सीएसके के लिए ओपनिंग करने उतरे डेवोन कॉन्वे भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा और बिना खाता खोले आउट हो गए। मैच में सीएसके के दोनों ओपनर बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। हालांकि, तीसरे नंबर पर बैटिंग करने वाले उर्विल पटेल ने 11 गेंद में 31 रनों की तेज तर्रार पारी खेल सीएसके को ट्रैक पर लाने का काम किया।

हालांकि, सीएसके की पारी में जान फूंकने का काम डेवाल्ड ब्रेविस ने किया। ब्रेविस ने केकेआर के वैभव अरोड़ा के ओवर में 30 रन बटौर कर मैच को पूरी तरह से सीएसके की तरफ मोड़ दिया। डेवाल्ड ब्रेविस 25 गेंद में 52 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड के आउट होने के बाद कुछ समय के लिए शिवम दुबे सीएसके की पारी को संभाला, लेकिन वैभव आरोड़ा के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में वह रिंकू सिंह के हाथों लपके गए। शिवम के आउट होने के बाद सीएसके एक समय मुश्किल में फंस गई थी, लेकिन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने जिम्मेदारी उठाते हुए मैच को फिनिश किया।आईपीएल 2025 में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बल्लेबाजी में एक बार फिर से निरंतरता दिखाते हुए सीएसके के खिलाफ 48 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में रहाणे ने 33 गेंद का सामना किया जिसमें चार चौके और दो छक्के भी लगाए।

रहाणे के अलावा केकेआर के लिए अंतिम ओवरों में आंद्रे रसेल ने 21 गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से कुल 38 रनों का योगदान दिया जबकि मनीष पांडे ने 28 गेंद में एक छक्के और एक चौके से नाबाद 36 रन बनाए।वहीं सीएसके की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के लिए स्पिनर नूर अहमद ने अपना कमाल दिखाया। नूर अहमद सीएसके के सबसे सफल गेंदबाज रहे। नूर अहमद ने 4 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा अंशुल कंबोज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। इन तीन गेंदबाजों के अलावा और कोई भी प्रभावी नहीं दिखे।

धोनी के कारण अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में बदलाव से नाराज हैं: गावस्कर

मुम्बई, 07 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र से पहले महेन्द सिंह धोनी के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में जो बदलाव किया गया था वह सही नहीं था। गावस्कर के अनुसार इससे खेल को नुकसान हुआ है। इस नियम के अनुसार पांच या उससे ज़्यादा साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर चार करोड़ रुपये में बरकरार रखा जा सकता है।

इसी नियम के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम धोनी को शामिल करने में सफल रही। गावस्कर का कहना है इससे नये अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी चार करोड़ की बड़ी रकम मिल रही है जो नहीं दी जानी चाहिये।

गावस्कर ने कहा है कि इतनी अधिक कीमत मिलने से युवा, अनकैप्ड खिलाड़ियों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पूर्व कप्तान ने कहा, भारतीय क्रिकेट किसी भी खिलाड़ी के जाने से थोड़ा दुखी होता है, चाहे वह सफल रहा हो या असफल। धोनी पिछले साल नीलामी से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे और उन्हीं को टीम में रखने करने के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दी गयी थी।

उन्होंने कहा, अचानक ही करोड़पति बनने वाले ज़्यादातर खिलाड़ी अति उत्साहित होते हैं। अचानक ही ये बड़ी राशि उन्हें मिली होती है जबकि वे आम तौर पर अपने राज्य के शीर्ष 30 खिलाड़ियों की टीम में भी शामिल नहीं होते हैं।

गावस्कर ने साथ ही कहा, पिछले कुछ सालों में ऐसे अनकैप्ड खिलाड़ियों को याद करना मुश्किल है जिन्हें बड़ी रकम दी गई और वो कुछ कमाल करने में सफल रहे. हो सकता है कि अगले कुछ सालों में वह अनुभव के साथ थोड़ा बेहतर हो जायें पर अगर वह उसी स्थानीय लीग में खेल रहे हैं तो अधिक सुधार की संभावना नहीं होगी।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी गुकेश डोमाराजू शतरंज टूर 2025 में चाल चलते हुए

रोमानिया में भारतीय शतरंज खिलाड़ी गुकेश डोमाराजू शतरंज टूर 2025 में चाल चलते हुए।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

फ्राटेसी ने 99वें मिनट में किया कमाल, इंटर 7-6 के एग्रीगेट स्कोर से फाइनल में पहुंचा

मिलान, 07 मई (एजेंसियां)।

इंटर मिलान ने मंगलवार रात को यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की।

मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया।

सीज़न में जान फूंकी, अब खिताब से एक कदम दूर - सिमोन इनज़ागी की टीम अब म्यूनिख में इस महीने के अंत में होने वाले फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन में से किसी एक से भिड़ेगी। इंटर के लिए यह मुकाबला सीज़न का टर्निंग पॉइंट बन गया है, क्योंकि वह पहले ही इटालियन कप से बाहर हो चुका था और सीरी ए की दौड़ में भी नेपोली से पिछड़ गया है।

बार्सिलोना की शानदार वापसी पर लगा ब्रेक - बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्बी ने डेनजेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया।

गोलकीपर सोमर ने दिखाई क्लास - इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा।

नेशनल टीम में जगह बनाने को तैयार सुनील जोजो, बोले- देश के लिए मेडल जीतना है सपना

बेंगलुरू, 07 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के राउरकेला से निकलकर अब सुनील जोजो भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के नेशनल कोचिंग कैंप में अपनी जगह बना चुके हैं। 22 वर्षीय डिफेंडर पहले दो बार जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हाल ही में सुल्तान ऑफ जोहर कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे।

सीनियर कैंप में पहली बार शामिल होने का अनुभव साझा करते हुए सुनील ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह आसान नहीं है। यहां की फिजिकल डिमांड और खेल की गति काफी ज्यादा है। आपको तेजी से ढलना पड़ता है। स्किल लेवल भी अलग है, इसलिए कड़ी मेहनत करनी होती है। अब जब मैं यहां हूं, तो उसी हिसाब से खुद को ढाल रहा हूं।

अपनी ताकत और सुधार की जरूरतों पर फोकस

सुनील ने अपनी मजबूतियों में 'गेम अवेयरनेस' और 'टैकलिंग' को गिनाया, लेकिन साथ ही अपनी फिटनेस पर और काम करने की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा, मेरे खेल की सबसे बड़ी ताकत अवेयरनेस और टैकलिंग है, लेकिन मुझे अपने स्टेमिना और एंड्योरेंस पर काफी मेहनत करनी है।

सुनील ने हमेशा मनप्रीत सिंह को अपना आदर्श माना है और अब उनके साथ कैंप में

ट्रेनिंग करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, अब मैं उनके साथ ज्यादा वक्त बिता रहा हूं। वो अलग-अलग रोल और पोजीशन में खेलते हैं, तो मैं यह सीखने की कोशिश करता हूं कि वो अलग परिस्थितियों में कैसे खुद को ढालते हैं।

मेडल जीतने का सपना

भविष्य को लेकर सुनील पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बनना चाहता हूं और हर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए मेडल जीतूं।

हीरो हॉकी इंडिया लीग में भी दिखा जोश

हीरो हॉकी इंडिया लीग में यूपी रुद्रास टीम द्वारा चुने जाने के बाद भले ही सुनील को ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अनुभव को कीमती बताया। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, खासकर ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग के दौरान। आगे उस अनुभव का फायदा उठाना चाहता हूं।

मानसिक फोकस को मानते हैं सफलता की कुंजी

सुनील के मुताबिक, दुनिया के टॉप खिलाड़ियों के पास जो चीज सबसे खास होती है, वो है मानसिक फोकस। अगर आपके पास वो है, तो आप अपने हर लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

परिवार को मिला सहारा, रेलवे की नौकरी से मिली स्थिरता

ओडिशा की हॉकी परंपरा से निकले सुनील अब साउथ ईस्टर्न रेलवे में नौकरी कर रहे हैं और इससे उन्हें अपने परिवार की मदद करने का संतोष है। उन्होंने कहा,बचपन में परिवार ने मुझे बहुत सपोर्ट किया, अब मैं उनके बोझ को थोड़ा हल्का कर पा रहा हूं। ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

केरल में ईवी चार्जिंग पर नया नियम, रात में चार्ज करने पर होगा 30 फीसदी अधिक खर्च

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। केरल राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग को लेकर एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अब रात के समय चार्ज करने पर ईवी मालिकों को 30फीसदी अधिक भुगतान करना होगा। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने यह बदलाव किया है, जिसका असर पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों पर पड़ेगा। इस नए नियम के मुताबिक ईवी चार्जिंग को दो टाइम जोन में बांटा गया है। सोलर पीरियड, जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होता है, में चार्जिंग करने पर 30फीसदी कम टैरिफ देना होगा। इसका मतलब है कि इस समय अगर चार्जिंग के लिए 100 रुपये खर्च होते थे, तो अब वही 70 रुपये में हो जाएगा। इसके विपरीत, नॉन-सोलर पीरियड यानी शाम 4 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक चार्जिंग करने पर 30फीसदी ज्यादा खर्च होगा। इससे यह तय हो गया है कि रात के समय चार्जिंग पर ईवी मालिकों को अधिक भुगतान करना पड़ेगा। यह नया टैरिफ पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगा, जबकि घरेलू चार्जिंग पर इसका कोई असर नहीं होगा। फिलहाल यह नियम केरल में लागू किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है। चार्जिंग कंपनियों को भी अब एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यदि वे दिन के समय सोलर ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाते, तो उन्हें नुकसान हो सकता है, क्योंकि शाम के समय उपयोग की गई बिजली का क्रेडिट उन्हें नहीं मिलेगा। इस बदलाव से ईवी मालिकों को चार्जिंग की योजना बनाते समय अब समय का भी ध्यान रखना होगा। जो लोग दिन में अपनी कार चार्ज कर सकते हैं, उनके लिए यह फायदा होगा, जबकि जो लोग रात में चार्ज करते थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कायराना करतूत का ...

किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने टारगेट के चयन और हमले के तरीके में काफी संयम दिखाया। यह कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत के जवाबी हमले के बाद पाकिस्तान ने कबूल किया कि भारत की ओर से छह इलाकों में विभिन्न हथियारों से कुल 24 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन छह इलाकों में हमारे क्षति आकलन के आधार पर आठ पाकिस्तानी मारे गए हैं। 35 घायल हुए हैं और दो लापता हैं।कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए पीओके के आतंकी शिविरों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, मुजफ्फराबाद में शवाई नाला कैंप लश्कर-ए-तैयबा का कैंप है। 20 अक्टूबर, 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर, 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को यहीं प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप पर स्ट्राइक की भी जानकारी दी, यह जैश-ए-मोहम्मद का कैंप है, जो हथियार, विस्फोटक और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करता है। इसके साथ ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) से 30 किलोमीटर दूर कोटली में गुलपुर कैंप को भी टारगेट किया गया। यह 20 अप्रैल, 2023 को पुंछ हमले और 9 जून, 2024 को तीर्थयात्रा बस हमले से जुड़े लश्कर आतंकियों का ठिकाना था। इसके अलावा भिमबेर में बरनाला कैंप को भी ध्वस्त किया गया, यह हथियारों और आईईडी की सप्लाई का केंद्र और ट्रेनिंग सेंटर था। ऐसे ही एलओसी से 13 किमी दूर एक अन्य कोटली कैंप में 15 आतंकवादियों की क्षमता वाले लश्कर के फिदायीन को प्रशिक्षित किया जाता था। इसे भी ध्वस्त किया गया।प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसद हमले, मुंबई हमले, पुलवामा हमले और पहलगाम हमले के दृश्य दिखाए गए। सबसे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकी हमले के शिकार नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय देने के लिए किया गया। नौ ठिकानों की पहचान कर उन्हें बर्बाद किया गया। इन ठिकानों में आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था। ये आतंकियों के लॉन्च पैड थे। ऑपरेशन सिंदूर के लिए इन लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुआ। इसमें यह ध्यान रखा गया कि रिहाइशी इलाकों और आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 22 अप्रैल 2025 को लश्कर-ए-तैयबा से पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बरतापूर्ण हमला किया। 25 भारतीयों और एक विदेशी नागरिक को कायरतापूर्ण तरीके से मार दिया गया। यह मुंबई हमले के बाद आतंकी हमलों में आम नागरिकों के मारे जाने की सबसे गंभीर घटना रही। इस हमले में वहां मौजूद लोगों को करीब से और उनके परिवार के सामने सिर पर गोली मारी गई। परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया। यह नसीहत भी दी गई कि वे हमले का संदेश पहुंचाएं। यह जम्मू-कश्मीर में बहाल हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के लिए हुआ। इस हमले का उद्देश्य पर्यटन को प्रतिकूल रूप से नुकसान पहुंचाना था। पिछले साल यहां पौने करोड़ पर्यटक आए थे। आतंकियों का यह मकसद था कि इस इलाके को पिछड़ा रखा जाए। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के उद्देश्य से भी था। हमने प्रयासों को विफल कर दिया। एक समूह ने खुद को रजिस्टेंस फ्रंट कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। यह प्रतिबंधित समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष रिपोर्ट में इस संगठन के बारे में इनपुट दिए थे। इससे पाकिस्तान के आतंकी समूहों के मुखौटे के रूप में टीआरएफ की भूमिका सामने आई थी।उन्होंने कहा, पहलगाम हमला भारत में सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने के पाकिस्तान के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड से जुड़ा है। पाकिस्तान दुनियाभर में आतंकियों की शरणस्थली के रूप में पहचान बना चुका है। वहां आतंकी सजा पाने से बचे रहते हैं। साजिद मीर को पाकिस्तान ने मृत घोषित कर दिया था, अंतरराष्ट्रीय दबाव में वह जीवित पाया गया, इससे स्पष्ट उदाहरण मिलता है। पहलगाम हमले के बाद भारत के सभी राज्यों में आक्रोश देखा गया। यह आवश्यक समझा गया कि हमले के आरोपियों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। पाकिस्तान ने कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया। भारत के विरुद्ध आगे भी हमले होने का खतरा है, इसलिए इससे निपटना आवश्यक समझा गया। विदेश सचिव ने कहा कि आज सुबह भारत ने सीमा पार हमलों को रोकने और उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। यह कार्रवाई नपी-तुली और बिना उकसावे वाली रही। यह भारत भेजे जाने वाले आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रेस वक्तव्य जारी कर आतंक के प्रायोजितों को न्याय के कटघरे में लाने पर जोर दिया गया था। भारत की कार्रवाई को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले पहलगाम हमले के मद्देनजर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लक्ष्यों, तरीके और समय पर निर्णय लेने के लिए सशस्त्र बलों को पूरी स्वतंत्रता दी थी। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे।

भारतीय सेना की ओर से सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में उनकी भूमिका के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था।

सेना ने सटीक हमला करने वाली हथियार प्रणाली का इस्तेमाल किया। इसमें लोइटरिंग म्यूनिशंस यानी कामिकाजे ड्रोंस और सुसाइड ड्रोंस भी शामिल थे। ये ऐसे हथियार हैं, जो सटीक निशाना लगाने से पहले लक्ष्यों के आसपास मंडराते हैं। यूएवी की निगरानी क्षमताओं और मिसाइलों की घातक सटीकता को साथ लाने से यह हथियार दुश्मनों काल साबित होता है। पारंपरिक मिसाइलों के उलट यह सिर्फ पहले से तय किए गए लक्ष्य का पीछा नहीं करते, बल्कि, वे सही समय का इंतजार करते हैं, लक्ष्य के आसपास मंडराते हैं, ट्रैक करते हैं और फिर हमला करते हैं। ऐसे हथियार है, जो एक ही ऑपरेशन में खुफिया जानकारी भी इकट्ठा करते हैं और भारी तबाही मचाते हैं।

भारत ने जिन आतंकी ठिकानों पर हमले किए हैं, उनमें कोटली, बहावलपुर और मुजफ्फराबाद शामिल है। अभी तक की जानकारियां आधिकारिक तौर पर सामने आई है, उसके मुताबिक जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल, मसूद अजहर और हाफिज सईद के ठिकाने शामिल हैं। मिसाइलों ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को निशाना बनाया। इसके अलावा मुजफ्फराबाद के सेंट्रल ग्रिड सिस्टम पर भी मिसाइलों का कहर बरपा। मामले में सबसे बड़ा दावा यह भी किया जा रहा है कि भारत की स्ट्राइक के तहत मुरीदके में आतंकी हाफिज सईद के ठिकानों को भी नेस्तनाबूद किया गया। जैश-ए-मोहम्मद भारत में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है। इसका सरगना वही मसूद अजहर है, जिसे 1999 में कंधार विमान हाईजैक मामले के बाद रिहा करना पड़ा था। आतंकी हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का सरगना है, जो 26/11 के मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता है।छह साल पहले भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। 14 फरवरी, 2019 का वो दिन जिसे भारत कभी नहीं भुला सकता, हमारे सीआरपीएफ के 40 जवान पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए थे और पूरा देश गुस्से में था। हर भारतीय पाकिस्तान से इसका बदला चाहता था, हर कोई जवाब चाहता था और फिर वो जवाब आया 12 दिन के बाद जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान की सरहद लांघकर बालाकोट में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सम्पूर्ण कैबिनेट ने मेज थपथपाकर देश के सुरक्षाबल की सराहना की और बधाई दी। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की भी सराहना की। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस रखेगी। प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री और एनएसए अजित डोभाल से भी अलग से मुलाकात की और मौजूदा हालात का जायजा लिया।ऑपरेशन सिंदूर को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, कल रात भारतीय सेनाओं ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। सेना ने हमारा मस्तक ऊंचा किया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की। हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें सही समय पर सटीकता के साथ ध्वस्त किया। भारतीय सेना ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें ठीक तय योजना के अनुसार सटीकता से ध्वस्त किया है। किसी भी नागरिक ठिकाने नागरिक जनसंख्या को जरा भी प्रभावित न होने की संवेदनशीलता दिखाई है। यानि एक तरीके की सटीकता, सतर्कता और मानवता सेना ने दिखाई है। जिसके लिए मैं हमारे सेना के जवानों और अधिकारियों को पूरे देश की ओर से साधुवाद देता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा, सेना को सम्पूर्ण सम्बल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी साधुवाद देता हूं। हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे अर्थात केवल उन्हीं को मारा जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने, ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करके, पहले की तरह ही, इस बार भी, आतंकियों को ट्रेनिंग देने वाले कैंपों को तबाह करके करारा जवाब दिया है। भारत ने हमलों के जवाब में अपना राइट टू रिस्पॉन्स का इस्तेमाल किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि,हमारी यह कार्रवाई, बेहद सोच-समझकर, सधे हुए तरीके से की गई हैख आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से, यह कार्रवाई, महज उनके शिविरों और अन्य संरचनाओं तक ही सीमित रखी गई है। मैं पुनः, हमारी सशस्त्र बलों के शौर्य को नमन करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ...

पहलगाम में पाकिस्तान के भाड़े के आतंकियों ने भारतीय महिलाओं के मस्तक से 15 दिन पहले जो सिंदूर उजाड़े थे, भारत ने उसका प्रतिशोध ले लिया। 6 और 7 मई की दरमियानी रात देश के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया। घातक ड्रोन और मिसाइलों से हुए इस हमलों के जरिए नौ जगहों पर आतंकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। इसी के साथ सेना ने ऐलान कर दिया कि इंसाफ पूरा हुआ! इसे नाम दिया गया था ऑपरेशन सिंदूर।पहलगाम हमले में आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी थी। हमले के 15 दिन बाद 6 और 7 मई की दरमियानी रात यह कार्रवाई पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, दोनों के अंदर ऐसी जगहों पर हुई, जहां आतंकियों के ठिकाने मौजूद हैं। ऑपरेशन सिंदूर एक संयुक्त ऑपरेशन था। इसमें वायुसेना, थलसेना और नौसेना की लक्ष्य को सटीक तरीके से भेदने वाली हथियार प्रणालियों यानी प्रीसिशन स्ट्राइक वेपन्स का इस्तेमाल किया गया। हमले में लॉयटरिंग म्यूनिशंस यानी घातक ड्रोन शामिल थे। हमला कहां होना है, इसके बारे में भारत की खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी। वहीं, हमले को भारतीय सरजमीं से ही अंजाम दिया गया।थलसेना के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी एडीजीपी के सोशल मीडिया पर रात 1:28 बजे 64 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिस पर लिखा था, प्रहाराय सन्निहिताः, जयाय प्रशिक्षिताः। यानि हमले को तैयार और जीत के लिए प्रशिक्षित। इसके बाद रात 1:51 बजे दूसरा पोस्ट जारी हुआ, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर के साथ लिखा था, इंसाफ पूरा हुआ, जय हिंद।भारत ने बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, भीमबेर, कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई कि भारत की मिसाइलें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने, मुजफ्फराबाद के सेंट्रल ग्रिड सिस्टम और मुरीदके में हाफिज सईद के ठिकाने पर गिरीं। जैश-ए-मोहम्मद का सरगना वही मसूद अजहर है, जिसे 1999 में आईसी-814 कंधार विमान अपहरण मामले के बाद रिहा करना पड़ा था। मसूद अजहर के पाकिस्तान लौटने के बाद बहावलपुर आतंकियों को प्रशिक्षण देने का बड़ा ठिकाना बन गया। जैश-ए-मोहम्मद संसद पर 2001 में हुए हमले, 2016 में पठानकोट हमले और 2019 में पुलवामा हमले में शामिल रहा है। वहीं, हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का सरगना है, जो 26/11 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड है। मुरीदके में ही लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय है। यह आतंकी संगठन 1990 से मुरीदके से ही ऑपरेट करता है। भारत ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के सरगनाओं को निशाना बनाने के लिए ही इन जगहों को चुना। वहीं, मुजफ्फराबाद और कोटली नियंत्रण रेखा के पास है।

ध्वस्त ठिकानों की सूची में 1. मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर (जैश), 2. मरकज तैयबा, मुरीदके (लश्कर), 3. सरजाल, तेहरा कलां (बहावलपुर) (जैश), 4. महमूना जोया सुविधा, सियालकोट (हिजबुल), 5. मरकज अहले हदीस बरनाला, भीमबेर (लश्कर), 6. मरकज अब्बास, कोटली (जैश), 7. मस्कर राहील शाहिद, कोटली (हिजबुल), 8. शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद (लश्कर) और 9. मरकज सैयदना बिलाल, मुजफ्फराबाद (जैश) शामिल है।

भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल अहमद शरीफ चौधरी का बयान आया। इस बयान में चौधरी ने स्वीकार किया कि भारत की एयर स्ट्राइक बहावलपुर के अहमद ईस्ट एरिया में सुभानउल्लाह मस्जिद, कोटली और मुजफ्फराबाद में हुई है। उन्होंने यह भड़काऊ बयान भी दिया कि हम जवाब देंगे। बाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ से भी बयान आया, जिसमें उन्होंने कबूल किया कि पाकिस्तान में पांच जगहों पर हमला किया गया है। वहीं, पाकिस्तान मीडिया में आ रही खबरों में वहां के लोगों ने ही स्वीकार किया कि मिसाइल स्ट्राइक में मसूद अजहर का मदरसा तबाह हो चुका है।

16 भारतीय नागरिकों...

7 और 8 मई के लिए निर्धारित दो उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यह आगे भी रद्द रहेंगी क्योंकि 10 मई की सुबह तक प्रदेश के सभी हवाई अड्डे नागरिक उड़ानों के लिए बंद किए जा चुके हैं।यही नहीं एशिया की सबसे ऊंची और सबसे लंबी केबल कार राइड में से एक लोकप्रिय गुलमर्ग गंडोला को भी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण बंद रखने की घोषणा की गई है। जम्मू कश्मीर केबल कार कारपोरेशन ने बुधवार सुबह एक नोटिस जारी कर पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सेवाओं के अस्थायी निलंबन के बारे में सूचित किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि 7 मई के लिए सभी ऑनलाइन बुकिंग का पूरा पैसा वापस किया जाएगा। दूसरी ओर प्रदेश के हवाई अड्डों के बंद होने की विमानन अधिकारियों की अधिसूचना के बाद जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट- इन स्टेशनों से आने-जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानें 10 मई को 05.29 बजे तक रद्द करने की घोषणा की गई है। एयरलाइंसों की ओर से जारी सूचनाओं में कहा गया था कि इस अवधि के दौरान यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले ग्राहकों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद्दीकरण के लिए पूर्ण धन वापसी की पेशकश की जाएगी।इस बीच पाकिस्तान से सटे एलओसी पर पाक सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में की जाने वाली गोलाबारी में समाचार भेजे जाने तक 14 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी थी और 100 से अधिक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। एलओसी से सटे इलाकों में भयानक मंजर के बीच हजारों लोग घर बार छोड़ भाग रहे हैं। कुछ लोग हिम्मत कर बंकरों में दुबके हुए हैं, जबकि उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इंटरनेशनल बार्डर पर जीरो लाइन से सटे गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा पाकिस्तान के अंदर सटीक हवाई हमलों के बाद जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में 14 नागरिक मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। फिलहाल आधिकारिक तौर पर 10 के मरने की पुष्टि की जा चुकी थी।

भारत ने नौ...

साल 2001 में हुए संसद हमले और 2019 में हुए पुलवामा हमले में भी जैश का हाथ था। भारत ने बहावलपुर में जैश के ठिकाने मरकज शुभान अल्लाह को निशाना बनाया। मरकज में ही जैश के मुखिया मौलाना मसूद अजहर, मुफ्ती अब्दुल रउफ असगर, मौलाना अम्मार का घर भी है।

मुरीदके लाहौर से करीब 40 किलोमीटर दूर है। मुरीदके आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा और इसकी शाखा जमात उद दावा का केंद्र माना जाता है। मुरीदके में लश्कर ए तैयबा का ट्रेनिंग सेंटर है और यह करीब 200 एकड़ इलाके में फैला है। भारत में साल 2008 में हुए मुंबई हमले में भी लश्कर का हाथ था। 26/11 के हमलावरों की ट्रेनिंग भी मुरीदके में ही हुई थी। कोटली पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का इलाका है। भारत का दावा है कि यह आत्मघाती हमलावरों और उग्रवादियों का प्रशिक्षण केंद्र है। कोटली में एक बार में 50 से ज्यादा आतंकियों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। गुलपुर जम्मू कश्मीर में आतंकियों का लॉन्च पैड माना जाता है। खासकर राजौरी और पुंछ इलाकों में होने वाली आतंकी घुसपैठ गुलपुर से ही होती है। भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले पर हमलों को अंजाम देने के लिए अक्सर इस ठिकाने का इस्तेमाल किया जाता है। सियालकोट का महमूना कैंप भी भारतीय सेना के निशाने पर रहा। महमूना कैंप हिजबुल मुजाहिदीन का ठिकाना था। हिजबुल मुजाहिदीन हाल के वर्षों में कमजोर हुआ है, लेकिन अभी भी इसकी स्थानीय नेटवर्क पर पकड़ है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के तंगधार सेक्टर स्थित सवाई इलाके में लश्कर ए तैयबा का कैंप है। साल 2024 में गांदरबल, गुलमर्ग और अब पहलगाम के आतंकी हमले की योजना भी सवाई में ही बनाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मौजूद सरजाल और बरनाला भी कश्मीर में आतंकी घुसपैठ के लॉन्च पैड माने जाते हैं। जिन्हें भारतीय सेना ने निशाना बनाया।

200 से अधिक ....

इनमें श्रीनगर, जम्मू, लेह, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं।ऑपरेशन सिंदूर के बाद फ्लाइट ऑपरेशन्स पर भारी असर पड़ा है। अब तक 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। अकेले इंडिगो ने लगभग 165 फ्लाइट कैंसिल की हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से भी 35 से ज्यादा फ्लाइट्स (23 जाने वाली, 8 आने वाली और 4 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स) रद्द कर दी गई हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार को श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसकी जानकारी देते हुए एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि देशभर में उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। साथ ही इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।उड़ान रद्द होने के बाद कई एयरलाइंस ने बयान जारी कर अपना-अपना स्पष्टिकरण दिया। एयर इंडिया ने जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट की उड़ानें 10 मई सुबह 5:29 बजे तक रद्द कर दी हैं। यात्रियों को टिकट रद्द कराने या री-शेड्यूल करने पर शुल्क नहीं देना होगा। वहीं स्पाइसजेट, इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कई फ्लाइट्स कैंसिल की हैं और यात्रियों को फुल रिफंड या वैकल्पिक उड़ान का विकल्प देने की बात कही है। कतर एयरवेज ने पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के कारण पाकिस्तान के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं।

थैंक्यू मोदी जी...

ऐसे जब पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को तबाह किया गया तो उनके शुभम द्विवेदी के परिजनों को अपने जख्मों पर कुछ मरहम महसूस हुआ। शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा, मैं अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था। जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तान को जवाब दिया, उसने हमारे भरोसे को ज़िंदा रखा है। शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा, यही मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि है। मेरे पति आज जहां भी होंगे, उन्हें शांति मिलेगी। शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने भी सेना की कार्रवाई पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मैं रात से ही खबरें देख रहा हूं। मैं अपने देश की सेना को सलाम कर रहा हूं। हमारी सशक्त सेनाओं ने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया है। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। हमारे दिल पर जो जख्म लगा था। उस पर मरहम लगा है। शुभम की आत्मा को सच्चे तौर पर आज शांति मिली है।

मसूद अजहर ...

कारी इकबाल के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बिलाल आतंकी कैंप के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है।

मसूद अजहर ने बयान जारी कर बताया है कि हमले में उसके परिजनों के अलावा चार करीबी सहयोगी भी मारे गए हैं। बहावलुपर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हुए हमले में जैश ए मोहम्मद चीफ मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी और अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों की मौत हुई है। हमले में मसूद अजहर के करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। हमले में अपनों के मारे जाने पर मसूद अजहर फूट-फूटकर रोया। भारत के हमले में आतंकी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है। कारी इकबाल ही कोटली में चलने वाले आतंकी कैंपों का कमांडर था। कारी इकबाल के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बिलाल आतंकी कैंप के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है।मरकज सुभान अल्लाह कराची-तोरखाम राजमार्ग पर बहावलपुर के बाहरी इलाके में स्थित है। यह जैश ए मोहम्मद का मुख्य आतंकी प्रशिक्षण केंद्र है, जो 15 एकड़ इलाके में फैला है। मरकज सुभान अल्लाह जैश का संचालनात्मक मुख्यालय माना जाता है और 2019 में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले की योजना यहीं बनाई गई थी। मौलाना मसूद अजहर का घर मरकज सुभान अल्लाह में ही है, लेकिन फिलहाल पाकिस्तानी सेना ने उसे भारत के हमले के डर से किसी अज्ञात स्थान पर छिपाया हुआ है। जैश ए मोहम्मद को साल 2001 में भारत ने आतंकी संगठन घोषित किया था। उसके बाद से कई अन्य देश भी इसे आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं। मरकज सुभान अल्लाह का निर्माण साल 2015 में हुआ है और इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने फंडिंग दी। साथ ही जैश ने अरब और अफ्रीकी देशों से भी फंड इकट्ठा किया।

पाक के आतंकी...

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एचएच शेख तहनून से भी फोन पर बातचीत कर डोभाल ने भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा हालात की जानकारी दी। उन्होंने यूएई की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव अली अल शम्सी से भी सम्पर्क किया। डोभाल ने जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मासाताका ओकानो से भी बातचीत की। भारत के एनएसए ने रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सेर्गेई शोइगु से भी सम्पर्क साधा और जानकारियां साझी कीं। अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी से संपर्क किया। डोभाल ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बॉन से भी बात की।भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने कहा, मैंने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे देशों के अपने समकक्षों को भारतीय सेना की कार्रवाई और क्रियान्वयन के बारे में जानकारी साझा की और उन्हें बताया कि संतुलित, गैर-आक्रामक और संयमित कार्रवाई में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान तनाव बढ़ाने का फैसला करता है तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। एनएसए डोभाल ने साफ कर दिया है कि वे आने वाले दिनों में भी अपने समकक्षों के सम्पर्क में रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में...

दहशतगर्दों पर लगभग दो हफ्ते तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसके जवाब में भारत ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। दुनियाभर की मीडिया में भारत की इस कार्रवाई अलग-अलग अंदाज में खबरें प्रकाशित की गई हैं।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी पहली खबर के शीर्षक में कश्मीर में आतंकी हमले के दो हफ्ते बाद पाकिस्तान पर हमले की बात लिखी। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि भारत ने पाकिस्तान में नौ ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, इसमें कोई भी सैन्य ठिकाना शामिल नहीं है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि बीते अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन निहत्थे नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। इसी वेबसाइट के होम पेज पर एक अन्य खबर में कश्मीर मुद्दे को लेकर तनाव को लेकर भी विस्तृत जानकारी छापी गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की इस रिपोर्ट में रॉयटर्स के हवाले से आई आधी रात के समय की एक तस्वीर भी प्रकाशित की गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट में भी उसी तस्वीर का इस्तेमाल किया गया जो न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खबर के साथ संलग्न की है। इस रिपोर्ट की हेडलाइन में लिखा गया है कि भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हवाई हमले किए हैं। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के बयान का भी जिक्र है। इसमें पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि कई लोकेशंस पर मिसाइलों से हमले किए गए हैं। पश्चिम एशियाई देश कतर से संचालित मीडिया संस्थान अल-जजीरा ने भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के तीनों अंगों (थल-वायु और नौसेना) की संयुक्त कार्रवाई- ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की। अल-जजीरा की इस रिपोर्ट में वेबसाइट की होम पेज के ट्रेंडिंग टॉपिक में भारत पाकिस्तान तनाव भी प्रमुखता से दिखाई दे रहा है। इसके अलावा ब्रेकिंग न्यूज के तौर पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आपातकाल की घोषणा की सूचना भी दिख रही है। इसके अलावा पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के बयान का भी जिक्र है, जिसमें पंजाब प्रांत के बहावलपुर में भारत के हमले में दो लोगों के मारे जाने की बात लिखी गई है। खबर की प्रमुख हेडिंग में ये बात लिखी गई है कि भारत की तरफ से पाकिस्तान में दागी गई मिसाइलों के कारण युद्ध का खतरा बढ़ गया है।अमेरिका के अटलांटा से संचालित मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में भारत की सैन्य कार्रवाई को प्रमुखता से छापा गया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मिलिट्री ऑपरेशन शुरू होने के बाद हालात और गंभीर होने की आशंका है। इस खबर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान का भी जिक्र है, जिसमें भारतीय सेना की कार्रवाई को युद्ध के लिए उकसाना बताया। इस खबर में सीएनएन ने पाकिस्तानी सेना के उस भ्रामक दावे का भी जिक्र किया है जिसमें दावा किया है कि भारतीय सेना के दो विमानों को मार गिराया है।ब्रिटेन के अखबार गार्डियन में छपी इस खबर को लेकर हेडलाइन में कश्मीर संकट और पाकिस्तान के जवाबी कार्रवाई के दावे को तरजीह दी गई है। गार्डियन की इस रिपोर्ट की हेडलाइंस बताती है कि पाकिस्तान भारत के एक्ट ऑफ वॉर के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इस खबर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के बयान को भी शामिल किया गया है, जिसमें शहबाज शरीफ ने भारत की कार्रवाई को कायराना बताया है। इस खबर में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के दावे को भी शामिल किया गया है जिसमें उन्होंने महिलाओं-बच्चों समेत नागरिकों के मारे जाने का दावा किया है। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर एक अन्य मीडिया संस्थान यूएसए टुडे ने हेडलाइन में कश्मीर में पर्यटकों के मारे जाने का भी जिक्र किया। इसमें लिखा गया है कि परमाणु शक्ति सम्पन्न दो पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। खबर की शीर्षक बताती है कि कश्मीर में हिंदू पर्यटकों पर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर हमले किए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 08 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सीडब्ल्यूसी से पीआरएलआईएस के लिए 90 टीएमसी पानी आवंटित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) से पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) के लिए कृष्णा जल में 90 टीएमसी पानी आवंटित करने का आग्रह किया, जिसमें पहले चरण में 45 टीएमसी की तत्काल मंजूरी शामिल है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पहले ही सीडब्ल्यूसी द्वारा निर्धारित सभी प्रक्रियात्मक और दस्तावेजी आवश्यकताओं का अनुपालन कर लिया है।रेड्डी ने बुधवार, 7 मई को नई दिल्ली में सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष अतुल जैन से मुलाकात की और सीडब्ल्यूसी से सम्मक्का-सरक्का परियोजना के लिए 44 टीएमसी पानी आवंटित करने का अनुरोध किया, उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक नक्शे और दस्तावेज प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

उन्होंने अंतर-राज्यीय जल प्रबंधन, बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और पोलावरम परियोजना के बैकवाटर का तेलंगाना पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए। उन्होंने सीडब्ल्यूसी से तेलंगाना के सीमावर्ती गांवों पर बैकवाटर के प्रभावों का नए सिरे से आकलन करने और बाढ़ तथा विस्थापन को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों की सिफारिश करने का आग्रह किया।

आंध्र प्रदेश द्वारा कृष्णा नदी के पानी को अवैध रूप से मोड़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए रेड्डी ने सीडब्ल्यूसी से आग्रह किया कि वह नदी के किनारे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर तुरंत टेलीमेट्री उपकरण स्थापित करे ताकि पानी के प्रवाह की निगरानी की जा सके और अनधिकृत निकासी को रोका जा सके।उन्होंने बताया कि तेलंगाना ने इन उपकरणों की स्थापना के लिए कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को अपना वित्तीय हिस्सा पहले ही जारी कर दिया है।उत्तम कुमार रेड्डी ने सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष का ध्यान कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की हाल की रिपोर्ट की ओर आकर्षित किया, जिसमें मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों की संरचनात्मक और डिजाइन अखंडता के बारे में गंभीर चिंताएं जताई गई हैं।उन्होंने बताया कि एनडीएसए ने अपने तकनीकी निरीक्षण के बाद सिफारिश की थी कि तेलंगाना सरकार केएलआईएस बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का मूल्यांकन करने और आगे का रास्ता तय करने के लिए सीडब्ल्यूसी से तकनीकी सलाह और निगरानी ले।रेड्डी ने सीडब्ल्यूसी से राज्य सरकार के साथ मिलकर एक व्यापक भू-तकनीकी और संरचनात्मक समीक्षा करने तथा परियोजना को बहाल करने और सुरक्षित करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाने का अनुरोध किया।

बैठक के बाद आशा व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि अतुल जैन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि सीडब्ल्यूसी तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तुत सभी अभ्यावेदनों पर शीघ्र कार्रवाई करेगी।उल्लेखनीय है कि सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष अतुल जैन वर्तमान में केआरएमबी और पोलावरम परियोजना प्राधिकरण के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं, जिससे अंतर-राज्यीय जल बंटवारे और निगरानी में अनुपालन, समन्वय और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

लिफ्ट गिरने से तीन मजदूरों की मौत

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने बताया कि बुधवार को जवाहरनगर डंपयार्ड में एक निर्माण लिफ्ट गिरने से उत्तर प्रदेश के तीन श्रमिकों की मौत हो गई।यह घटना डंपयार्ड में विद्युत परियोजना (नगरपालिका ठोस अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र) के दूसरे चरण के लिए चिमनी के निर्माण के दौरान घटित हुई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लिफ्ट के दुर्घटनावश अलग हो जाने और लगभग 40 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर जाने के कारण उसमें सवार तीन श्रमिक घायल हो गए।

उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गई। मृतकों की उम्र 21 से 28 वर्ष के बीच थी।मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

जीएचएमसी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की मांग

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायवाल ने बुधवार को जीएचएमसी आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर जीएचएमसी अधिकारियों-श्रीमती मंजुला सिंह (एसीपी), श्री नरेश (अनुभाग अधिकारी) और श्री आरिफ (चेनमैन) के खिलाफ उनके अपमानजनक व्यवहार, दुर्व्यवहार के लिए अनुशासनिक कार्रवाई करने की मांग की ।

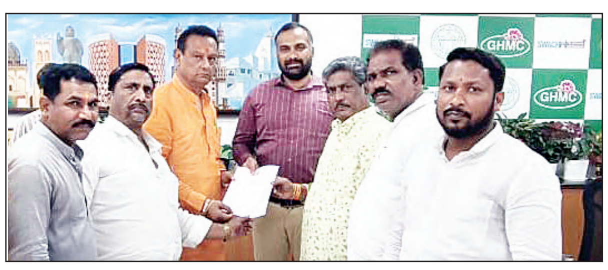

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री जायसवाल ने बताया कि उक्त अधिकारियों ने उनके खिलाफ भद्दी एवं अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और पुरानी कट्टलमंडी के निवासी राज कुमार के साथ मारपीट की जो पुरानी कट्टलमंडी, नामपल्ली में स्थित 64 वर्ग गज की संपत्ति के लिए भवन निर्माण की अनुमति के बारे में पूछताछ करने के लिए जीएचएमसी सर्कल नंबर 14 कार्यालय गए थे।इस अवसर पर पार्षद शंकर यादव, पार्षद लाल सिंह, पार्षद बी. दर्शन, एम. कृष्ण गारू, संयोजक, भाजपा गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र आदि उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों के गैर-पेशेवर और आक्रामक आचरण की निंदा करते हैं आयुक्त को ज्ञापन सौंप और जल्द से जल्द सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को स्व. कन्हैयालाल अग्रवाल की मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर कन्हैयालाल सुरेशकुमार टिबडेवाल परिवार (श्री जगदम्बा सेल्स, हैदराबाद) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता, ई-जगन (चंपा पेट),प्रीतिका अग्रवाल,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,नंदकिशोर अग्रवाल,राजेश योगा सरजी,अशोक गुप्ता एस.जे,अरविन्द गुप्ता,उमा रानी,भगतराम गोयल,गोपाल गोयल,नयन संघी,सुनील अग्रवाल,उम्मीद अग्रवाल,सुमन अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायवाल को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, रागिनी, पुष्पा, शिल्पी, दुर्गा, रचना, मोनिका, रिंकल गुप्ता, स्मिता गौलस आस्था, अर्पिता, पूजा व अन्य।

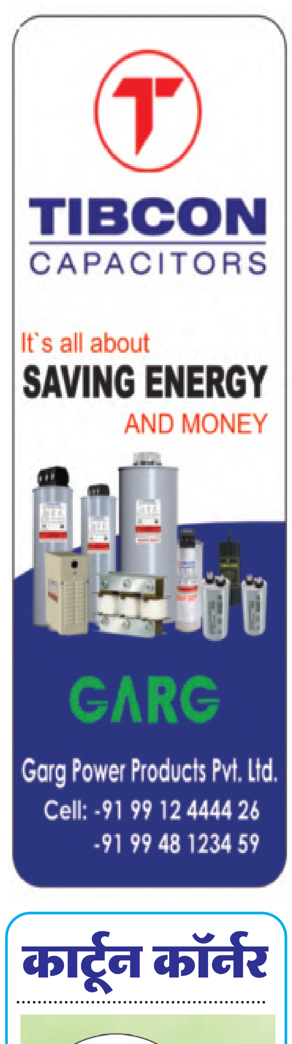

बिहार अग्रवाल संघ की मेडिकल कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार अग्रवाल संघ की मेडिकल कमेटी की बैठक कमेटी के सदस्य अनूप झुनझुनवाला के कार्यलय में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के संयोजक एडवोकेट सुरेश अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बिहार व झारखंड से आने वाले आगंतुक जिन्हें मेडिकल से संबंधित समस्याएं हो रही हों उन्हें विशेष रूप से ठहरने व भोजन आदि मुहैया कराने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि उक्त दिशा में तैयारी कि जाएगी और विभिन्न क्षेत्रों के विषेशज्ञ डाक्टरों की लिस्ट तैयार की जाएगी और शहर के विभिन्न अस्पतालों से संपर्क कर कैसे अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जाए इस पर विचार विमर्श किया गया। उक्त बैठक में बिहार अग्रवाल संघ के अध्यक्ष विकास केशान, मानद मंत्री भीम फिटकिरीवाला, संयोजक एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष संतोष टांटिया, राजेश अग्रवाल, वासुदेव खेतान उपस्थित थे। उधर, बिहार अग्रवाल संघ द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर संचालित शीतल जन प्याऊ पर शरबत पैकेट व ग्लूकोन-सी का वितरण किया गया । जिसका राहगीरों ने भरपूर लाभ लिया।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ पुरानापुल चौराह पर पाकिस्तानी झंडा जलाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा गोलकोण्डा अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र एवं भाजपा कार्यकर्ता। इस अवसर पर श्री महेंद्र ने तेलंगाना सरकार एवं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से मांग की है कि वह हैदराबाद में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी एवं बंगलादेशियों को बाहर निकालें। विरोध प्रदर्शन में टी.उमा महिंद्रा भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष, के.सुरंदर, दीपक कोला, नटराज नामदारी, शिवा यादव, टी.कुणाल राव, रामू, नरेंद्र के, रंजीत सिंह, प्रकाश गौड़, बलवीर सिंह, डी.शशि कुमार, जे.नरेश, लक्ष्मीकांत, के. प्रकाश और अन्य भाजपा नेता शामिल हुए।

कार्टून कॉर्नर

आरजीए स्वर्ण जयंती न्यास के चेयरमैन नियुक्त होने पर नन्दगोपाल भट्टड का तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मान करते हुए अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी, परामर्शदाता रमेश कुमार बंग, मंत्री अमित लड्डी, ब्रिजगोपाल भूतड़ा, अनूप चांडक, महेंद्र खत्री, दिनेश बंग एवं अन्य।

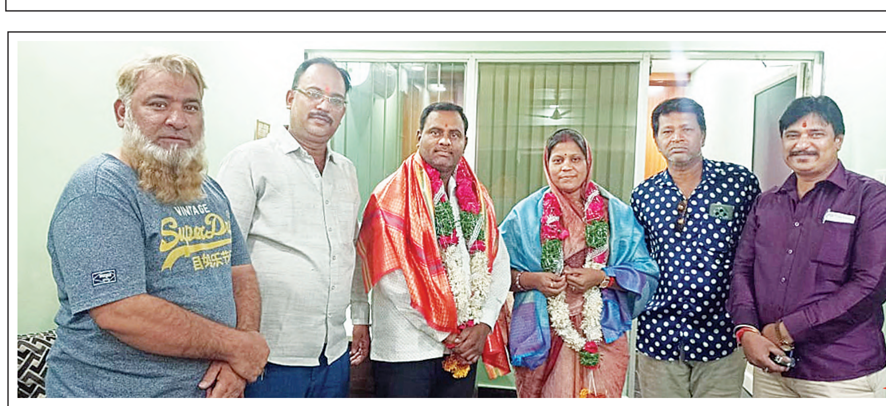

पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह-राकेश सिंह को उनके वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, ठाकुर दिनेश सिंह, मनोज सिंह व अन्य।

शेयर मार्केट

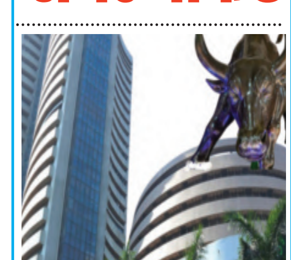

बीएसई : 80,746.78
+105.71 +0.13% ↑
एनएसई :24,414.40
34.80 (0.14%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,049/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,940/- (प्रति किलोग्राम)

डॉ. के. लक्ष्मण ने तेलुगु तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए अयोध्या और काशी में भूमि आवंटन के लिए यूपी सीएम से अनुरोध किया

हैदराबाद/लखनऊ, 7 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

अयोध्या और काशी के पवित्र स्थलों पर आने वाले तेलुगु भाषी श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्यसभा सांसद और भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इन तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि आवंटित करने की अपील की है।

बुधवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान, डॉ. लक्ष्मण ने अयोध्या और काशी दोनों में 2,000 वर्ग गज से लेकर 1 एकड़ तक की भूमि आवंटन के लिए औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया।प्रस्तावित भूमि का उपयोग तेलुगु राज्यों के तीर्थयात्रियों के लिए समर्पित सुविधाओं के निर्माण के लिए किया जाएगा, जिसमें आवास, भोजन सेवाएं, पार्किंग स्थल और सार्वजनिक शौचालय शामिल हैं – सभी का उद्देश्य सुरक्षित, सस्ती और सम्मानजनक सुविधाएं प्रदान करना है।डॉ. लक्ष्मण ने कहा, अयोध्या में श्री राम मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले तेलुगु राज्यों के श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। उनकी तीर्थयात्रा को और अधिक आरामदायक बनाने के लिए, मैंने उनके लिए विशेष रूप से सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि इन सुविधाओं का निर्माण एमपी एलएडी (स्थानीय क्षेत्र विकास) निधि या अन्य उपयुक्त वित्त पोषण स्रोतों का उपयोग करके किया जाएगा। तेलुगु लोगों और इन पवित्र शहरों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों पर जोर देते हुए डॉ लक्ष्मण ने कहा, यह पहल दक्षिणी राज्यों, विशेष रूप से तेलंगाना के भक्तों के हितों को ध्यान में रखकर की जा रही है। डॉ लक्ष्मण ने सीएम योगी आदित्यनाथ की सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया, इसे संतोषजनक और क्षेत्रों के बीच आध्यात्मिक संबंध को मजबूत करने की दिशा में एक कदम बताया। उन्होंने कहा, यह प्रयास न केवल तेलुगु भक्तों के लिए तीर्थयात्रा के अनुभव को आसान बनाएगा बल्कि हमारे समुदाय के लिए गर्व की बात भी होगी। एक बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित सुविधाओं से हजारों तेलुगु भक्तों के लिए तीर्थयात्रा के अनुभव में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है।

टीएस इंदिराम्मा आवास स्वीकृति सूची 2025 जारी लाभार्थी अब अपनी स्थिति ऑनलाइन जांच सकते हैं

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने आधिकारिक तौर पर टीएस इंदिराम्मा आवास स्वीकृति सूची 2025 जारी की है , जिससे राज्य भर के हजारों परिवारों को राहत और उम्मीद मिली है। इस सूची में इंदिराम्मा आवास योजना के तहत घरों के निर्माण या नवीनीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए स्वीकृत व्यक्तियों के नाम शामिल हैं।इंदिराम्मा आवास योजना तेलंगाना सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को पक्के घर उपलब्ध कराना है। इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के हर पात्र परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो।

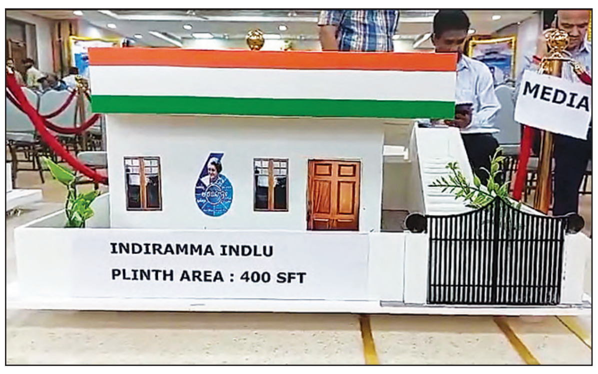

यह योजना मुख्य रूप से गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवनयापन करने वाले परिवारों को लक्षित करती है और निम्नलिखित को प्राथमिकता देती है: एससी, एसटी और बीसी समुदाय, अल्पसंख्यक समूह, विकलांग सदस्यों वाले परिवार, महिला प्रधान परिवार, स्थायी आवास विहीन नागरिक,

आवेदक तेलंगाना का स्थायी निवासी होना चाहिए तथा राज्य द्वारा निर्धारित आय सीमा के अंतर्गत आना चाहिए।

पात्र आवेदक अब इन चरणों का पालन करके अपनी स्वीकृति स्थिति की जांच कर सकते हैं:

तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। इंदिराम्मा स्वीकृति सूची 2025 अनुभाग पर जाएं। अपना जिला, मंडल और गांव चुनें । यदि पूछा जाए तो अपना आवेदन नंबर या पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करें। पीडीएफ फाइल डाउनलोड करें और अपना नाम खोजें।

स्वीकृति सूची को आसान पहुंच के लिए जिलावार और मंडलवार व्यवस्थित किया गया है।सत्यापन और अनुमोदन प्रक्रिया जारी रहने के कारण कई सूचियाँ जारी की जा सकती हैं।

आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी स्थिति की पुष्टि करने के लिए अपने आवेदन संख्या की दोबारा जांच कर लें ।

स्वीकृत लाभार्थियों को नए घर बनाने या मौजूदा घरों के नवीनीकरण के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता मिलेगी । राशि इस आधार पर भिन्न होती है: स्थान (शहरी बनाम ग्रामीण), लाभार्थी की श्रेणी

कुछ मामलों में, सरकार वित्तीय बोझ को कम करने के लिए सीमेंट और स्टील जैसी निर्माण सामग्री पर सब्सिडी भी देती है।

योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए अनुमोदित व्यक्तियों को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे: आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), निवास प्रमाण, बैंक के खाते का विवरण, पासपोर्ट आकार के फोटो तेलंगाना सरकार ने समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आवास एक बुनियादी अधिकार है। वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग व्यक्तियों सहित सबसे कमजोर लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं ।

टीएस इंदिराम्मा आवास योजना 2025 राज्य में सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

एससीआर द्वारा क्षमता निर्माण पहल के तहत

डीएआर मामलों के दोष मुक्त प्रबंधन पर व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे की सतर्कता शाखा ने बुधवार दि. 7 मई 2025 को रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में डी.ए.आर. मामलों के दोष मुक्त प्रबंधन पर व्याख्यान आयोजित किया। सतर्कता शाखा द्वारा क्षमता निर्माण पहल के तहत फोर्टिफाई लेक्चर सीरीज के तहत यह तीसरा व्याख्यान है। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एस.सी.आर. इस सत्र के मुख्य अतिथि थे, श्री नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एस.सी.आर. विशिष्ट अतिथि थे; श्री जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, एस.सी.आर. अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। श्री मल्लादी श्रीनिवास, उप महाप्रबंधक समन्वय और जी.एम., एस.सी.आर. के सचिव मुख्य वक्ता थे और उन्होंने डी.ए.आर. मामलों के दोष मुक्त प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

व्याख्यान के बारे में विस्तार से बताते हुए श्री मल्लादी श्रीनिवास ने कहा कि भारतीय रेलवे में डीएआर (अनुशासन और अपील नियम) कार्रवाई अनुशासन बनाए रखने, नैतिक मानकों को बनाए रखने और रेलवे कर्मचारियों के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है। डीएआर मामलों को संसाधित करते समय और जांच के दौरान उचित प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। अक्सर, अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान की गई प्रक्रियागत चूक के कारण प्रशासन कोई भी समापन कार्रवाई करने में असमर्थ हो जाता है। व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य दोष मुक्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के प्रति जागरूकता लाना था। मौजूदा नियमों का पालन करते हुए दोष मुक्त आरोप पत्र तैयार करने, जांच करने और दंड लगाने की उचित प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई। अनुशासनात्मक कार्यवाही के संचालन में देखी गई अनियमितताओं पर विभिन्न केस कानूनों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को प्रक्रियात्मक चूक से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों और कानूनी मंचों पर अदालती मामला चलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही को कैसे संभालना है, इस बारे में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध करने और विषय पर उनकी समझ को बढ़ाने में यह सत्र अत्यधिक लाभकारी रहा। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री अरुण कुमार जैन ने कहा कि अनुशासन एवं अपील नियम (डीएआर) विषय बहुत व्यापक, संवेदनशील है तथा इससे निपटने के लिए बहुत अनुभव और विशेषज्ञता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह सत्र इस विषय से निपटने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी और शिक्षाप्रद होगा। उन्होंने यह भी बताया कि डीलर को डीएआर मामले से निपटने में गलतियों से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सतर्कता हमेशा निवारक होनी चाहिए, दंडात्मक नहीं। इस दिशा में एससीआर सतर्कता टीम ने फोर्टिफाई व्याख्यान श्रृंखला आयोजित करके अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, जिससे संगठन को बहुत लाभ हुआ और कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा मिला। श्री नीरज अग्रवाल ने दक्षिण मध्य रेलवे के कर्मचारियों और अधिकारियों के लाभ के लिए व्याख्यान श्रृंखला आयोजित करने में सतर्कता शाखा के प्रयासों की सराहना की। श्री विनयन, एसडीजीएम ने अपने भाषण में अनुशासनात्मक कार्यवाही करने में पाई जाने वाली कुछ सामान्य अनियमितताओं को गिनाया और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का उपयोग खुद को सही प्रक्रियाओं के बारे में जानने के लिए करें।

दमरे ने काचीगुडा, रायचूर और औरंगाबाद रेलवे स्टेशनों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गृह मंत्रालय (एम.एच.ए.) के विस्तृत नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल के संचालन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, दक्षिण मध्य रेलवे नागरिक सुरक्षा संगठन ने बुधवार दि. 7 मई 2025 को काचीगुडा, रायचूर और औरंगाबाद रेलवे स्टेशनों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह ड्रिल व्यापक युद्ध-पूर्व तैयारी पहल के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण परिदृश्यों में आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र और अंतर-एजेंसी समन्वय को मजबूत करना था।

यह ड्रिल उदयनाथ कोटला, नागरिक सुरक्षा नियंत्रक और एस.सी.आर. के उप महाप्रबंधक की देखरेख में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षकों और स्वयंसेवकों, स्काउट्स और गाइड्स, रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) कर्मियों आदि के साथ आयोजित की गई, जिन्होंने अंतर-एजेंसी समन्वय के साथ आपातकालीन तैयारी के दौरान शत्रुतापूर्ण हमले के परिदृश्य का अनुकरण किया और निकासी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। रेलवे ने अप्रत्याशित आपात स्थितियों के लिए समग्र तैयारी प्रदर्शित की। इसी प्रकार, दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में औरंगाबाद और रायचूर रेलवे स्टेशनों पर भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें सिविल डिफेंस वालंटियर्स, आरपीएफ कर्मियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

तेलंगाना के परिवहन मंत्री ने आरटीसी बस से यात्रा की

महा लक्ष्मी योजना की सफलता पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को करीमनगर में डुडेडा टोल गेट से सिद्दीपेट कलेक्ट्रेट तक आरटीसी बस से यात्रा की, यात्रा के दौरान साथी यात्रियों से गर्मजोशी से प्रतिक्रिया मिली।

मंत्री ने यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं से बातचीत की और उनके यात्रा अनुभवों और चिंताओं के बारे में पूछा। उन्होंने महा लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को प्रदान की गई मुफ्त बस यात्रा सुविधा पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि इसका राज्य भर में व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि करीमनगर डिपो से एक्सप्रेस बसों में यात्रियों का एक बड़ा हिस्सा महिलाएं हैं और यह योजना उनके लिए फायदेमंद साबित हो रही है।

मंत्री प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार इस योजना का समर्थन करने और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित करने के लिए आरटीसी को हर महीने 330 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही है। उन्होंने टिप्पणी की कि पिछली सरकार ने आरटीसी को कमजोर कर दिया था, लेकिन वर्तमान प्रशासन के तहत इसे पुनर्जीवित किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि नई बसें खरीदी गई हैं और तेलंगाना आरटीसी अब अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहा है।

कई महिला यात्रियों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उन्हें पैसे बचाने में मदद कर रही है और उन्हें राज्य भर में स्वतंत्र रूप से यात्रा करने की अनुमति दे रही है।

मंत्री ने छात्रों के साथ बातचीत की, उन्हें अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी चिंताओं को समझने के लिए आरटीसी ड्राइवरों और कंडक्टरों से बात की।

पिछले दिन जेएसी नेताओं के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए, उन्होंने आरटीसी से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने आरटीसी कर्मचारियों को अपनी हड़ताल की योजना से पीछे हटने और यह सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया कि यात्रियों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

ओबुलापुरम खनन मामला:

सुप्रीम कोर्ट ने आंप्र की आईएएस अधिकारी श्रीलक्ष्मी को आरोप मुक्त करने के हाईकोर्ट के आदेश को पलटा

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ओबुलपुरम अवैध खनन मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वाई श्रीलक्ष्मी को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनके खिलाफ दायर मामले को रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के ओबुलापुरम और मलापनागुडी गांवों में बेल्लारी रिजर्व फॉरेस्ट में लौह अयस्क के अवैध खनन में उनकी कथित भूमिका पर सुनवाई करने के लिए 4 महीने का समय दिया है।

श्रीलक्ष्मी 2007 से 2009 तक कांग्रेस के मुख्यमंत्री डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल में उद्योग एवं वाणिज्य की कार्यवाहक सचिव थीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि सुनवाई उच्च न्यायालय के आदेश से प्रभावित हुए बिना की जानी चाहिए।

सीबीआई ने इस मामले में 2011 में आरोप-पत्र दायर किया था और 2012 में दायर पूरक आरोप-पत्र में श्रीलक्ष्मी को मामले में छठे आरोपी के रूप में दर्ज किया था।नामपल्ली में विशेष सीबीआई अदालत द्वारा उनके द्वारा दायर की गई याचिका को खारिज करने के बाद, उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अपने खिलाफ आरोपों को रद्द करने के लिए एक डिस्चार्ज याचिका दायर की, जिस पर 2022 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया गया।

नवंबर 2011 में सीबीआई ने मामले में खनन लाइसेंस देने में उनकी कथित भूमिका के लिए उन्हें गिरफ्तार किया था और कई महीनों तक जेल में रहीं। 2016 में उनका निलंबन रद्द होने के बाद, उन्होंने शुरुआत में तेलंगाना में काम किया और 2020 में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) से आंध्र प्रदेश में तबादला आदेश प्राप्त करने से पहले। उन्हें पूर्व एपी मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी सरकार में विशेष मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था।नामपल्ली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने मंगलवार, 6 मई को कर्नाटक के पूर्व भाजपा मंत्री गली जनार्दन रेड्डी को ओबुलापुरम अवैध खनन मामले में सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद जनार्दन रेड्डी सहित चार अन्य दोषियों की मेडिकल जांच कराकर उन्हें चंचलगुडा केन्द्रीय कारागार भेज दिया गया।

अन्य आरोपी हैं: आंध्र प्रदेश के पूर्व खान निदेशक वीडी राजगोपाल (ए 3); ओएमसी के पूर्व प्रबंध निदेशक बीवी श्रीनिवास रेड्डी (ए 1) और गली जनार्दन रेड्डी (ए 2) के निजी सहायक महफूज अली खान (ए 7)।

जगतियाल कांग्रेस के नेता आपस में भिड़े

जगतियाल, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

करीमनगर और सिरसिला में गुटीय झड़पों के बाद जगतियाल कांग्रेस में भी अंदरूनी कलह सामने आई है, क्योंकि एआईसीसी सचिव विश्वनाथन पेरुमल की मौजूदगी में दो प्रतिद्वंद्वी समूहों में झड़प हो गई। बुधवार को जगतियाल में जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता डीसीसी अध्यक्ष और धर्मपुरी विधायक अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने की।

विश्वनाथन पेरुमल मुख्य अतिथि थे, जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी जीवन रेड्डी और अन्य पार्टी नेता भी मौजूद थे। विवाद तब शुरू हुआ जब मेटपल्ली कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष गोवर्धन को मंच पर आमंत्रित किया गया।

कोरुतला निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी जुव्वाडी नरसिंह राव के समर्थकों ने डीसीसी के फैसले पर आपत्ति जताते हुए उनकी मौजूदगी का विरोध किया।असहमति जताने वाले समूह ने विरोध में खड़े होकर नारे लगाए, वापस जाओ, बीआरएस गुप्तचर, गोवर्धन पर विपक्षी पार्टी के प्रति वफ़ादार होने का आरोप लगाया।

जवाब में, मेटपल्ली कांग्रेस नेता कलवकुंतला सुजीत राव के समर्थकों ने नरसिंह राव के अनुयायियों का सामना किया, जिससे गरमागरम बहस और अराजकता फैल गई।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, LAKSHMI PURUSHOTHAM Spouse of Service No.623494A Ex.Sgt GIKULA PURUSHOTHAM, R/o.H.No.1-7-1/9/1/204, Plot No. 21-22, Flat No.204, Nidhi Enclave, Srinivas Nagar Colony, Temple Alwal, Secunderabad-500010 have changed my name from LAKSHMI PURUSHOTHAM to GIKULA LAKSHMI vide affidavit dt:7-5-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I B MANGA is legally wedded Spouse of Service No-14659729F, Rank-HAV,Name-Badineni Shekar Residing at H.No-5-44 Govindu Palle,Jagityal Mandal, Mothe (Rural), Motha, Dist-Karimnagar,PIN-505455, State-Telangana. I have changed my name from B MANGA to BADINENI MANGA Affidavit dated 05 May 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, No JC-767355K, SUB MAJ (HONY LT), VALA DHARMENDRA FATESIH, R/O Vill & PO-Charel, Teh-Jamkandorana, Rajkot, Gujrat, I have changed my Mother name from KANCHANBA to VALA KANCHANBA for all purpose vide affidavit dated: 04/05/2025.

CHANGE OF NAME

I, M SREELATHA, is legally wedded spouse of Service No. 15424197A, Rank: EX-HAV, Name: VANGALA SREENIVASA REDDY, residing at Vill:Nakkalapalli, PO:Nakkalapalli, Teh:SIMHADRIPURAM, Dist:Cuddapah, State:ANDHRA PRADESH, Pin:516484, I have Changed my Name from M SREELATHA to MARTHALA SREE LATHA, That my date of Birth is 04-03-1983, Vide Affidavit date 07/05/2025

तेलंगाना सरकार ने एक साल के भीतर सरकारी नौकरियों के लिए 57,000 लोगों की भर्ती की : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की- महज़ एक साल के भीतर 57,000 लोगों को सरकारी नौकरियों में सफलतापूर्वक भर्ती करना। उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक उल्लेखनीय मील का पत्थर बताया, जो मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में संभव हुआ।

शादनगर निर्वाचन क्षेत्र के कोथुर में नाटको जिला परिषद हाई स्कूल के नए भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने सार्वजनिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने घोषणा की कि संरचित, विशेषज्ञ-नेतृत्व वाले दृष्टिकोण के माध्यम से शैक्षणिक मानकों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत जल्द ही सभी सरकारी स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं शुरू की जाएंगी । श्रीधर बाबू ने कहा, लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी स्कूलों के छात्र निजी संस्थानों के अपने समकक्षों के साथ समान रूप से प्रतिस्पर्धा करें।

उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्कूल के पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एकीकृत किया जा रहा है । उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय से लंबित शिक्षकों की पदोन्नति को संबोधित किया गया है और स्कूल संचालन की निगरानी और समर्थन के लिए 'अम्मा समितियाँ' बनाई गई हैं।

उन्होंने कहा, सरकारी शिक्षा में जनता का विश्वास पुनः स्थापित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मंत्री ने विपक्ष की हालिया टिप्पणियों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद गरीबों को आवास उपलब्ध कराने में विफल रहने के लिए पूर्व शासकों की आलोचना की। उन्होंने कहा, जो लोग बुनियादी वादे पूरे नहीं कर सके, वे अब उस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं जो वास्तव में लोगों के लिए काम कर रही है।

समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए श्रीधर बाबू ने घोषणा की कि इंदिराम्मा आवास योजना को सभी पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा ।

इस कार्यक्रम में शादनगर के विधायक के. शंकरैया और लक्ष्मीनारायण तथा पीएसआरके प्रसाद सहित नैटको के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी शामिल हुए , जिससे क्षेत्र में सार्वजनिक शिक्षा के उत्थान के लिए एक सामूहिक प्रयास का संकेत मिला।

हाइड्रा ने बंदलागुडा में 2500 वर्ग गज अतिक्रमित सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त किया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने बुधवार 7 मई को अवैध अतिक्रमण हटाने के बाद, बंदलागुडा मंडल के कंदिकल गांव में 2,500 वर्ग गज सरकारी भूमि को सफलतापूर्वक पुनः प्राप्त किया।सर्वेक्षण संख्या 303 और 306 के अंतर्गत स्थित इस भूमि पर सैयद बशीरुद्दीन और सैयद अमीनउल्लाह हुसैन ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया था, जिन्होंने शहरी भूमि सीमा (यूएलसी) अधिनियम के तहत भूमि को नियमित करने के असफल प्रयासों के बावजूद अनधिकृत शेड और आरसीसी कमरे का निर्माण किया था।सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के बारे में प्रजावाणी के माध्यम से निवासियों द्वारा की गई शिकायतों के बाद अतिक्रमण का मामला प्रकाश में आया। शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, हाइड्रा अधिकारियों ने साइट का निरीक्षण किया और आधिकारिक रिकॉर्ड के साथ क्रॉस-रेफ़रेंस के बाद अतिक्रमण की पुष्टि की। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने दो महीने पहले अवैध ढांचों को हटाने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किया था।हाइड्रा ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर जमीन पर बने चार आरसीसी कमरे, चार रीड शेड और कई दुकानें ध्वस्त कर दीं। इस क्षेत्र को सरकारी संपत्ति के रूप में चिह्नित करने वाले साइनबोर्ड भी लगाए गए।स्थानीय समुदाय ने त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए हाइड्रा के प्रति आभार व्यक्त किया।6 मई को, हाइड्रा ने गाचीबोवली में अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया।

एजेंसी ने संध्या कन्वेंशन क्षेत्र के पास फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एम्प्लाइज कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के लेआउट में अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया। सोसाइटी के सदस्यों के स्वामित्व वाले भूखंडों के अलावा सड़कों और पार्कों पर अतिक्रमण की शिकायतों के आधार पर यह तोड़फोड़ की गई।हाइड्रा ने एक जी+2 टिन संरचना को भी ध्वस्त कर दिया, जो लेआउट पर अतिक्रमण कर रही थी।

राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के रिक्त पदों को भरने का आग्रह

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीडीए) के सदस्यों ने बुधवार को राज्य सरकार से स्थानांतरण पर प्रतिबंध में ढील देने और वारंगल में उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, गांधी मेडिकल कॉलेज और काकतीय मेडिकल कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण अस्पतालों में प्रोफेसरों के रिक्त पदों को भरने का आग्रह किया।टीजीडीए के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा संचालित प्रमुख शिक्षण अस्पतालों में वर्तमान में वरिष्ठ संकाय की भारी कमी है, जिससे चिकित्सा शिक्षा (पीजी प्रशिक्षण) और रोगी देखभाल दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।टीजीडीए ने ज्ञापन में कहा, कई स्वीकृत पद खाली रह गए हैं, जबकि परिधि में योग्य और इच्छुक संकाय सदस्य तबादलों का इंतजार कर रहे हैं। इस मुद्दे को संबोधित करते हुए, हम स्वास्थ्य मंत्री से मौजूदा रिक्तियों में तबादलों की अनुमति देने का अनुरोध करते हैं, जिससे राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना स्टाफिंग में सुधार होगा।हम स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे विभिन्न विभागों में प्रोफेसरों के पदों के लिए स्थानांतरण पर वर्तमान प्रतिबंध को शिथिल करें और उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, गांधी मेडिकल कॉलेज, काकतीय मेडिकल कॉलेज, निजामाबाद में सरकारी मेडिकल कॉलेज में मौजूदा प्रोफेसर रिक्तियों को पात्र संकाय के स्थानांतरण के माध्यम से भरने की अनुमति दें। टीज-ीजीडीए के सदस्यों ने कहा कि ये उपाय न केवल इन संस्थानों के शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करेंगे, बल्कि जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे।

अलवल पुलिस ने 72 घंटे में सुलझाया दोहरा हत्याकांड

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अलवल पुलिस ने सीसीएस मेडचल और एसओटी मेडचल जोन के साथ मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस दो-हरे हत्याकांड को अपराध की घटना के 72 घंटे के भीतर सुलझा लिया गया। त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप एक बार फिर से अपराधी को गिरफ्तार किया गया और शोकाकुल परिवार को न्याय मिला।मामले का खुलासा 4 मई की सुबह हुआ, जब मचाबोल्लारम की स्थानीय निवासी बोज्जा लता ने पुलिस को अपने माता-पिता- राजम्मा और कनकैया की भीषण हत्या के बारे में सूचित किया।बुजुर्ग दंपत्ति अलवल स्थित अपने घर में बिस्तर पर लेटे हुए पाए गए, उनके सिर पर गंभीर चोटें थीं और घाव से खून बह रहा था। आरोपी सोने के आभूषण, जिसमें करीब 2 तोले का पुस्तेला थाडू और करीब 25 तोले की चांदी की पायलें शामिल थीं, लूटकर ले गए थे। लता, जो अपने पति के साथ बगल के अपार्टमेंट में चौकीदारी करती है, ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके माता-पिता पिछले पांच महीनों से उसके घर के पास रह रहे थे, क्योंकि उसके पिता बीमार थे।वे 3 मई की रात को उससे मिलने आए थे और रात 8:00 बजे तक घर लौट आए थे। अगली सुबह 7:30 बजे जब वह दूध देने जा रही थी, तो उसे अपराध का पता चला।

विश्वसनीय इनपुट के आधार पर जांच दल ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। संदिग्धों की पहचान के लिए 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई और पिछले आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की गई। उनकी कोशिशों के बाद वे माचा बोलारम के कृष्णा नगर कॉलोनी के 40 वर्षीय चिंताकिंडी अनिल कुमार तक पहुंचे, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया।अनिल कुमार एक जाना-माना अपराधी है जिसका आपराधिक रिकॉर्ड बहुत लंबा है। उसके आपराधिक इतिहास में चोरी के 21 मामले, एक डकैती, दो बलात्कार-सह-हत्या के मामले, तीन जबरन वसूली के मामले और दो हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं - एक-एक अलवल और नरसापुर पुलिस स्टेशनों में। वह अलवल पुलिस स्टेशन में रखे गए लुटेरे शीट में भी शामिल है।

तेलंगाना कांग्रेस धान खरीद में पूरी तरह विफल रही : हरीश राव

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर धान खरीद में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया।

सिद्दीपेट के इरकोडे में खरीद कार्यों का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का ध्यान मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता पर अधिक है, जबकि किसान लगातार परेशान हो रहे हैं।

फंड की कमी पर रेवंत रेड्डी के बयान का उल्लेख करते हुए, राव ने याद दिलाया कि कैसे के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार ने कोविड-19 और नोटबंदी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया था।

उन्होंने कहा कि ऋतु भरोसा और ऋण माफी से इनकार किए जाने के बावजूद, किसानों ने विभिन्न स्रोतों से उधार लेकर धान की खेती की। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश ने पहले ही किसानों को प्रभावित किया है, और मौजूदा सरकार की अक्षमता उनके संकट को और बढ़ा रही है।राव ने आरोप लगाया कि सरकार आवश्यक सामग्री जैसे कि बोरियां, परिवहन वाहन, धान साफ करने वाले और मजदूर (हमाली) की आपूर्ति करने में विफल रही, जबकि खरीद केंद्रों पर धान उगना शुरू हो गया था।

उन्होंने मांग की कि सरकार बिना शर्त गीला धान खरीदे तथा किसानों को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए मिलरों से समझौता करके फीके पड़े स्टॉक को चावल मिलों को सौंपे।

रेवंत रेड्डी को पूरी तरह से विफल मुख्यमंत्री बताते हुए राव ने उन पर राज्य को वित्तीय संकट की ओर धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की भी आलोचना की कि वे जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए सिर्फ बयान जारी करने तक ही सीमित हैं।राव ने कहा कि उन्होंने स्थिति का आकलन करने के लिए किसी भी अधिकारी को खरीद केंद्रों पर जाते नहीं देखा।

प्रगतिनगर में टीजीएसपीडीसीएल का इंजीनियर 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) में कार्यरत एक सहायक अभियंता (संचालन) को तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार 7 मई को प्रगतिनगर में कथित तौर पर 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी की पहचान ए ज्ञानेश्वर के रूप में हुई है।एसीबी अधिकारियों के अनुसार, ज्ञानेश्वर ने शिकायतकर्ता से 63 केवी ट्रांसफॉर्मर के लिए कार्य पूर्णता आदेश जारी करने और शिकायतकर्ता के स्वामित्व वाले प्लॉट पर नौ बिजली मीटर लगाने के लिए 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, अधिकारी रिश्वत के हिस्से के रूप में 10,000 रुपये स्वीकार करने के लिए सहमत हो गया।शिकायत के आधार पर एसीबी अधिकारियों ने जाल बिछाया और रिश्वत लेते हुए अधिकारी को पकड़ लिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।नागरिकों से आग्रह है कि वे लोक सेवकों से संबंधित रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार के किसी भी मामले की सूचना तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को उसके टोल-फ्री नंबर 1064 पर दें। शिकायतें व्हाट्सएप (9440446106), फेसबुक (तेलंगाना

एसीबी) या आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी दर्ज की जा सकती हैं।

जूनियर कॉलेजों द्वारा अवैध कक्षाओं के खिलाफ जनहित याचिका दायर की

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ढश-श्ररपसरपर क्ळसह ऽीाीं में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें निजी जूनियर कॉलेजों के खिलाफ शिक्षा विभाग और इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड की निष्क्रियता की शिकायत की गई है, जो गर्मी की छुट्टियों के दौरान शारीरिक या ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित कर रहे थे। याचिकाकर्ता बंदेला क्रांति कुमार ने कहा कि निजी कॉलेज इस मामले में इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील सी.आर. सुकुमार ने कहा कि अधिकारी चुप रहे हैं और ऐसे कॉलेजों को छात्रों का शोषण करने की खुली छूट दे रहे हैं। वकील ने यह भी कहा कि हाल ही में कक्षा 10 पूरी करने वाले छात्रों को मानदंडों का पालन किए बिना समय से पहले निजी कॉलेजों में प्रवेश दिया गया था। कुछ ने एसएससी परिणाम घोषित होने से पहले ही कक्षाएं शुरू कर दी थीं। याचिकाकर्ता ने कहा कि अनिवार्य अवकाश के बिना अत्यधिक शैक्षणिक सत्र छात्रों में भारी तनाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियाँ, जलन, चिंता, अवसाद और यहाँ तक कि आत्महत्या की प्रवृत्ति को जन्म देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने ढडइखए को कई बार निजी कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है, जो गर्मी की छुट्टियों के साथ-साथ रविवार और अन्य छुट्टियों में भी कक्षाएं संचालित कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

केपीएचबी डायग्नोस्टिक सेंटर में महिला की मौत, परिवार ने लापरवाही का आरोप लगाया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
66 वर्षीय महिला सिस्टला सूर्या लक्ष्मी की मंगलवार 6 मई को केपीएचबी के मेडक्वेस्ट डायग्नोस्टिक सेंटर में डायग्नोस्टिक प्रक्रिया के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही के कारण कथित तौर पर मौत हो गई। उनके बेटे, 34 वर्षीय सिस्टला वेंकट अभिषेक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

रिपोर्ट के अनुसार , लगातार नाक से स्राव आने के बाद लक्ष्मी को मंगलवार को सीटी सिस्टोग्राफी के लिए भेजा गया था। डायग्नोस्टिक सेंटर में स्कैन से पहले कंट्रास्ट डाई दी गई थी। अभिषेक ने अपनी शिकायत में दावा किया कि उचित नैदानिक सावधानियों या एलर्जी जांच के बिना दवा दी गई, जिससे कार्डियक अरेस्ट हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्टाफ समय पर इंट्यूबेशन देने में विफल रहा और इसके बजाय परिवार पर सहमति न देने का आरोप लगाया।

अभिषेक ने अस्पताल पर आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों की कमी का भी आरोप लगाया। घटना के बाद लक्ष्मी को पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।

शिकायत के आधार पर केपीएचबी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली से शराब की तस्करी करने के आरोप में हैदराबाद में दो कार डीलर गिरफ्तार

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बुधवार, 7 मई को दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जो नई दिल्ली से शराब की तस्करी कर रहे थे और शहर में अवैध रूप से इसकी बिक्री कर रहे थे।आरोपियों की पहचान नागी रेड्डी और रविंदर के रूप में हुई है, जो कार डीलर हैं।विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नागी रेड्डी और रविंदर, जो दोस्त हैं, अक्सर सेकेंड हैंड कारें खरीदने और उन्हें शहर में लाने के लिए दिल्ली आते हैं।इस दौरान उन्होंने दिल्ली से शराब खरीदकर हैदराबाद ले जाना शुरू कर दिया और अपने दोस्तों को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध रूप से मुनाफा कमा रहे थे।सूचना पर पहुंची उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की टीम ने उन्हें पकड़ लिया और उनके पास से विभिन्न ब्रांड की 105 बोतल शराब जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, एक की मौत

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नरसिंगी क्षेत्र के पुप्पलगुड़ा स्थित कुतुब आर्केड अपार्टमेंट में बुधवार तड़के आग लगने से एक 38 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान वीरकांत रेड्डी के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, आग तड़के करीब 2:30 बजे एसी में तकनीकी खराबी के कारण शुरू हुई।हादसे के वक्त परिवार के अन्य सदस्य रेड्डी के माता-पिता और दो बच्चे घर के दूसरे कमरे में थे। धुआं और आग की लपटें महसूस होते ही परिवार ने रसोई में शरण ली और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक रेड्डी की जान जा चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच जारी है।

तेलंगाना में गरज के साथ बारिश, धूलभरी आंधी चलने का अनुमान

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान गरज के साथ बारिश और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चलने का अनुमान जताया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को यह जानकारी दी।यहां आज एक दैनिक मौसम रिपोर्ट के मुताबिक अगले सात दिनों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है।

रेवंत ने ऑपरेशन सिंदूर पर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को यहां ऑपरेशन सिंदूर पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की , जिसमें प्रदेश भर में सार्वजनिक सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए निर्देश जारी किए गए।

एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र में आयोजित बैठक में श्री रेड्डी ने कहा, हम सभी देश की सेना के साथ हैं। यह राष्ट्रीय एकता का समय है, राजनीति का नहीं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और नेताओं से मतभेदों को अलग रखने और इस महत्वपूर्ण समय के दौरान राष्ट्र के समर्थन में एक साथ आने का आग्रह किया। अधिकतम तत्परता सुनिश्चित करने के लिए, आपातकालीन सेवा विभागों में कर्मचारियों की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी सरकारी कर्मचारी हर समय उपलब्ध रहें। उन्होंने इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकारी पदाधिकारियों द्वारा सभी विदेशी दौरे रद्द करने का भी निर्देश दिया। सीएम रेड्डी ने मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग पर

चिंता व्यक्त की और अनावश्यक प्रचार में लगे सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। जनता को सूचना और आपात स्थिति में सहायता के लिए 24 घंटे की टोल-फ्री हेल्पलाइन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों से राज्य में अनौपचारिक रूप से रह रहे व्यक्तियों को तत्काल हिरासत में लेने का भी निर्देश दिया। उन्होंने वास्तविक समय के समन्वय और डेटा विश्लेषण की सुविधा के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर के भीतर एक व्यापक सूचना प्रणाली की स्थापना का आह्वान किया। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शांति और सुरक्षा को भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के महत्व को भी रेखांकित किया कि ब्लड बैंकों में पर्याप्त स्टॉक हो और आपातकालीन दवाएं आसानी से उपलब्ध हों। निजी अस्पतालों को बिस्तरों की उपलब्धता के बारे में नियमित अपडेट देने के लिए कहा गया है, जबकि रेड क्रॉस के साथ समन्वय करके कुशल आपातकालीन प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। पर्याप्त खाद्य भंडार बनाए रखा जाना चाहिए, और अधिकारियों को किसी भी संभावित साइबर खतरे के प्रति सतर्क रहना चाहिए। फर्जी खबरों के बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए, सीएम रेड्डी ने गलत सूचनाओं की निगरानी और उन पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष सेल के गठन का निर्देश दिया, इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसी खबरें जनता में दहशत पैदा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि झूठी सूचना फैलाने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि निगरानी बढ़ाने के लिए तीनों पुलिस आयुक्तालयों में सीसीटीवी कैमरों को कमांड कंट्रोल रूम के साथ पूरी तरह से एकीकृत किया जाए। दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों सहित सभी जिलों में कानून प्रवर्तन की उपस्थिति और सतर्कता बढ़ाई जानी चाहिए। विदेशी दूतावासों, आईटी गलियारों और हैदराबाद शहर के प्रमुख क्षेत्रों के आसपास भी सुरक्षा को मजबूत किया जाना चाहिए। पुलिस को विशेष रूप से हिस्ट्रीशीटर और ज्ञात अपराधियों की गतिविधियों के संबंध में हाई अलर्ट पर रखा गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, सीएम रेड्डी ने सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए, जहाँ आवश्यक हो, स्थानीय शांति समितियों के साथ संचार को प्रोत्साहित किया।

सीएम रेवंत रेड्डी ने आरआरआर सरेखण की समीक्षा की

अधिकारियों को परियोजनाओं में तेजी लाने और सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य के सड़क ढांचे- जिसमें क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर), रेडियल सड़कें, जंक्शन और उनकी इंटरकनेक्टिविटी शामिल है- को अगले 50 वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सीएम ने आरआरआर के दक्षिणी भाग के सरेखण की समीक्षा की और प्रस्तावित लेआउट में कई बदलावों की सिफारिश की।

जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान सीएम रेवंत रेड्डी ने आरआरआर (दक्षिणी खंड) के सरेखण की जांच की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विशेष रूप से जंगलों, जल निकायों, मंडल मुख्यालयों और गांवों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अग्रिम रूप से एलआईडीएआर सर्वेक्षण किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को सरेखण में किसी भी त्रुटि से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया ।समीक्षा बैठक में सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी , मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और संबंधित विभागों के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने रेडियल सड़कों, सैटेलाइट टाउनशिप और औद्योगिक पार्कों के डिजाइन पर चर्चा की, इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के शहरी और औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए रेडियल सड़कों की योजना बनाई जानी चाहिए ।सीएम रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि आउटर रिंग रोड (ओआरआर) को आरआरआर से जोड़ने वाली रेडियल सड़कों के निर्माण में तेजी लाई जानी चाहिए। ये सड़कें हैदराबाद और बाहरी क्षेत्रों के बीच सुगम परिवहन और यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन जगहों पर ट्रम्पेट इंटरचेंज बनाएं जहां राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग आरआरआर से मिलते हैं , खासकर हैदराबाद के बाहरी इलाकों से परे। निर्बाध यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और भ्रम को खत्म करने के लिए इन्हें सिग्नल-फ्री होना चाहिए।

ऑपरेशन अभ्यास : हैदराबाद में चार स्थानों पर बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आपातकालीन तैयारियों को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बुधवार को हैदराबाद में चार प्रमुख स्थानों पर 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल की गई। इस राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य संभावित मिसाइल हमलों, हवाई हमलों या प्राकृतिक आपदाओं के सामने भारत की तैयारियों का आकलन करना और उन्हें मजबूत करना था।मॉक ड्रिल का उद्देश्य लोगों को यह सिखाना था कि हवाई हमलों या प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपातकालीन स्थितियों के दौरान कैसे प्रतिक्रिया करनी है। हैदराबाद पुलिस ने नागरिक सुरक्षा सेवाओं के साथ समन्वय करके नागरिकों और आपातकालीन कर्मियों को आपातकालीन प्रोटोकॉल और सुरक्षित प्रथाओं में प्रशिक्षित करने के लिए इस सिमुलेशन का उपयोग किया।नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल शहर के चार प्रमुख क्षेत्रों में आयोजित की गई: सिकंदराबाद, कंचनबाग, नानल नगर और नचाराम एनएफसी क्षेत्र था।प्रत्येक स्थान का चयन उसके सामरिक महत्व और जनसंख्या घनत्व के आधार पर किया गया था। यह अभ्यास तेलंगाना में 54 वर्षों में पहला नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल था , जिससे यह राज्य के लिए एक ऐतिहासिक घटना बन गई।इस अभ्यास में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) , राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) , रक्षा विभाग और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने भाग लिया। उच्च पदस्थ अधिकारियों ने कमांड कंट्रोल सेंटर से अभ्यास की निगरानी की और विभिन्न आपातकालीन शाखाओं के बीच समन्वय सुनिश्चित किया। सिकंदराबाद छावनी, गोलकुंडा, कंचन बाग डीआरडीओ और एनएफसी मौला अली जैसी जगहों पर अधिकारियों ने सिमुलेशन का नेतृत्व किया और सीधे जनता से जुड़े। 12 नागरिक सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने संभावित हवाई हमले के दौरान सुरक्षा उपायों पर जागरूकता अभियान चलाया।यह पूरा अभ्यास लगभग 30 मिनट तक चला , जिसमें लोगों का सहयोग भी बहुत अच्छा रहा। निवासियों को सायरन और लाउडस्पीकर के माध्यम से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और सुरक्षा अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया गया। सीमा पार सैन्य अभियानों के बाद भारत हाई अलर्ट पर है, हैदराबाद के ऑपरेशन अभ्यास ने आपात स्थितियों से निपटने के लिए शहर की तत्परता को प्रदर्शित किया। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के अभ्यास सार्वजनिक लचीलापन बनाने और वास्तविक खतरों के मामले में त्वरित, समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।इस ऑपरेशन की निगरानी अग्निशमन सेवा के महानिदेशक नागी रेड्डी ने की , जो तेलंगाना के नागरिक सुरक्षा निदेशक के रूप में भी काम करते हैं । उनके साथ हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद और आईसीसीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। आयुक्त आनंद ने अंतर-विभागीय समन्वय के परीक्षण और परिचालन खामियों की पहचान करने में मॉक ड्रिल के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने कहा, इस तरह के अभ्यास हमें वास्तविक आपात स्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने और हमलों या आपदाओं के दौरान कैसे कार्य करना है, इस बारे में जनता को शिक्षित करने में मदद करते हैं।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस को मिली गर्मियों के अनुकूल नई टोपियां

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने गर्मियों के अनुकूल नई डिजाइन की गई टोपियां पेश कीं, जिनका उद्देश्य धूप में लंबे समय तक ड्यूटी करने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए आराम में सुधार करना है। कार्यक्रम में बोलते हुए, सी.वी. आनंद ने शहर भर में यातायात की सुचारू आवाजाही को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता और दक्षता की आवश्यकता पर जोर दिया। निगरानी और प्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए, हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने चुनिंदा ऊंची इमारतों पर हाई-राइज़ कैमरे लगाने की घोषणा की, जो वास्तविक समय की निगरानी और यातायात उल्लंघनों को पकड़ने में सहायता करेंगे।एक अन्य तकनीकी बढ़ावा देते हुए, हैदराबाद यातायात शाखा को एक ड्रोन आवंटित किया गया है।

यह ड्रोन हवाई निगरानी, यातायात विश्लेषण में सहायता करेगा और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करेगा।उन्होंने बुद्धिमान यातायात मानचित्रण और प्रबंधन के लिए गूगल के साथ सहयोग करने की योजना का भी उल्लेख किया, जिससे यात्रियों की आवाजाही और अधिक आसान हो जाएगी।

ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत किया

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएम आईएम) के अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर भारतीय रक्षा बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्वागत किया है।श्री ओवैसी ने एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''मैं पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर हमारे रक्षा बलों द्वारा किए गए सर्जिकल स्ट्राइक का स्वागत करता हूं। पाकिस्तानी डीप स्टेट को कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए कि अब कभी दूसरा पहलगाम नहीं हो सकता। पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। जय हिंद। ऑपरेशन सिंदूर।'' ओवैसी की टिप्पणी ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव के मद्देनजर आई है, जिसने अपने रणनीतिक और सुरक्षा निहितार्थों के कारण राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

बीआरएस ने सशस्त्र बलों को आतंकी ढांचे को खत्म करने की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर सटीक हमले के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम किया।बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक्स पर कहा , आतंकवादी ढांचे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए। उन्हें और अधिक शक्ति और ताकत मिले, इसकी कामना करता हूं।

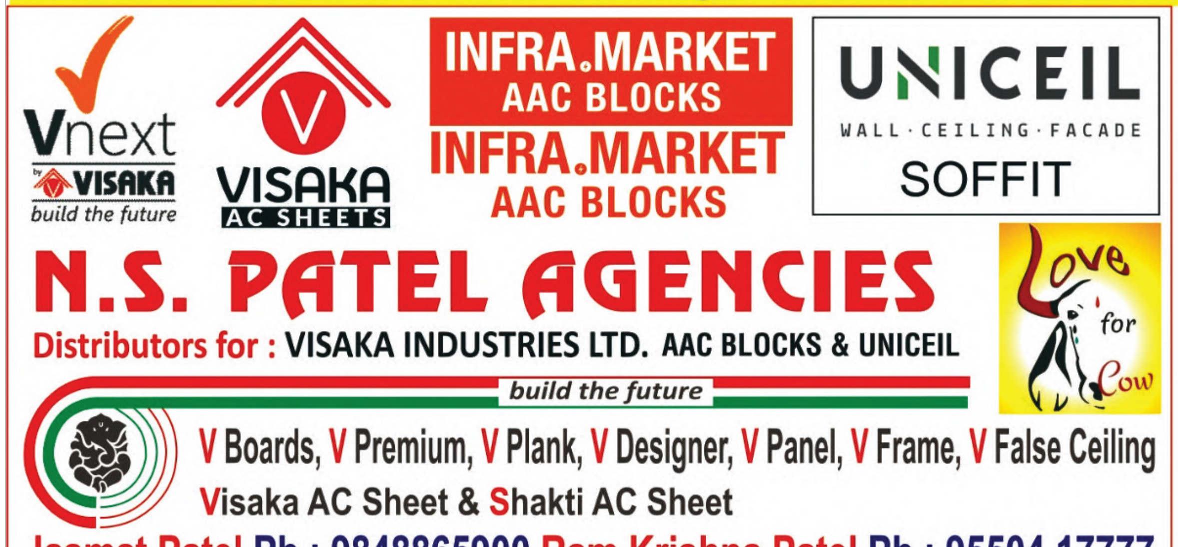

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.